राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

वार्षिक प्रतिवेदन और वार्षिक लेखा 2018-2019

वार्षिक प्रतिवेदन
और
वार्षिक लेखा
2018–2019

राष्ट्रीय बाल भवन
कोटला रोड, नई दिल्ली-110002

भाग क

वार्षिक प्रतिवेदन

2018-19

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

शिक्षा का मुख्य उद्देश्य बच्चे में पहले से
विद्यमान पूर्ण प्रवीणता को प्राप्त करना है।

– स्वामी विवेकानंद

अनुक्रमणिका

भाग क – वार्षिक प्रतिवेदन

	अध्यक्ष की कलम से	*v*
	निदेशक की कलम से	*vii*
	राष्ट्रीय बाल भवन प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची 31.03.2019 तक	*viii*
1.	परिचय	1
2.	हमारा मिशन, हमारा दृष्टिकोण	2
3.	लक्ष्य और उद्देश्य	3
4.	राष्ट्रीय बाल भवन की संगठनात्मक तालिका	4
5.	सदस्यता संख्या 2018-19	5
6.	गतिविधियाँ – एक नज़र में	7
7.	राष्ट्रीय बाल संग्रहालय	17
8.	राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र	18
9.	हमारे कार्यक्रम	19
10.	विशेष उपलब्धियाँ	35
11.	विस्तृत रिपोर्ट	39
12.	जवाहर बाल भवन, माण्डी	62
13.	दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बाल भवन केन्द्र	79
14.	भारत में संबद्ध बाल भवनों एवं बाल भवन केन्द्रों की सूची	82
15.	राज्य स्तरीय बाल भवन केन्द्र	95
16.	31.03.2019 को राष्ट्रीय बाल भवन कार्मिकों की सूची	97

भाग ख – वार्षिक लेखा

I. लेखा परीक्षक की रिपोर्ट 103

II. राष्ट्रीय बाल भवन तुलन पत्र

1. तुलनपत्र 104
2. आय तथा व्यय खाता 105
3. प्राप्ति तथा अदायगी खाता 106

III. अनुसूचियाँ

4. अनुसूची-1 – पूंजीगत निधि 107
5. अनुसूची-2 – निर्धारित/निश्चित/एंडोमेंट निधि 108
6. अनुसूची-3 – वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध 109
7. अनुसूची-4 – अचल परिसंपत्तियां (मूर्त परिसंपत्तियां) 110
9. अनुसूची-5 – निश्चित/एंडोमेंट निधियों से निवेश 111
10. अनुसूची-6 – निवेश अन्य 111
11. अनुसूची-7 – वर्तमान परिसंपत्तिया 112
12. अनुसूची-8 – ऋण, अग्रिम एवं जमा 113
13. अनुसूची-9 – शैक्षिक प्राप्तियां 114
14. अनुसूची-10 – अनुदान एवं सब्सिडी (प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान) 115
15. अनुसूची-11 – निवेश से आय 116
16. अनुसूची-12 – अर्जित ब्याज 116
17. अनुसूची-13 – अन्य आय 117
18. अनुसूची-14 – गत अवधि की आय 118
19. अनुसूची-15 – कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय) 118
20. अनुसूची-15 क – कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति एवं सेवावसान लाभ 119
21. अनुसूची-16 – शैक्षिक व्यय 120
22. अनुसूची-17 – प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय 121
23. अनुसूची-18 – परिवहन व्यय 122
24. अनुसूची-19 – मरम्मत एवं अनुरक्षण 122
25. अनुसूची-20 – वित्त लागत 123
26. अनुसूची-21 – अन्य व्यय 123
27. अनुसूची-22 – गत अवधि के व्यय 123

IV. आन्तरिक प्राप्ति खाता

34. तुलनपत्र 124
35. आय एवं व्यय खाता 125
36. प्राप्ति एवं अदायगी खाता 126
37. अनुसूची 4 : स्थायी परिसंपत्ति – 31 मार्च 2019 को परिसंपत्तियों के मुल्यह्रास की सूची 128

V. भविष्य निधि – जी.पी.एफ./सी.पी.एफ.

28. तुलनपत्र 129
29. आय एवं व्यय खाता 130
30. प्राप्ति एवं अदायगी खाता 131

VI. नई पेंशन योजना

31. तुलनपत्र 132
32. आय एवं व्यय खाता 133
33. प्राप्ति एवं अदायगी खाता 134

VII. लेखकरण नीतियाँ एवं लेखा नोट्स

37. अनुसूची-23 – महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ 135
38. अनुसूची-24 – लेखा नोट्स 137

भाग ग – लेखा रिपोर्ट

VIII. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट 141

IX. लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुलग्नक 146

अध्यक्ष की कलम से

प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी हमने अपने कार्यक्रमों को नवीन बनाया है और सभी पहलुओं पर कड़ी मेहनत के बाद नई अवधारणाओं के बड़े सपने देखने की आकांक्षा जारी रखी है। हमारे परिसर का सकारात्मक वातावरण 5 से 16 आयु वर्ग के बच्चों को एक बहुआयामी एवं भागीदारी तरीके से सीखने के अनूठे अनुभव के लिए आमंत्रित करता है।

राष्ट्रीय बाल भवन अच्छी तरह से अपनी गौरवशाली विरासत का निर्माण करने के लिए एक ही समय में ऊँचाइंयों और उपलब्धियों के अपने रिकार्ड के साथ नए अवसरों का लाभ उठाने और अपनी गतिविधियों के लिए एक अनूठा परिप्रेक्ष्य लाने में सक्षम है। हमारे बच्चों को विभिन्न प्रदेशों से संस्कृति आदान-प्रदान करने के लिए हर साल राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष इसका विषय था "सृजनात्मक भारत" इस विषय के चुनाव का उद्देश्य था बच्चों को अपने देश की विविध संस्कृति के बारे में समझाना एवं उससे सीखना। राष्ट्रीय बाल भवन का उद्देश्य बच्चों को अपने बारे में और लगातार बदलते परिवेश के बारे में जानने के लिए प्रोत्साहित करना है। बाल भवन अपने भारतीय मूल्यों को संरक्षित करते हुए मात्र पुस्तकों की सीमाओं से परे हो कर अनुभव देने का प्रयास करता है।

इस वर्ष राष्ट्रीय बाल भवन ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने परिवार में 105 फीट ऊँचे राष्ट्रीय ध्वज की स्थापना के साथ अपनी अच्छी यादों में अवस्मिरणीय ऐतिहासिक यादों को जोड़ा है और इसके परिसर में पुनः जीवित भाप इंजन और स्मारिका विक्रय केन्द्र का उद्घाटन किया है।

राष्ट्रीय बाल भवन ने इस साल की शुरूआत शानदार की है लेकिन अभी एक लंबा रास्ता तय करना है। मुझे यकीन है कि इसके सभी हितधारकों के सहयोग से हम राष्ट्रीय बाल भवन के आदर्श को पूरा कर पाएंगे।

अप्रैल, 2019
नई दिल्ली

शालू जिन्दल
अध्यक्ष

निदेशक की कलम से

राष्ट्रीय बाल भवन एक रचनात्मकता और मनोरंजन से भरा स्थान है। वर्ष भर राष्ट्रीय बाल भवन की गतिविधियाँ, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और उनके अनुप्रयोग की आज़ादी के इर्द-गिर्द घूमती है। हम अनुभवहीन मानव से एक सम्पूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं, उन्हें ज्ञान प्रदान करते हैं जो जीवन के व्यापक परिप्रेक्ष्य को जन्म देगा।

राष्ट्रीय बाल भवन का उद्देश्य प्रत्येक बाल प्रतिभा की सृजनात्मक क्षमता को पहचान कर उन्हें विभिन्न गतिविधियों, कार्यशालाओं तथा राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों की सहायता से अवसर प्रदान करना है। राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों में शामिल हैं, राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर, बाल श्री सम्मान योजना, राष्ट्रीय युवा पर्यावरण विज्ञानी सम्मेलन जो कि उन्हें कुछ नया सीखने के लिए उत्साह पैदा करने में मदद करते हैं।

हमारी धारणा है कि व्यक्ति का व्यक्तित्व जिस वातावरण में रहता है उसी से तैयार होता है। राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों को समर्थ स्तर तक उनकी क्षमताओं का पोषण करने के लिए एक अनुकूलित प्रयास के साथ अपना समर्थन देने का प्रयास करता है। एक कुशल, प्रतिभाशाली और सृजनात्मक व्यक्तित्व का निर्माण करने का प्रयास करता है। इस वर्ष राष्ट्रीय बाल भवन ने आपने पूर्व छात्रों के दूसरे वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया जहां पूर्व कर्मचारियों और बच्चों ने एक मंच सांझा किया और अपने जीवन को आकार देने/विकसित करने में राष्ट्रीय बाल भवन के योगदान पर चर्चा की।

राष्ट्रीय बाल भवन वृद्धि और विकास के आकर्षक मार्ग पर है। यह पहले से ही खुद को अनौपचारिक शिक्षा संस्थान के रूप में स्थापित कर चुका है। जो विकास वृद्धि संस्थान ने सोची है, उस प्रयास में यह केवल एक शुरूआत है।

अप्रैल, 2019
नई दिल्ली

राशि शर्मा
निदेशक

राष्ट्रीय बाल भवन प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची 31.03.2019 तक

1. श्रीमती शालू जिन्दल
   अध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल भवन
   कोटला रोड, नई दिल्ली–110002
   (दिनाँक 01.01.2019 तक)

2. डॉ. इन्दुमती राव
   उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल भवन
   म. नं. 134, प्रथम ब्लाक
   6 मेन, बी.एस.के.–III स्टेज
   बैंगलोर–560085

3. प्रो. आर. गोविन्दा
   डी–504, प्रकृति अपार्टमेंटस
   सैक्टर–6, द्वारका, नई दिल्ली
   (दिनाँक 01.01.2019 तक)

4. सुश्री रीतू अग्रवाल
   उप सचिव (एमडीएम)
   मानव संसाधान विकास मंत्रालय
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली

5. श्री अनिल काकरिया, निदेशक (वित्त)
   स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
   आन्तरिक वित्त विभाग
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली

6. श्रीमती लता वैद्यनाथन
   बोर्ड सदस्य, राष्ट्रीय बाल भवन
   1601, टावर–5, साउथ अपार्टमेन्टस के पास
   निरवाना काउन्ट्री, गुडगांव
   (दिनाँक 01.01.2019 तक)

7. डॉ. सायरा वर्गीश
   बोर्ड सदस्य, राष्ट्रीय बाल भवन
   सी–86, डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली
   (दिनाँक 01.01.2019 तक)

8. श्रीमती राशी शर्मा
   निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन
   कोटला रोड, नई दिल्ली–110002

परिचय

राष्ट्रीय बाल भवन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अन्तर्गत एक स्वायत्तशासी संस्था है। यह संस्था 5 से 16 वर्ष के बीच की आयु के बच्चों के लिए एक गैर-औपचारिक शिक्षा का केन्द्र है। इसकी स्थापना 1956 में हुई थी। बच्चों को सोच, कल्पना तथा सृजनात्मक व आमोदपूर्ण गतिविधियों के माध्यम से उन्मुक्त प्रदर्शन के स्वप्न को केन्द्र में रखकर भारत के पहले प्रधानमंत्री द्वारा इसकी नींव रखी गई। बाल भवन देश के चारों कोनों में 142 मान्यता प्राप्त बाल भवनों एवं बाल केन्द्रों के साथ एक आन्दोलन का रूप ले चुका है। इसके अलावा 49 बाल केन्द्र और दिल्ली के माण्डी गाँव में एक ग्रामीण जवाहर बाल भवन भी कार्यरत है। राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों को उनकी आयु, दक्षता एवं सामर्थ्य के अनुसार विभिन्न गतिविधियां एवं अवसर उपलब्ध कराकर बच्चों की सृजनात्मक क्षमता का विकास करने, अभिव्यक्ति, प्रयोग, सृजन एवं कलाप्रदर्शन का सामूहिक मंच उपलब्ध कराता है। यह संस्था बच्चों को किसी प्रकार के भय अथवा तनाव से मुक्त वातावरण में, सम्भावनाओं का बृहद आकाश प्रदान करती है। राष्ट्रीय बाल भवन व इसकी मान्यता प्राप्त संस्थाओं में बच्चों, विशेषकर समाज के वंचित वर्गों के लिए नियमित कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है।

इस संस्था का उद्देश्य बच्चों को विविध गतिविधियों, अवसर, विचार-विमर्श, अनुभव, सृजन द्वारा तथा उनकी आयु, दक्षता एवं सामर्थ्य के अनुसार एक सांझे मंच पर कार्य करके सृजनात्मक क्षमता का विकास करना है। बाल भवन बच्चों को सम्पूर्ण सृजन की स्वतंत्रता प्रदान करने के साथ-साथ खेल-खेल की पद्धति से भी सीखने का अवसर प्रदान करता है तथा नृत्य, नाटक, संगीत, सृजनात्मक कला, छायांकन, कम्प्यूटर आदि के माध्यम से उनकी सृजनात्मक क्षमता का विकास करता है। राष्ट्रीय बाल भवन, सभी गतिविधियों के लिए एक केन्द्र स्थल बन बच्चों को एकत्रित करके उनके चहुंमुखी व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ वसुधैव कुटुंबकम की भावना को भी सुदृढ़ करता है।

प्रत्येक वर्ष कई हज़ारों बच्चे बाल भवन से जुड़ते हैं। सन् 1956 में मात्र 300 बच्चों की सदस्यता के साथ शुरू हुआ यह आन्दोलन अब लाखों बच्चों का सागर बन चुका है और बच्चे विविध अनुभवों का लाभ उठा रहे हैं। दूर-दराज़ इलाकों के बच्चों तक पहुंचने के लिए दिल्ली राज्य के कई क्षेत्रों में 49 बाल केन्द्रों की स्थापना की गई है। ये बाल केन्द्र सभी पृष्ठ भूमि एवं परिवेश से आए बच्चों की जरूरतों को पूरा करते हैं। माण्डी स्थित जवाहर बाल भवन वस्तुतः राष्ट्रीय बाल भवन की ग्रामीण इकाई है, जो राष्ट्रीय बाल भवन के अधीन संचालित है तथा ग्रामीण जनसंख्या को समानांतर सेवाएं उपलब्ध कराती है। राज्य बाल भवन और बाल केन्द्र, देश के सभी भागों तथा दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में खोले गए हैं और वे सभी जगह समान सेवायें प्रदान कर रहे हैं। राष्ट्रीय बाल भवन सभी के लिए सृजनात्मकता, नवोन्मेष एवं अभिव्यक्ति हेतु सतत प्रक्रिया है, जो बच्चों को पूर्णरूपेण विकसित करने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील है।

बालश्री योजना मुख्य चार विधाओं अर्थात् सृजनात्मक कला, सृजनात्मक लेखन, सृजनात्मक प्रदर्शन कला एवं सृजनात्मक वैज्ञानिक नवीकरण में 1995 में देश भर में शुरू की गई थी, जिसके द्वारा देश के सृजनशील बच्चों का चयन किया जाता है। अक्तूबर-नवम्बर, 2015 में बालश्री योजना में संशोधन किया गया। 31 मार्च, 2019 तक देश भर में कड़ी चयन प्रक्रिया के माध्यम से 745 बच्चों को पुरस्कार हेतु चुना जा चुका है।

हमारा मिशन

प्रत्येक बच्चे को इस खुशहाल संसार में एक सृजनात्मक, मानवीय एवं नवोन्मेषी एवं अद्भुत परिवेश में पूर्ण रूप से योगदान करने और प्रयास करने के अवसर प्रदान करना।

हमारा दृष्टिकोण

जिज्ञासा एवं दृश्य कला, विज्ञान गतिविधि, शारीरिक क्रियाकलापों आदि के माध्यम से सम्भावनाओं के आनन्द का अवसर प्रदान करना। ऐसे मूल्यों का निर्माण करना जिससे आत्मविश्वास और विश्व के जिम्मेदार नागरिक की भावना विकसित हो सके।

लक्ष्य और उद्देश्य

राष्ट्रीय बाल भवन का लक्ष्य :

राष्ट्रीय बाल भवन का लक्ष्य है, बच्चों में विश्वास, आत्म-निर्भरता, धर्म-निरपेक्षता की प्रवृत्ति तथा मूल्यों के प्रति प्रेम जागृत करना जिससे वे राष्ट्र को शक्तिवान व सम्पन्न बनाने में योगदान दे सकें। ऐसे ही सृजनात्मक कला, सृजनात्मक लेखन, सृजनात्मक प्रदर्शन कला, शारीरिक शिक्षा, वैज्ञानिक नवप्रयोग, छायांकन, गृह प्रबंधन तथा संग्रहालय तकनीक आदि से शिक्षण की अनौपचारिक पद्धति के माध्यम से बच्चों को अपनी सृजनात्मकता को विकसित करने के अवसर प्रदान करना है। बाल भवन इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु बाल भवन के दर्शन का प्रसार करते हुए कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों की सृजनात्मकता को पहचानता है व पोषित करता है।

राष्ट्रीय बाल भवन के उद्देश्य हैं :

1. बच्चों को शिक्षा और सृजनात्मकता के लिए अवसर प्रदान करना।
2. बच्चों को ऐसे अनुभव व कार्यकलाप प्रदान करना, जो उन्हें अन्यथा उपलब्ध नहीं होते।
3. स्थानीय विद्यालयों के लिए उनके पाठ्यक्रम संबंधी और पाठ्येत्तर कार्यकलापों को समृद्ध बनाने हेतु कुछ शैक्षणिक सेवाएं प्रदान करना।
4. कला और विज्ञान में सृजनात्मक अवधारणा के पोषण के लिए अध्यापन में नेतृत्व और मार्गदर्शन प्रदान करना।
5. मनोविनोद गतिविधियों से जुड़े कामगारों और बाल संग्रहालय के कार्मिकों को प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करना।
6. राष्ट्र के लिए प्रोटोटाईप शिशु बाल संस्थान प्रदान करना अर्थात् एक आदर्श बाल भवन स्थापित करना।
7. मनोरंजक और शारीरिक कार्यकलापों के माध्यम से बच्चों के व्यक्तित्व और उनकी प्रतिभाओं का विकास करना।
8. सभी वर्गों और समुदायों के बच्चों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक मेल-मिलाप को प्रोत्साहित करना।
9. बच्चों में ऐसे मूल्य अंतर्विष्ट करना, जो उन्हें वैज्ञानिक प्रवृत्ति के साथ-साथ आधुनिक भारत का विकास करने में सहायक हों।
10. उपरोक्त वर्णित कार्यकलापों को एक आंदोलन के रूप में प्रोत्साहित करना।

राष्ट्रीय बाल भवन की संगठनात्मक तालिका

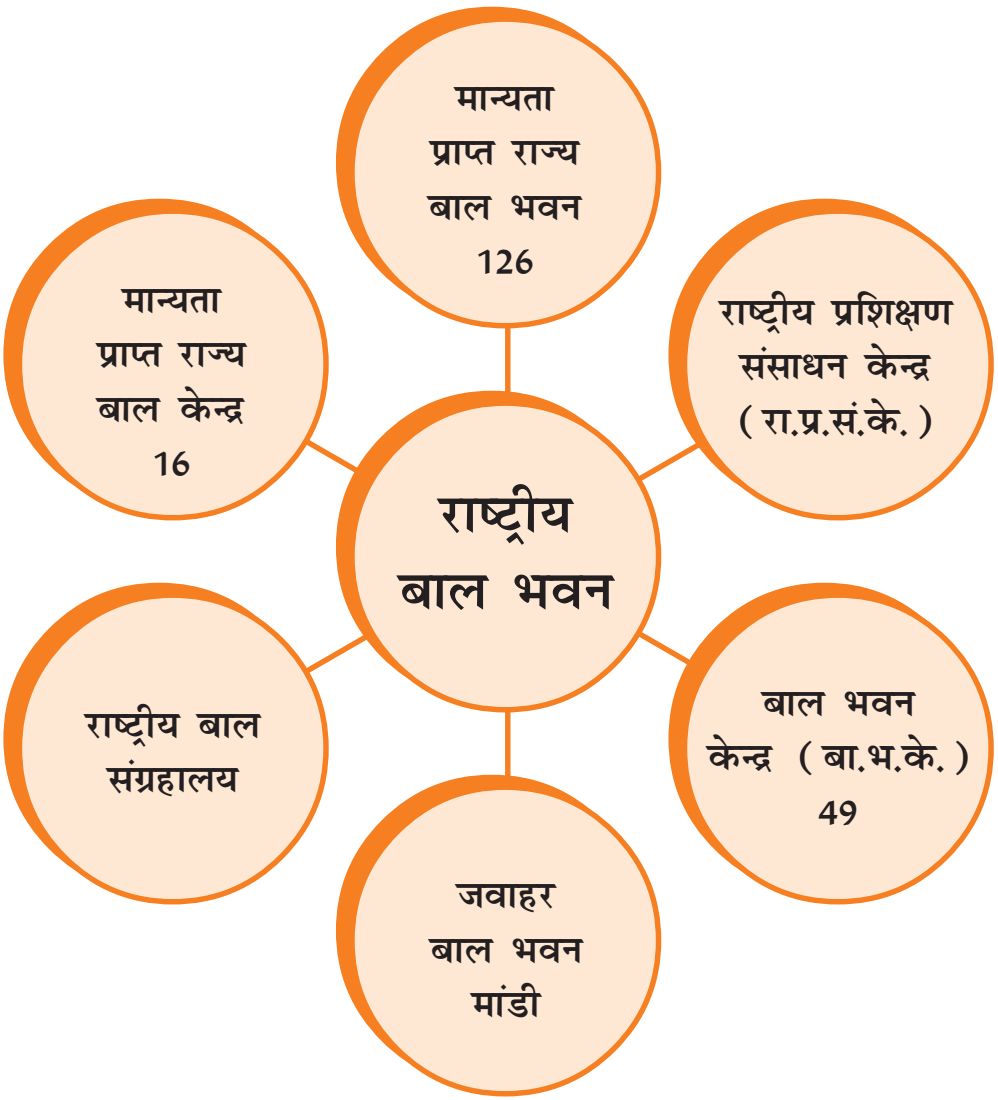

सदस्यता संख्या 2018-19

राष्ट्रीय बाल भवन, जवाहर बाल भवन माण्डी तथा राष्ट्रीय बाल भवन के अन्तर्गत चल रहे दिल्ली के 49 बाल केन्द्रों में बच्चे वार्षिक सदस्यता प्राप्त करते हैं। इस वर्ष 5177 (1453 नि:शुल्क सदस्य, ऑन लाईन पंजीकरण - 56) बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन में एवं 1028 जवाहर बाल भवन माण्डी में और 8,427 बच्चों ने दिल्ली के 49 बाल केन्द्रों में सदस्यता प्राप्त की।

राष्ट्रीय बाल भवन का सभी क्षेत्रों के बच्चों का सृजनात्मक विकास करना ही केन्द्रीयभूत लक्ष्य है। राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चे अनेकानेक गतिविधियों में भाग लेने के लिए स्वतंत्र हैं और ये गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास तथा उनकी तादात बढ़ाने के लिए तैयार की जाती हैं।

व्यक्तिगत सदस्यता के अलावा दिल्ली के सभी सरकारी स्कूलों को नि:शुल्क संस्थागत सदस्यता प्रदान की जाती है। 16 पब्लिक स्कूलों तथा 01 अनाथालय को वर्ष 2018-2019 के लिए राष्ट्रीय बाल भवन की सदस्यता प्राप्त हुई।

सरकारी विद्यालयों को नि:शुल्क व गैर सरकारी विद्यालयों एवं एन.जी.ओ. को अल्प शुल्क पर सदस्यता उपलब्ध करवाई जाती है।

निम्नलिखित सदस्यता संख्या इस प्रकार हैं –

क्र.सं	बाल भवन	कुल	
		2017-18	2018-19
1.	राष्ट्रीय बाल भवन	4758	5177 (56 आनॅलाईन, 1453 नि:शुल्क)
2.	जवाहर बाल भवन, माण्डी	877	1028
3.	बाल भवन केन्द्र	8533	8427

वार्षिक संस्थागत सदस्यता संख्या –

क्र.सं.	पब्लिक स्कूल एवं गैर सरकारी संस्थान		नि:शुल्क संस्थाएँ	
	2017-18	2018-19	2017-18	2018-19
1	15	16	1	1

110 विद्यालयों के 20,514 बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।

सदस्य पब्लिक स्कूलों एवं गैर सरकारी संस्थानों की सूची

1. द फाउण्डर, फ्री स्कूल अण्डर द ब्रिज, पिल्लर नं. 5 एवं 6, नियर यमुना बैंक मेट्रो डिपोट, दिल्ली-92
2. मैक्सफोर्ट, गुरू हरीकिशन नगर, पश्चिम विहार, नई दिल्ली-87
3. सेंट स्टीफन्स हॉस्पिटल, तीस हजारी, दिल्ली-54
4. स्कूल चले ट्रस्ट, टी-227, उत्तम नगर, नई दिल्ली-59
5. रामजस पब्लिक स्कूल, डे बोर्डिंग, आनन्द पर्वत, नई दिल्ली-110005
6. नवशक्ति उच्चतम माध्यमिक बालिका विद्यालय, 1 विष्णु दिगम्बर मार्ग, नई दिल्ली-110002
7. स्वर्ण भारती पब्लिक स्कूल, सोनिया विहार, दिल्ली-110094
8. बाबू राम हैप्पी स्कूल, 1192, गली बाबू राम, कूचा पातीराम, बाजार सीता राम, दिल्ली-110006
9. हैप्पी इंगलिश स्कूल, शरद विहार, कड़कड़डूमा, दिल्ली-110092
10. भारत नैशनल पब्लिक स्कूल, राम विहार, कड़कड़डूमा, दिल्ली-110092
11. सेंट लारेंस पब्लिक सीनियर सैकण्ड्री स्कूल, एके, फसिलीटी सेंटर, एलआईसी कालोनी के सामने दिलशाद गार्डन, दिल्ली-110095
12. लवली पब्लिक सीनियर सैकण्ड्री स्कूल, प्रियदर्शनी विहार, नियर बैंक एंक्लेव, दिल्ली-92
13. सोसायटी फॉर ऑल राउण्ड डवलपमेंट (सारड), 311 कीर्ति दीप बिल्डिंग, नांगलराया कॉम्पलैक्स, नई दिल्ली।
14. पं. दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांगजन, सशक्तिकरण विभाग, समाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, 4, विष्णु दिगम्बर मार्ग, नई दिल्ली-110002
15. अलोक भारती पब्लिक स्कूल, बी-1, सैक्टर-16, रोहिणी, दिल्ली-110089
16. ईस्ट पाइंट स्कूल, एफसी-26, दल्लूपुरा, वसुंधरा एन्कलेव, दिल्ली-110096

निःशुल्क संस्थाएं

1. आर्य अनाथालय, पटौदी हाऊस, दरियागंज।

नोट : राष्ट्रीय बाल भवन में सभी सरकारी स्कूलों को निःशुल्क सदस्यता प्राप्त है।

गतिविधियाँ - एक नज़र में

सृजनात्मक कला

सृजनात्मक कला की गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य बच्चों को आत्म-अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान कर उनके सौंदर्यबोध की अलग-अलग विधाओं का विकास करना तथा उनके अंदर छिपी हुई प्रतिभा को पहचान कर उन्हें प्रोत्साहित करना और उनको कला तथा शिल्प की विभिन्न तकनीकों से अवगत कराना है। सृजनात्मक शिल्प कला में विविध गतिविधियाँ हैं जिन्हें विभिन्न उप-भागों में विभाजित किया गया हैं।

मिले-जुले क्रियाकलाप

मिले-जुले अनुभाग सभी आयु के बच्चों को समान रूप से आकर्षित करता है। अनुभाग में आने वाले बड़े बच्चे आमतौर पर हस्तशिल्प से संबंधित परम्परागत कला का काम करना बहुत पसंद करते हैं जबकि छोटे बच्चे हस्तशिल्प की कृतियाँ बनाना ज्यादा पसंद करते हैं। एक मल्टीमीडिया अनुभाग होने के कारण बच्चे यहाँ सरलता से एक मीडिया से दूसरे मीडिया पर जा सकते हैं। इस विभाग में सृजनात्मक और जीवन-मूल्यों पर आधारित खेल भी तैयार किए जाते हैं। प्राकृतिक रूप से प्राप्त रंग और तीलियों (ब्रश की बजाय) से बनाई गई परंपरागत लोक चित्रकला इस अनुभाग की अनूठी विशेषता है। बच्चे खिलौने और पेपरमैशी व कागज़ के शिल्प की कलात्मक वस्तुओं को बनाना भी यहाँ सीखते हैं।

चित्रकला

इस अनुभाग में बच्चे अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति को *क्रेऑन, वाटर कलर, ऑयल कलर* और पेंसिल द्वारा चित्र बनाकर अभिव्यक्त करते हैं। यह कार्यकलाप बड़े बच्चों को भी उतना ही भाता है जितना कि छोटी आयु के बच्चों को। सभी बच्चे इसमें उत्साह से भाग लेते हैं। छोटे बच्चे जहाँ एक ओर अपनी कल्पना के अनुसार चित्र बनाते हैं, वहीं बड़े बच्चे पोट्रेट बनाने, स्केच, प्राकृतिक दृश्य और विषय के आधार पर चित्र बनाने की कला का आनन्द उठाते हैं। बच्चों को बाटिक, टाई एण्ड डाई, ब्लॉक प्रिंटिंग इत्यादि कार्यकलापों की तकनीक भी सिखाई जाती है।

हस्तशिल्प

इस अनुभाग की गतिविधि भी एक लोकप्रिय क्रियाशील गतिविधि है, जिसमें बच्चों को काम में न आने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुओं जैसे - पुराने अखबार, पुरानी पत्रिकाएँ, गत्ते के खाली डिब्बे, पुराने कागज़, प्रयोग किए हुए डिब्बे, बल्ब, बटन, उभरे हुए कागज़, थर्मोकॉल, कतरनें, बीज, तार, पत्तियाँ व पेड़ों के तनों की छाल

इत्यादि पदार्थों के साथ प्रयोग करने की खुली छूट मिलती है। काम में न आने वाली वस्तुओं से बच्चों द्वारा बनाई गई सुंदर कृतियाँ और उत्पाद बच्चों की कल्पना और उनकी सृजनात्मक अभिव्यक्ति का परिणाम होते हैं।

बुनाई

इस अनुभाग की बुनाई गतिविधि भी बच्चों की एक लोकप्रिय गतिविधि है, यहाँ बच्चे कई प्रकार की कलात्मक कलाकृतियां जैसे - वॉल हैंगिंग, लैम्पशेड, टेपेस्ट्री, दृश्यावली इत्यादि बनाते हैं और बच्चों को बुनाई की कलाकृतियों की तकनीकों से अवगत कराया जाता है। उन्हें सौंदर्य की दृष्टि से सुंदर वस्तुओं के निर्माण करने की ओर प्रेरित किया जाता है। वे विभिन्न प्रकार की बुनाई, गाँठे लगाना व बुनाई की कई तकनीक सीखते हैं और आसन, दृश्यावली तथा छोटी दरियाँ व कालीन स्वयं बनाते हैं।

सिलाई-कढ़ाई

सिलाई-कढ़ाई की गतिविधियों में खिलौने बनाने, कठपुतली बनाने, मैक्रमे, क्रोशिया, सिलाई-कढ़ाई इत्यादि सम्मिलित हैं। बच्चे जहाँ एक ओर वस्त्रों की कटाई और सिलाई के मूल तत्वों को सीखते हैं, वहीं वे विभिन्न प्रकार के कपड़ों को डिज़ाईन करने, पैच वर्क बनाने और रचनात्मक कढ़ाई का काम भी करते हैं। रूई भर कर खिलौने बनाने की कला भी इस कक्षा की एक लोकप्रिय गतिविधि है। बच्चों को हैंगिंग्स बनाना, तरह-तरह सजावटी वस्तुएँ आदि तैयार करने का ज्ञान प्राप्त कराया जाता है, जिससे उनकी सृजनशीलता का विकास होता है।

मिट्टी का काम

इस अनुभाग की गतिविधि 5 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों के मस्तिष्क, हृदय और हाथों का समन्वय बैठाने में सहायक होती है जो बच्चों के मस्तिष्क और शरीर के स्वाभाविक विकास में भी सहायता करती है। यहाँ बच्चे मिट्टी के जानवर, मानव आकृतियाँ एवं मुख, चेहरे, दृश्य व डिज़ाईन इत्यादि बनाना सीखते हैं और साथ ही पेपरमैशी और प्लास्टर ऑफ पेरिस के सांचे बनाने, टेराकोटा काम के प्रयोग भी करते हैं। मिट्टी द्वारा कास्टिंग करते हुए यह अनुभाग बच्चों को नवप्रायोगिक कार्य करने और इस प्रकार उनकी सृजनात्मक क्षमता को विकसित करने के प्रयास करता है।

जिल्दसाज़ी

जिल्दसाज़ी अनुभाग की गतिविधि भी बच्चों को अत्यंत लोकप्रिय है क्योंकि इस गतिविधि के द्वारा बच्चे अपनी किताबों को सुरक्षित और सुन्दर बनाना सीखते हैं। यहाँ जिल्दसाज़ी की तकनीकी कुशलताओं को जानने के अतिरिक्त बच्चे

कार्डबोर्ड की सुंदर वस्तुओं का निर्माण करना भी सीखते हैं, जिनमें गत्ता काटना, चिपकाना व सिलाई करना इत्यादि शामिल हैं। बच्चों कों कई अन्य सृजनात्मक गतिविधियाँ भी बताई जाती हैं और वे उसकी विभिन्न वस्तुएँ जैसे केसेट स्टैण्ड, पेन स्टैण्ड, छोटी डायरी, फाइल कवर तथा अन्य कई नई प्रकार की वस्तुएँ बनाना यहाँ सीखते हैं।

काष्ठ शिल्प

काष्ठ शिल्प अनुभाग में बच्चों को सृजनात्मक विधि द्वारा कला का ज्ञान दिया जाता है। बच्चों को लकड़ी की वस्तुओं का निर्माण करने में काम आने वाली विभिन्न तकनीकों का ज्ञान कराया जाता है। बच्चे विभिन्न प्रकार की लकड़ियाँ, उनकी बनावट का आधार व उनकी टिकाऊपन की पहचान करना भी सीखते हैं। बच्चों को वुडन फ्रेम पर वुड कटिंग द्वारा म्यूरल बनाने की तकनीक, सॉ-डस्ट से पेपर पर चित्रांकन करना भी सिखाया जाता है तथा बच्चे विभिन्न प्रकार की लकड़ी से काम में आने वाली कई वस्तुओं जैसे :- पेन होल्डर, पेन-स्टैण्ड, छोटे बॉक्स, खिलौने, डिब्बे, पॉट कवर इत्यादि बनाना भी सीखते हैं। उन्हें लकड़ी में नक्काशी का काम भी सिखाया जाता है और वे नक्काशी द्वारा सुंदर वस्तुयें भी बनाना सीखते हैं। उन्हें बेकार लकड़ी के बुरादे व टुकड़ों को रचनात्मक रूप से जोड़कर सुंदर दृश्य एवं तरह-तरह की आकृतियाँ बनाना भी सिखाया जाता है।

विज्ञान कार्यकलाप

इस अनुभाग में विज्ञान, प्रयोगशाला का एक विषय न होकर एक बड़ी प्रयोगशाला का अंग है, जिसके माध्यम से बच्चा जिंदगी की दिन-प्रतिदिन होने वाली घटनाओं से वैज्ञानिक सिद्धांतों को जोड़कर अपने ज्ञान को बढ़ाता है। राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों को विभिन्न दिलचस्प गतिविधियों में शामिल करके विज्ञान के आधारभूत सिद्धान्तों को बच्चों को समझाने में विश्वास रखता है। बाल भवन की विज्ञान-शिक्षण प्रणाली का एक और महत्वपूर्ण पक्ष है "एकीकृत पद्धति" जिसमें विज्ञान को अन्य गतिविधियों का अखण्ड हिस्सा बनाया गया है।

इस अनुभाग में पर्यावरण विज्ञान तथा प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ-साथ अपनी संस्कृति, कलाशिल्प, लोककला व साहित्य की परंपराओं और ऐतिहासिक स्मारकों के संरक्षण को भी महत्त्व दिया जाता है। यहाँ पर्यावरण से संबंधित कई परियोजनाओं के अतिरिक्त 'हरितवाहिनी' यानि बच्चों की हरित सेना द्वारा 'विशाल हरित क्रांति विषयक परियोजना' चलाई जा रही है। अधिकतम बच्चों तक पहुँचने के उद्देश्य से 1990 से ''राष्ट्रीय युवा पर्यावरण विज्ञानी सम्मेलन'' भी प्रारंभ किया गया। इस अद्वितीय और अर्थपूर्ण सम्मेलन में राष्ट्र के विभिन्न भागों के बच्चे भाग लेते हैं और पर्यावरण से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हैं। इसमें केवल भौतिक पर्यावरण ही नहीं होता, बल्कि सामाजिक, भावनात्मक और सांस्कृतिक पर्यावरण का भी समागम होता है। विज्ञान शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य बच्चों में "वैज्ञानिक प्रवृत्ति" का विकास करना है।

इस अनुभाग के विभिन्न उप-अनुभाग हैं जो बच्चों को विज्ञान के नियम और सिद्धांत सीखने में मदद करते हैं। बच्चों को भौतिक एवं प्राकृतिक विज्ञान के अतिरिक्त दैनिक जीवन में विज्ञान से भी परिचित कराया जाता है। इस अनुभाग के कार्यकलापों में रेडियो-इलेक्ट्रॉनिक्स, एअॅरो मॉडलिंग, मशीन मॉडलिंग, खगोल विज्ञान, कम्प्यूटर, मछलीघर एवं छोटा चिड़ियाघर, क्यों और केसे क्लब और पर्यावरणीय कार्यकलापों के साथ-साथ क्षेत्रीय भ्रमण और वैज्ञानिकों से भेंट, आदि शामिल हैं। बाल भवन में विज्ञान कार्यकलापों में भाग लेने के लिए यह आवश्यक नहीं है कि बच्चे स्कूल में विज्ञान के विद्यार्थी हों बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि उसमें 'कैसे' और 'क्यों' की उत्सुकता और सीखने की इच्छा हो। विज्ञान शिक्षा के अंतर्गत निम्न उप-अनुभाग बच्चों के लिए कार्य करते हैं। इस अनुभाग में समय-समय पर विशेष फिल्म-शो तथा शिविर भी आयोजित किए जाते हैं:-

विज्ञान अनुभाग की निम्न गतिविधियाँ हैं :

भौतिक एवं प्रकृति विज्ञान (कैसे और क्यों क्लब)

कैसे और क्यों क्लब अनुभाग में विज्ञान से सम्बंधित परियोजनायें लेने के इच्छुक बच्चों की जिज्ञासा का समाधान करने के लिए इस क्लब का सृजन किया गया था। शैक्षिक यात्रायें, वैज्ञानिक प्रश्नोत्तरी, सृजनात्मक वैज्ञानिक मॉडल बनाना, प्रयोग करना आदि कैसे और क्यों क्लब की कुछ गतिविधियाँ हैं जो बच्चों का ज्ञान बढ़ाती हैं और उन्हें नया सीखने को उत्साहित करती हैं। विषयक कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं। परीक्षण व वैज्ञानिक खेलों के लिए बच्चों को प्रयोगशाला उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं।

अन्वेषक क्लब

इस अनुभाग में बच्चों को प्रयोग एवं नवोन्मेषी कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, क्योंकि वे मशीन मॉडलिंग के अवधारण से लेकर इन्हें डिज़ाइन करने तथा अन्ततः निर्माण करने से जुड़े विभिन्न पहलुओं द्वारा ज्ञानवर्द्धक कार्य सीखते हैं।

रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक्स क्लब

रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक्स क्लब में 10 से 16 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों को सदस्यता दी जाती है। यहाँ बिजली के मूल सिद्धांत, बिजली के तार लगाना और घरेलू उपकरणों की स्वयं मरम्मत करना, सर्किट के साथ नए प्रयोग, रेडियो और टी.वी. के पुर्ज़े जोड़ना जैसे अनेक कार्यकलाप हैं। यहाँ बच्चे डिजिटल घड़ियों और नई ऊर्जा-युक्तियों जैसे-सौर ऊर्जा के मॉडल के जटिल सर्किट का भी ज्ञान प्राप्त करते हैं। विश्व में बढ़ती हुई विकसित संचार व्यवस्था की आवश्यकता को देखते हुए अधिक से अधिक लोग 'हैम रेडियो क्लब' के सदस्य बन रहे हैं। राष्ट्रीय बाल भवन में भी रेडियो शौकीनों (एमेच्योर) के क्लब की शुरूआत की है, ताकि इस क्लब के सदस्य बच्चे अपने-अपने घरों में 'हैम स्टेशन' की स्थापना कर आपसी सम्पर्क स्थापित कर सकें।

एअॅरो मॉडलिंग

राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चों के लिए एअॅरो मॉडलिंग जैसा महंगा शौक भी उपलब्ध है। यहाँ बच्चे वायुगति के मूलभूत सिद्धांतो से लेकर विभिन्न प्रकार के वायुयानों के मॉडल बनाना सीखते हैं इसके साथ ही विमानों के अपने मॉडल उड़ाने का आनन्द भी उठाते हैं। इस कार्यकलाप का उद्देश्य बच्चों में विमानन और उससे संबंधित विज्ञान में रुचि पैदा करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करना है। इस अनुभाग द्वारा 'मॉडल रॉकेट्री' की कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं।

कम्प्यूटर

कम्प्यूटर एक बहुत ही लोकप्रिय कार्यकलाप है जो दिन-प्रतिदिन अधिकाधिक बच्चों को आकृष्ट कर रहा है। बच्चे कम्प्यूटर की आरंभिक भाषा सीखने के साथ-साथ कार्यक्रम बनाना (प्रोग्रामिंग करना) भी सीखते हैं। बच्चों को बड़ी संख्या में यहाँ विज्ञान के विषयों पर सॉफ्टवेयर और कम्प्यूटर खेल उपलब्ध कराए जाते हैं। कम्प्यूटर का यह कार्यकलाप स्कूली शिक्षा का संपूरक है। राष्ट्रीय बाल भवन इंटरनेट सम्बंधी जानकारी भी उपलब्ध कराता है, ताकि बच्चे आधुनिकतम प्रणाली से अवगत हो सकें। इस अनुभाग में अनेक सार्थक एवं नई प्रणाली की कार्यशालाएँ तथा संगोष्ठियाँ भी आयोजित की जाती हैं।

पर्यावरण

हरित वाहिनी आंदोलन का आरंभ 19 नवम्बर 1986 में हुआ था। इसी मुहिम को आगे बढ़ाने हेतु पर्यावरण विभाग की स्थापना की गई थी। वनस्पति और जीव के अनुरक्षण के लिए पर्यावरण अनुभाग द्वारा जागरुकता फैलाई जाती है। फील्ड यात्रायें, सर्वेक्षण, व्यर्थ सामान आदि की री-साइक्लिंग जैसी गतिविधियों द्वारा बच्चों को उनके आस-पास के वातावरण के प्रति जागरुक किया जाता है।

खगोल विज्ञान

आकाश अपने भीतर अनजान आकाशगंगाओं से संबंधित अनेकानेक अनसुलझे रहस्यों को समेटे हैं। यह मानना है कि अतिप्राचीन काल से मनुष्य इन रहस्यों को समझने में लगा हुआ है। बाल भवन में कम लागत के एक तारामंडलीय एकक की स्थापना की गई है। बच्चे इस कार्यकलाप में आनंद लेते हैं। वे आकाश के ग्रहों और तारों आदि के बारे में अधिक जानकारी के लिए उत्सुक रहते हैं।

मछली घर तथा जीव-जन्तु कार्नर से सम्बंधित गतिविधियाँ

इस अनुभाग में बच्चे जीव विज्ञान की मूलभूत जानकारी हासिल करते हैं। अनुभाग द्वारा "अपना मछलीघर बनाएं", जीव-जन्तुओं से सम्बंधित कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। बच्चे मछली के अंगीकरण, अनुपालन, समुद्री जीवन, समुद्री वनस्पतियों आदि की अवधारणाओं को सीखने का ज्ञान प्राप्त करते हैं तथा वे जीव-जन्तुओं और पालतू जानवरों की आदतों, खानपान व रहन-सहन की परिस्थिति अनुकूलन का ज्ञान प्राप्त करते हैं। इससे बच्चों में जीव जन्तुओं के प्रति अनुपालन की इच्छा पैदा होती है।

पुस्तकालय गतिविधियाँ

राष्ट्रीय बाल भवन का पुस्तकालय एक बहुत बड़ा पुस्तकालय है, जिसमें लगभग 45,000 पुस्तकें हैं। ये पुस्तकें कला, शिल्प, संस्कृति, साहित्य, विज्ञान, गणित, पत्रकारिता व कंप्यूटर, कहानियों और कविताओं आदि विषयों पर है। यहाँ एक संदर्भ अनुभाग भी है। पुस्तकालय में हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, तमिल व बंगला आदि अनेक भाषाओं की पुस्तकें भी हैं। बच्चों के लिए विभिन्न पत्रिकाएँ भी इस पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त इस विभाग द्वारा सृजनात्मक लेखन की गतिविधि भी आयोजित की जाती है जिसमें बच्चे विभिन्न विषयों पर लिखते हैं।

बच्चों एवं स्टॉफ के लिए साहित्यिक कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं। इन कार्यशालाओं के दौरान बच्चे विभिन्न लेखकों व कवियों आदि से परिचर्चा द्वारा अपनी लेखन क्षमता और कौशल को विकसित करते हैं। यहाँ पर कहानी सुनाने के सत्रो का आयोजन भी होता है। इस विभाग द्वारा प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, पुस्तकों पर परिचर्चा, आशु-भाषण, विभिन्न सामाजिक एवं प्रासंगिक वाद-विवाद आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस अनुभाग में हर उम्र के बच्चे आनंद लेते हैं।

अनुभाग द्वारा कवि सम्मेलनों का आयोजन भी किया जाता है जो बहुत लोकप्रिय होते हैं। इन कवि सम्मेलनों में बच्चे न केवल अपनी रचनाओं का पाठ करते हैं, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है और उनकी अभिव्यक्ति की क्षमता भी निखरती है। राष्ट्रीय बाल भवन बाल रचनाकारों को एक सामूहिक मंच प्रदान करता है। इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्ननुसार हैं :-

- वाचन प्रतियोगिता
- प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम
- सृजनात्मक लेखन
- कविता-रचना, काव्य-पाठ
- नवीन पुस्तकों की समीक्षा एवं परिचर्चा
- कहानी लेखन, आशुभाषण
- स्लोगन लेखन, आलेख लेखन

छायांकन (फोटोग्राफी)

राष्ट्रीय बाल भवन में छायांकन गतिविधि के अंतर्गत बच्चों को छायांकन से जुड़े विभिन्न कार्यों जैसे-फोटो खीचना, उनका प्रिंट तैयार करना और उन्हें बड़ा करना आदि से परिचित कराने के साथ-साथ अभिनव तरीकों का प्रयोग करने के लिए भी प्रेरित किया जाता है। छायांकन के द्वारा बच्चे विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों, पशु-पक्षियों, उनकी आदतों, तरह-तरह की इमारतों, विभिन्न भौगोलिक स्थानों और वहाँ रहने वाले लोगों की जीवन शैली आदि का अनुभव एवं उनके विषय में जानकारी प्राप्त करते हैं। बच्चे रोचक दृश्यों को चित्रों द्वारा संजोने व आधुनिक तरीकों का प्रयोग कर छायांकन की दक्षता में निखार लाना भी सीखते हैं। डिजिटल कैमरे का प्रयोग जैसी तकनीकों को भी बाल भवन की छायांकन कक्षाओं में शामिल किया गया है।

फोटो प्रभाग में बच्चों को कैमरा संचालन के तरीके, उसके विभिन्न अंग, उनकी कार्यप्रणाली, सही एक्सपोजर की आवश्यकता, फिल्म को डेवलप करना तथा कॉन्टैक्ट प्रिंटिंग की तकनीकें सिखाई जाती हैं जो उन्हें विषय का गहन ज्ञान पाने में सहायक होती है। इस विभाग द्वारा वीडियोग्राफी की कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं, जहाँ बच्चों द्वारा वीडियो कार्यक्रम निर्मित किए जाते हैं। स्क्रिप्ट लेखन, कैमरा संचालन, संवाद व ध्वनि रिकार्डिंग से लेकर फिल्म निर्माण तक सभी कार्य बच्चों की टीम द्वारा प्रशिक्षकों की देख-रेख में किए जाते हैं। इस विभाग द्वारा विभिन्न विषयों पर फोटोग्राफी प्रदर्शनियाँ भी लगाई जाती हैं जिनमें बच्चों द्वारा किए गए कार्य को प्रदर्शित किया जाता है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं :

- रंगीन फोटोग्राफी
- फोटोग्राफों का विस्तार एवं स्लाईड बनाना
- उन्नत डिजिटल फोटोग्राफी (प्रिंटिंग, प्रोसेसिंग, स्कैनिंग)

प्रदर्शन कला

प्रदर्शन कला की विभिन्न गतिविधियाँ बच्चों को आत्म-अभिव्यक्ति के द्वारा अपनी कल्पना का विकास करने तथा उसे साकार रूप देने और अपनी प्रतिभा को पहचानने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराती है। इस विभाग में बच्चे नाटक, नृत्य, संगीत, वाद्य संगीत आदि कई प्रकार की सृजनात्मक गतिविधियाँ सीखते हैं। बच्चे अपने परंपरागत लोक संगीत एवं नृत्य की विभिन्न शैलियों के विषय में जानकारी व ज्ञान भी इस अनुभाग में प्राप्त करते हैं।

प्रदर्शन कला गतिविधि विभाग में निम्न उप-अनुभाग हैं :

- कंठ संगीत (शास्त्रीय एवं लोक)
- वाद्य संगीत - सितार, तबला (हारमोनियम-केवल ग्रीष्मसत्र में)
- शास्त्रीय नृत्य (कत्थक, भरतनाट्यम)
- लोकनृत्य
- नाट्यकला

शारीरिक शिक्षा

खेल और शारीरिक गतिविधियाँ हर आयु के बच्चों को प्रिय हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के शारीरिक शिक्षा अनुभाग बच्चों के लिए अनेक प्रकार की गतिविधियाँ उपलब्ध कराता है जैसे - टेबल-टेनिस, बैडमिंटन, फुटबॉल, क्रिकेट, बास्केटबॉल व जूडो और स्केटिंग सिखाई जाती है। व्यायाम एवं शरीर को सुडौल बनाने के लिए इस विभाग के पास अपना जिम्नेज़ियम भी है। बच्चे प्रशिक्षकों की देखरेख में न केवल विभिन्न प्रकार के खेलों की जानकारी प्राप्त करते हैं, बल्कि उन्हें अपनी रचनात्मकता बढ़ाने और रचनात्मक खेलों को बनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

इस विभाग द्वारा आयोजित जूडो एक ऐसी गतिविधि है जिसके कारण इस संस्थान को बहुत सम्मान मिला है। राष्ट्रीय बाल भवन को ऐसे बच्चों को प्रशिक्षित करने का गौरव प्राप्त है, जिन्होंने न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सफलता पाई है। शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा अंतर्विद्यालय जूडो टूर्नामेंट आयोजित किए जाते हैं, जिनमें विभिन्न स्कूलों और संस्थाओं के बच्चे भाग लेते हैं और उसका आनन्द उठाते हैं।

स्केटिंग रिंक भी बच्चों के बीच बहुत लोकप्रिय है और संभवत: यह दिल्ली की सर्वोत्तम स्केटिंग रिंकों में से एक है। शारीरिक शिक्षा विभाग, अंतर्विद्यालयी क्रिकेट और फुटबॉल प्रतियोगितायें भी यहाँ आयोजित करता है, जिनमें विभिन्न स्कूलों के बच्चे भाग लेते हैं और इसका आनंद लेते हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के खेल के मैदान और शारीरिक

शिक्षा विभाग की अन्य सुविधाएँ बाल भवन के सदस्य विद्यालयों को भी उपलब्ध कराई जाती है। यह विभाग विभिन्न प्रकार की साहसिक यात्राएँ, ट्रैकिंग और फील्ड ट्रिप आदि भी आयोजित करता है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं :

- इन्डोर व आउटडोर खेल (टेबल टेनिस, बैडमिंटन, क्रिकेट, बॉस्केट बॉल, निशानेबाजी, चैस, कैरम)
- जूडो • स्केटिंग • व्यायामशाला

गृह प्रबंधन

इस विभाग में बच्चों को अच्छी और सुचारू गृह-व्यवस्था के विभिन्न आयामों/पक्षों से परिचित कराया जाता है। यहाँ बच्चे विभिन्न प्रकार के भोज्य पदार्थों की नई-नई विधियाँ बनाना सीखते हैं। स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक और लाभकारी भोजन बनाना सीखते हैं और बनाते हैं, जिससे बच्चे खाना बनाने में आत्मनिर्भर बनते हैं। बच्चों को रसोई का बजट बनाना और उसमें आने वाले खर्च का आंकलन करना भी सिखाया जाता है। बच्चों के साथ स्वास्थ्य, स्वच्छता, साफ़-सफ़ाई के बारे में नियमित रूप से चर्चाएँ की जाती हैं। उनके लिए भोजन अनुरक्षण की प्रयोगात्मक कक्षाएँ भी आयोजित की जाती हैं जो उनके लिए लाभकारी होती हैं। गृह-प्रबंध अनुभाग द्वारा पुष्पसज्जा (इकेबाना), बेकरी आदि की विभिन्न कार्यशालाएँ भी संचालित की जाती हैं।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार है :

- गृह-प्रबंधन • पाक-कला, बेकिंग
- भोजन-परिरक्षण • पुष्प-सज्जा

संग्रहालय तकनीक

राष्ट्रीय बाल भवन का राष्ट्रीय बाल संग्रहालय विभिन्न अवसरों पर थीम आधारित प्रदर्शनियाँ लगाकर बच्चों का ज्ञानवर्द्धन करता है। इस बाल संग्रहालय में कुछ स्थायी प्रदर्शनी की दीर्घाएं हैं, जिन्हें देखने के लिए प्रतिदिन हजारों बच्चे आते हैं और ये प्रदर्शनियाँ स्कूली शिक्षण पद्धति की अनुपूरक और प्रतिपूरक भी हैं। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय की एक गतिविधि है "संग्रहालय तकनीक क्लब", जिसमें मिट्टी के मोल्ड से सांचा बनाने तथा प्लास्टर ऑफ पेरिस द्वारा "कास्ट" (प्रतिकृति) बनाने की साधारण तकनीक से लेकर "पीस मोल्ड" बनाने जैसे जटिल कार्य भी सिखाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त इस विभाग में बच्चों को माउंटिंग, आलेख-लेखन एवं प्रदर्शनी लगाने की तकनीक इत्यादि से भी अवगत कराया जाता है। बच्चों को यहाँ इस प्रकार के अनुभव कराए जाते हैं, जिनसे उनके प्रकृति, इतिहास, संस्कृति, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी ज्ञान का विस्तार होता है।

विषयगत और पाठ्यक्रम पर आधारित कार्यशालाओं द्वारा बच्चों को अपने देश की प्राचीन सभ्यता, अपने इतिहास, उसकी प्राचीन धरोहर और संस्कृति से अवगत कराया जाता है, जिनमें बच्चों को उत्खनन-स्थलों पर ले जाकर प्रत्यक्ष अनुभव कराया जाता है। इस प्रकार का प्रत्यक्ष अनुभव उनके ज्ञान का विस्तार करता है। बच्चों के लिए विशेष कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं और बच्चों को अनुभव देने के लिए विभिन्न ऐतिहासिक स्मारकों पर भी ले जाया जाता है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं –

- सांचा बनाना एवं ढलाई
- संग्रहालय की वस्तुओं का परिरक्षण एवं संरक्षण
- ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर विचार-विनिमय
- प्रदर्शनी डिज़ाईन करना
- फील्ड कार्य

प्रकाशन-संबंधी गतिविधियाँ

प्रकाशन संबंधी कार्यकलाप ग्रीष्मसत्र में चलाये जाने वाला एक अद्वितीय कार्यकलाप है, जिसमें बच्चों को उनकी अपनी पत्रिका, न्यूज लैटर, सुलक्ष्य तथा ग्रीष्मसत्र के दौरान निकाले जाने वाले बच्चों के विशेष समाचारपत्र अक्कड़-बक्कड़ टाइम्स के संपादन, चित्रांकन तथा निर्माण करने का अवसर मिलता है। इस गतिविधि द्वारा बच्चे न केवल अखबार और पत्रिकाओं के निर्माण में काम आने वाली विभिन्न तकनीकों से परिचित होते हैं बल्कि उनमें सृजनशीलता एवं आत्मविश्वास का भी विकास होता है। बच्चों को विभिन्न प्रकाशन गृहों तथा समाचार चैनलों के कार्यालयों में भी ले जाया जाता है। इसके अतिरिक्त यह विभाग विभिन्न विषयों जैसे पुस्तक चित्रांकन, पुस्तक निर्माण, विज्ञापन तैयार करना तथा डिज़ाईन बनाना आदि पर कार्यशालाएँ भी आयोजित करता है, ताकि बच्चे प्रकाशन के विभिन्न पक्षों को जानें व समझ सकें।

राष्ट्रीय बाल संग्रहालय

राष्ट्रीय बाल संग्रहालय, राष्ट्रीय बाल भवन का एक अभिन्न अंग है और इसे बड़े होते बच्चे की मनोवैज्ञानिक स्थिति और उसके अपने आसपास की दुनिया को देखने के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। संग्रहालय में बच्चों को आकर्षित करने वाली वस्तुओं का बड़ा संग्रह है, जिसमें कई देशों के खिलौने, गुड़ियाएँ, पत्थर एवं पीतल से बनी कृतियाँ, पारंपरिक आभूषण, बर्तन, कला एवं शिल्प कृतियाँ, वाद्ययंत्र, सिर की पगड़ियों के प्रदर्शन के साथ वायुयानों, सेटेलाइटों तथा ऐतिहासिक भवनों आदि की जानकारी भी एकत्रित है। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय देश में अपनी तरह की एक ही संस्था है जिसे राष्ट्रीय दर्जा प्राप्त है। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय इस तथ्य का समर्थन करता है कि बाल संग्रहालय बच्चों के ज्ञान को बढ़ाने और उन्हें विकसित करने का महत्वपूर्ण साधन है।

संग्रहालय अलग-अलग दीर्घाओं में दो प्रकार की प्रदर्शनियाँ प्रस्तुत करता है (i) स्थायी प्रदर्शनी (ii) अस्थायी प्रदर्शनी। संग्रहालय की एक दीर्घा को विशिष्ट रूप से केवल अस्थायी प्रदर्शनियों के लिए रखा गया है जहाँ समय-समय पर किसी विशिष्ट विषय से संबंधित प्रदर्शनी लगाई जाती रहती हैं। स्थायी प्रदर्शनियाँ भी संग्रहालय का विशेष आकर्षण है - इनमें प्रमुख हैं - **हमारा भारत** (8500 वर्ग फीट के दायरे में फैली यह प्रदर्शनी भारतीय जीवन, इसकी जीवन्त संस्कृति, समृद्ध कला एवं शिल्प, धर्मों एवं रीति-रिवाजों की विविधता तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की प्रगति आदि का मनोहारी चित्रण प्रस्तुत करती है।), **गौरव गाथा** (1855 वर्ग फीट के दायरे में फैली इस प्रदर्शनी में भारत के गौरवमयी अतीत, इसकी संस्कृति युद्धों को दर्शाने वाली मनमोहक कृतियाँ गुड्डे-गुडियों के माध्यम से क्रम से सजाई गई है।) **सूर्य** (8000 वर्ग फीट से भी अधिक क्षेत्र में 'सूर्य' नाम से लगाई गई इस प्रदर्शनी में भारतीय संस्कृति में 'सूर्य' के महत्व के साथ-साथ अन्य सभ्यताओं जैसे मिस्र, मेसोयोटामिया, चीन, ग्रीक आदि में भी सूर्य के स्थान और महत्व को दर्शाती है। सूर्य की उत्पत्ति अर्थात् सौरपरिवार और पृथ्वी आदि भी दिखाई गई है अर्थात् सूर्य का चित्रण पौराणिक तथा वैज्ञानिक, दोनों दृष्टिकोणों से किया गया है।) तथा **पारंपरिक कला एवं शिल्प : भावी पीढ़ी हेतु खजाना** (1700 वर्ग फुट के दायरे में फैली इस प्रदर्शनी में प्रसिद्ध कलाकारों की कलाकृतियों के नमूने प्रदर्शित किए गए हैं) ये सभी प्रदर्शनियाँ जन सामान्य हेतु खुली हैं।

1 अप्रैल, 2018 से 31 मार्च, 2019 तक यहाँ आने वाले पर्यटकों की संख्या निम्नलिखित थी

बच्चों की संख्या	वयस्कों की संख्या	स्कूलों की संख्या
55134	11336	501

1 अप्रैल, 2018 से 31 मार्च, 2019 के दौरान संग्रहालय द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों की सूची –

- सृजनात्मक अभिव्यक्ति
- हमारे राष्ट्रीय ध्वज की उद्भव यात्रा
- आजादी के 70 वर्ष : आइये हमारे देशभक्तों के बलिदानों का मनन करें।
- सृजनात्मक भारत

राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र

इस अनुभाग का उद्देश्य सृजनात्मक कला, प्रदर्शन कला तथा विज्ञान आदानों को सृजनात्मकता के साथ समन्वित प्रशिक्षण प्रदान करना है। शारीरिक शिक्षा, खेलकूद, पुस्तकालय गतिविधियों को प्रशिक्षण हेतु अतिरिक्त आदानों के रूप में शामिल करने के प्रस्तावों पर भी विचार किया जा रहा है। राष्ट्रीय बाल भवन यह समझता है कि बच्चों के शिक्षण हेतु सृजनशील तरीकों को अपनाने की आवश्यकता है इसके लिए अध्यापकों को यह विधि अपनानी होगी।

बाल भवन में प्रयुक्त विभिन्न माध्यम एवं पद्धतियों के जरिए अध्यापकगण बच्चों को स्वयंमेव पहचानने उनकी निर्बाध कल्पना व प्रयोगों को प्रोत्साहन तथा सृजनात्मक अभिव्यक्ति, नवोन्मेष व मौलिक तत्व की सामर्थ्य एवं क्षमता विकसित करते हैं। वे विपरीत परिस्थितियों को अनुकूल बनाने और वैज्ञानिक भावना के साथ सकारात्मक भावना आत्मसात करने के लिए सक्रिय माहौल बनाना भी सीखते हैं। कलाओं को शिक्षा एवं अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम बनाने में उनकी मदद के लिए ग्रामीण, अर्द्धग्रामीण तथा शहरी अध्यापकों के लिए व्याख्यान एवं कार्य प्रदर्शन की व्यवस्था की जाती है।

वर्ष 2018-2019 के दौरान संचालित किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम –

प्रत्येक शनिवार को मूर्तिकला कार्यशाला आयोजित की गई।

- (आई. टी. पी.) - 25 अगस्त, 2018 से शनिवारीय कार्यशाला 08 सहभागीगण (प्रति शनिवार)
- (आई. टी. पी.) - 11 सितम्बर, 2018 से 17 अक्तूबर, 2018 62 सहभागीगण
- (आई. टी. पी.) - 15 जनवरी, 2019 से 26 फरवरी, 2019 115 सहभागीगण

हमारे कार्यक्रम

देशभर में बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए कार्य करने वाली शीर्षस्थ संस्थाओं में से एक संस्था राष्ट्रीय बाल भवन है। राष्ट्रीय बाल भवन इस तथ्य को सामने रखकर कार्य करता है कि भारत में करोड़ों बच्चे ऐसे घर-परिवार से हैं, जो गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करते हैं और जिनके माता-पिता उनकी प्राथमिक आवश्यकताएँ भी पूरी नहीं कर पाते। इन सबको देखते हुए राष्ट्रीय बाल भवन अपने सभी संसाधनों का प्रयोग करते हुए बाल भवन आंदोलन को देश के कोने-कोने में फैलाने में प्रयासरत है।

राष्ट्रीय बाल भवन आज अपने 126 संबद्ध राज्य बाल भवनों एवं 16 बाल भवन केन्द्रों तथा राष्ट्रीय बाल भवन के अन्तर्गत दिल्ली में चल रहे 49 बाल भवन केन्द्रों के माध्यम से लाखों बच्चों तक पहुँचकर एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहा है। यह संस्थाएँ उन बाल भवनों/निजी संस्थाओं में खुले हुए हैं जो दूरदराज के क्षेत्रों में विभिन्न गैरसरकारी संगठनों के सहयोग से काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों संबंधी कार्यकलाप केवल अपने देश तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि राष्ट्रीय बाल भवन संसार के दूसरे क्षेत्रों में रह रहे बच्चों को भी सांस्कृतिक आदान-प्रदान वाले कार्यक्रमों के माध्यम से अपना दर्शन उन तक पहुँचाने का प्रयास करता है। अत: राष्ट्रीय बाल भवन शैक्षिक व मनोरंजक तथा सृजनात्मक गतिविधियों द्वारा बच्चों को शिक्षा देने की कोशिश करता है बल्कि विविध स्थानीय, मंडल स्तरीय, राज्यस्तरीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों के द्वारा अधिक से अधिक बच्चों तक पहुँचने का एक संसाधन केंद्र है।

स्थानीय स्तर के कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन कई नवीन कार्यक्रमों के अतिरिक्त नियमित कार्यकलापों को भी आयोजित करता है जिसमें विभिन्न कार्यशालाएँ, सेमिनार एवं संगोष्ठियाँ आदि शामिल हैं। इन सब कार्यकलापों का उद्देश्य बच्चों को बहुआयामी कार्यकलापों में भाग लेने का अवसर देकर उनके अनुभव को बढ़ाना है। ये कार्यकलाप एक ओर उन्हें देश की राष्ट्रीय विरासत, परंपराओं, संस्कृति, कला, शिल्प, साहित्य तथा वैज्ञानिक प्रगति से अवगत कराते हैं तो दूसरी ओर बच्चों के क्षितिज का भी विस्तार करते हैं।

उल्लेखनीय कार्यक्रम 2018-19

क्र.सं.	तिथि	संचालित कार्यक्रम/कार्यशालायें	कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य	लाभान्वित बच्चों/स्टाफ/अध्यापकों की संख्या
1.	4.4.2018	राष्ट्रपति भवन में कार्यशाला	राष्ट्रीय बाल भवन की गतिविधियों से अवगत कराना।	19-20 बच्चों ने भाग लिया।
2.	अप्रैल, 2018	प्रत्येक शनिवार को पेंटिंग, मूर्तिकला कार्यशाला	16+ आयु वर्ग के व्यक्तियों के लिए	8 सहभागीगण (प्रत्येक शनिवार)

3.	10.4.2018 से 20.4.2019	एअरो मॉडलिंग कार्यशाला	एअर क्राफ्ट के इतिहास से अवगत कराना।	30 बच्चों ने भाग लिया।
4.	20.4.2018	पृथ्वी दिवस कार्यक्रम	बच्चों को प्लास्टिक प्रदूषण के निवारण से अवगत कराया गया।	6 स्कूलों से अपने शिक्षकों के साथ 120 बच्चों ने इस उत्सव में भाग लिया।
5.	22.4.2018 से 23.4.2018	राष्ट्रीय बालश्री शिविर-2016	प्रतिभाशाली और सृजनात्मक बच्चों को पहचान देने के लिए	350 बच्चों ने भाग लिया।
6.	28.4.2018	पेपर बैग बनाने की कार्यशाला	बच्चों को पेपर बैग बनाने की कला से अवगत कराना।	मैक्सफोर्ट पब्लिक स्कूल, दिल्ली के 8 अध्यापकों के साथ 300 बच्चों ने भाग लिया। रा.बा.भ. के 20 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।
7.	2.5.2018 से 3.5.2018	"चलिए अपने स्मारकों को सरंक्षित करते हैं" कार्यशाला	बच्चों को अपने देश-विदेश के अनमोल विरासतों के प्रति जागरूक करना था	29 बच्चों ने भाग लिया।
8.	10.5.2018	अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस कार्यक्रम	बच्चों को दैनिक जीवन से सम्बंधित जानकारियाँ दी गई।	40 बच्चों ने भाग लिया।
9.	11.5.2018	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	फ्री स्कूल अंडर द ब्रिज के 4 प्रशिक्षकों के साथ 114 बच्चों ने भाग लिया।
10.	11.5.2018	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	मैक्सफोर्ट स्कूल, पश्चिम विहार, दिल्ली के 300 बच्चों एवं 20 प्रशिक्षकों ने भाग लिया।
11.	15.5.2018	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	डीएसएमएस, ओखला, नई दिल्ली के 61 बच्चों ने 4 अध्यापकों के साथ भाग लिया।
12.	18.5.2018	संग्रहालय का दौरा	बच्चों को संग्रहालय में प्राचीन चीजों को संजोने का ज्ञान दिया गया।	राष्ट्रीय प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय से 50 बच्चों द्वारा दौरा।
13.	22.5.2018	ग्रीष्मोत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन	बच्चों को नई सृजनात्मक और पर्यावरण अनुकूल अनेक बातों से अवगत कराना था।	कुछ सदस्य बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए।
14.	22.5.2018 से 22.6.2018	ग्रीष्मोत्सव कार्यक्रम	बच्चों ने लगभग 40 गतिविधियों में भाग लिया।	4887 बच्चों ने पंजीकरण कराया और प्रतिदिन 3000 बच्चों ने भाग लिया।

15.	31.5.2018	वर्ल्ड नो टोबाक्को डे कार्यक्रम	बच्चों को तम्बाकू और इसके दुष्प्रभाव से अवगत कराया गया।	कुछ सदस्य बच्चों ने तम्बाकू पर आधारित एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। लगभग 800 बच्चों ने भाग लिया।
16.	6.6.2018 से 7.6.2018	टीच फॉर ग्रीन कार्यशाला	बच्चों को सोलर ऊर्जा व उसकी संकल्पना से सम्बंधित जानकारी देना था।	144 बच्चों ने भाग लिया।
17.	6.6.2018	राष्ट्रीय बाल भवन का दौरा	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	फ्री स्कूल अंडर द ब्रिज के 120 बच्चे एवं 10 स्टाफ ने भाग लिया।
18.	15.6.2018	स्टीम लोकोमोटिव इंजन का उद्घाटन	बच्चों को स्टीम लोकोमोटिव इंजन रेलगाड़ी अथवा "फेयरी क्वीन" की जानकारी दी गई।	1000 बच्चों एवं स्टाफ ने स्टीम मैन-श्री अश्विनी लोहानी-अध्यक्ष रेलवे बोर्ड और उत्तरी रेलवे के साथ सवारी की।
19.	23.6.2018	विभिन्न गतिविधियों का आयोजन	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	दिल्ली पुलिस-युवा प्रोजेक्ट, मयूर विहार फेस-1, दिल्ली के 7 स्टाफ एवं 50 बच्चों ने भाग लिया।
20.	28.6.2018	सेवानिवृत्ति-श्री अनिल स्वरूप-सचिव-मानव संसाधन विकास मंत्रालय	बच्चों का उत्साह बढ़ाने हेतु बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम।	स्टाफ एवं 100 सदस्य बच्चों ने कार्यक्रम में सहभागिता ली।
21.	29.6.2018	हिन्दी कार्यशाला	कर्मचारियों को फाईलों का रख रखाव, नोटिंग-ड्राफ्टिंग एवं पत्राचार का रजिस्टर मूवमेंट से अवगत कराना था।	1 अधिकारी एवं 25 कर्मचारियों ने भाग लिया।
22.	29.6.2018	हिन्दी तिमाही बैठक	कर्मचारियों को हिंदी पत्राचार में सुधार लाने हेतु जानकारी दी गई।	2 अधिकारियों एवं 7 कर्मचारियों ने भाग लिया।
23.	7.7.2.18	पूर्व छात्रों का द्वितीय वार्षिक सम्मेलन	छात्रों ने अपने जीवन में रा.बा.भ. के योगदान एवं इसकी उपयोगिता एवं आज के समाज में इसकी आवश्यकता के बारे में अनुभव साझा किए।	लगभग 200 पूर्व छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।
24.	12.7.2018 से 24.7.2018	एअरो मॉडलिंग कार्यशाला	एअर क्राफ्ट के इतिहास से अवगत कराना।	लगभग 240 बच्चों ने भाग लिया।

25.	17.7.2018 से 29.9.2018	फोटोग्राफी कार्यशाला	सहभागियों को कैमरे के प्रकार एवं फोटोग्राफी के इतिहास की जानकारी से अवगत कराया गया।	16+ आयु वर्ग के 41 व्यक्तियों ने भाग लिया।
26.	18.7.2018	स्वच्छता पर प्रतियोगिता	बच्चों को नशा निवारण एवं स्वच्छता जागरूकता से अवगत कराना था।	लगभग 200 बच्चों ने भाग लिया।
27.	27.7.2018	एनएमएनएच, पर्यावरण मंत्रालय में कार्यक्रम	बच्चों को पर्यावरण संरक्षण से अवगत कराया गया।	रा.बा.भ. के 20 सदस्य बच्चों ने गायन की प्रस्तुति दी।
28.	2.8.2017 3.8.2018 4.8.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	निगम प्रतिभा विद्यालय, कश्मीरी गेट, दिल्ली-6 के 156 बच्चों एवं 10 शिक्षकों ने भाग लिया।
29.	3.8.2018 4.8.2018 7.8.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	एम सी प्राईमरी स्कूल, राम नगर, भवानी, पहाड़ गंज, नई दिल्ली से 153 बच्चों एवं 12 शिक्षकों ने भाग लिया।
30.	3.8.2018 4.8.2018 7.8.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	निगम प्रतिभा विद्यालय-1, अरूणा नगर, दिल्ली-54 से 150 बच्चों एवं 14 शिक्षकों ने भाग लिया।
31.	3.8.2018, 4.8.2018, 7.8.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	निगम उत्कृष्ट विद्यालय, जय रानी बागी (पदम नगर), दिल्ली -7 से 149 बच्चों एवं 12 शिक्षकों ने भाग लिया।
32.	7.8.2018 8.8.2018 9.8.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	गार्गी एसकेवी, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली से 154 बच्चों एवं 8 शिक्षकों ने भाग लिया।
33.	7.8.2018 8.8.2018 9.8.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियो का प्रशिक्षण देना।	राजकीय उच्चतम माध्यमिक सह शिक्षा विद्यालय, सै. 15, एफ ब्लॉक, रोहिणी, दिल्ली के 148 बच्चों एवं 9 शिक्षकों ने भाग लिया।

34.	7.8.2018 8.8.2018 9.8.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	राजकीय माध्यमिक बालिका विद्यालय, मयूर विहार फेस-III, दिल्ली के 150 बच्चों एवं 8 शिक्षकों ने भाग लिया।
35.	7.8.2018 से 10.8.2018	जिल्दसाज़ी कार्यशाला	गत्ते काटने, चिपकाने तथा किताबों को चिपकाने, फैंसी पैड, पैन स्टैंड, ड्राईंग फाईल तैयार करना, बचे हुए पेपरों से नोट पैड बनाकर उसे सजाने की गतिविधियों से अवगत कराया गया।	राष्ट्रीय बाल भवन के 10 बच्चों ने भाग लिया।
36.	15.8.2018	72वाँ स्वतंत्रता दिवस एवं भारत छोड़ो आन्दोलन की 76वीं वर्षगाँठ कार्यक्रम	सहभागियों में राष्ट्रीयता की भावना को बढ़ाने हेतु	लगभग 1000 बच्चों ने भाग लिया।
37.	16.8.2018, 18.8.2018, 21.8.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	रामजस गर्ल्स सी. सै. स्कूल, दरियागंज, नई दिल्ली के 30 बच्चों एवं 3 शिक्षक ने भाग लिया।
38.	18.8.2018, 21.8.2018, 23.8.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	उत्कृष्ट विद्यालय बाल भवन शालीमार बाग, नई दिल्ली के 150 बच्चों एवं 9 शिक्षक ने भाग लिया।
39.	18.8.2018, 21.8.2018, 23.8.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	उत्कृष्ट विद्यालय हैदरपुर जी, गर्ल्स कालोनी, नई दिल्ली के 147 बच्चों एवं 9 शिक्षक ने भाग लिया।
40.	18.8.2018, 21.8.2018, 23.8.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	उत्कृष्ट स्कूल, निमड़ी कालोनी, नई दिल्ली के 154 बच्चों एवे 12 शिक्षक ने भाग लिया।
41.	21.8.2018, 23.8.2018, 24.8.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	उत्तर एम.सी.डी. स्कूल, सै. 16, डी/3, रोहिणी, नई दिल्ली के 148 बच्चों एवं 15 शिक्षक ने भाग लिया।
42.	21.8.2018, 23.8.2018, 24.8.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	उत्तर एम.सी.डी. स्कूल, नांगलोई, साईडोन आर जोन-1, नई दिल्ली के 139 बच्चों एवं 15 शिक्षक ने भाग लिया।

43.	21.8.2018, 23.8.2018, 24.8.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	रा.उ.मा. कन्या विद्यालय सोनिया विहार, दिल्ली के 150 बच्चों एवं 9 शिक्षकों ने भाग लिया।
44.	21.8.2018, 23.8.2018, 24.8.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	उत्तर एम.सी.डी. स्कूल, मंगोलपुरी, एफ-1, दिल्ली-83 के 154 बच्चों एवं 19 शिक्षक ने भाग लिया।
45.	28.8.2018, 29.8.2018, 30.8.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	रा.स.क. विद्यालय, किरन विहार, दिल्ली के 150 बच्चों एवं 6 शिक्षक ने भाग लिया।
46.	28.8.2018, 29.8.2018 30.8.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	रा.स.क. विद्यालय, यू ब्लॉक मंगोलपुरी, दिल्ली के 616 बच्चों एवं 22 प्रशिक्षक ने भाग लिया।
47.	28.8.2018, 29.8.2018, 30.8.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	रा.उ.मा. बाल विद्यालय नं 2, सै. 1, एवीटी, रोहिणी, नई दिल्ली के 150 बच्चों एवं 9 शिक्षक ने भाग लिया।
48.	1.9.2018 से 15.9.2018	हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम	कर्मचारियों को राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के उपायों की जानकारी देना था।	प्रतिदिन 25-30 कर्मचारियों ने भाग लिया।
49.	4.9.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	ईस्ट पाइंट स्कूल, दल्लूपुरा, वसुंधरा एंक्लेव, दिल्ली-96 के 124 बच्चों एवं 10 शिक्षक ने भाग लिया।
50.	5.9.2018, 6.9.2018, 11.9.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	रा.उ.मा. कन्या विद्यालय, तिगड़ी, अम्बेडकर नगर, सै. 4, नई दिल्ली के 163 बच्चों एवं 9 शिक्षक ने भाग लिया।
51.	5.9.2018, 6.9.2018, 11.9.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	मुल्तान डीएवी सै. स्कूल, ओल्ड राजेन्दर नगर, नई दिल्ली के 300 बच्चों एवं 15 शिक्षक ने भाग लिया।

52.	5.9.2018, 6.9.2018, 11.9.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया।	रा.उ.मा. कन्या विद्यालय, नं. 2, मुबारकपुर, डाबास, दिल्ली के 116 बच्चों एवं 6 शिक्षक ने भाग लिया।
53.	5.9.2018, 6.9.2018, 11.9.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	रा.उ.मा. बाल विद्यालय फेस-2, नांगलोई, दिल्ली के 283 बच्चों एवं 6 शिक्षक ने भाग लिया।
54.	11.9.2018 से 14.9.2018	एअरो मॉडलिंग कार्यशाला	बच्चों को हंटर मॉडल गलाईडर और येल्लो बर्ड ग्लाईडर मॉडल की जानकारी देना था।	लगभग 314 बच्चों ने भाग लिया।
55.	12.9.2018, 13.9.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	रा.स. बाल विद्यालय राउस एवेन्यू, दी.दी.उ. मार्ग नई दिल्ली के 8 बच्चों एवं 2 शिक्षक ने भाग लिया।
56.	12.9.2018, 13.9.2018, 14.9.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	रा. सह-शिक्षा विद्यालय, मंगोलपुर कलाँ, दिल्ली के 150 बच्चों एवं 9 शिक्षक ने भाग लिया।
57.	12.9.2018, 13.9.2018, 14.9.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	स.क.वि. नं 2, शकरपुर, दिल्ली के 147 बच्चों एवं 6 शिक्षक ने भाग लिया।
58.	12.9.2018, 13.9.2018, 14.9.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	फ्रांसिस उ.मा.क.विद्यालय, दरियागंज, दिल्ली के 400 बच्चों एवं 17 शिक्षकों ने भाग लिया।
59.	12.9.2018, 13.9.2018, 14.9.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	रा.उ.मा. बाल विद्यालय, डेयरी शाहबाद, दिल्ली के 573 बच्चों एवं 27 शिक्षकों ने भाग लिया।
60.	13.9.2018, 14.9.2018, 15.9.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	नवशक्ति गर्वमेंट सी.सै. स्कूल, डीडीयू मार्ग, नई दिल्ली-2 के 129 बच्चों ने भाग लिया।
61.	15.9.2018 से 2.10.2018	स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम	सहभागियों को स्वच्छ पर्यावरण के प्रभाव की जानकारी देना था।	50 बच्चों एवं लगभग सभी कर्मचारियों ने भाग लिया।

62.	15.9.2018	हिन्दी तिमाही कार्यशाला	कर्मचारियों को कार्यालयी कार्यों में राजभाषा का प्रयोग करने हेतु जानकारी देना था।	1 अधिकारी एवं 17 कर्मचारियों ने भाग लिया।
63.	19.9.2018, 20.9.2018, 22.9.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	के.वी. सै. 22, रोहिणी दिल्ली-2 के 180 बच्चों एवं 15 शिक्षकों ने भाग लिया।
64.	19.9.2018, 20.9.2018, 22.9.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	के वी सै.22, रोहिणी, डी-16, सै.3, राहिणी, दिल्ली के 113 बच्चों एवं 13 शिक्षकों ने भाग लिया।
65.	19.9.2018, 20.9.2018, 22.9.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	गर्वमेंट बॉयस सी.सै.स्कूल, अमरवास, ज्वालापुरी, नई दिल्ली के 266 बच्चों एवं 12 शिक्षकों ने भाग लिया।
66.	19.9.2018, 20.9.2018, 22.9.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	के.वी. सै. 8, रोहिणी, दिल्ली के 139 बच्चों एवं 15 शिक्षकों ने भाग लिया।
67.	25.9.2018 से 28.9.2018	संगणक कार्यशाला	विशेष बच्चों को संगणक की अनेक जानकारियों से अवगत कराना था।	आई.पी.एच., मिन्टो रोड के 35 दिव्यांगजन बच्चों एवं 4 अनुरक्षकों ने भाग लिया।
68.	25.9.2018, 26.9.2018, 27.9.2018, 28.9.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	मॉडल इंटीग्रेटेड प्राईमरी स्कूल, दिल्ली के 127 बच्चों एवं 18 शिक्षकों ने भाग लिया।
69.	26.9.2018, 27.9.2018, 28.9.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	के.वी. एएफएस, बवाना, दिल्ली के 85 बच्चों एवं 6 शिक्षकों ने भाग लिया।
70.	26.9.2018, 27.9.2018, 28.9.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	के.वी. सै.8, राहिणी, दिल्ली के 343 बच्चों एवं 14 प्रशिक्षकों ने भाग लिया।
71.	26.9.2018, 27.9.2018, 28.9.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	के.वी. नं.1, दिल्ली केंट के 241 बच्चों एवं 16 शिक्षकों ने भाग लिया।
72.	26.9.2018, 27.9.2018, 28.9.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	के.वी. नं.1, सदर बाजार, दिल्ली केंट के 188 बच्चों एवं 15 शिक्षकों ने भाग लिया।

73.	28.9.2018	तिमाही हिंदी बैठक	कर्मचारियों को हिंदी राजभाषा को बढ़ावा देने के उपायों से अवगत कराया गया।	1 अधिकारी एवं 8 कर्मचारियों ने भाग लिया।
74.	10.10.2018, 11.10.2018, 12.10.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	अर्वाचिन भाटी भवन, सी. सै. स्कूल, बलबीर नगर, शाहदरा, दिल्ली के 456 बच्चों एवं 29 शिक्षकों ने भाग लिया।
75.	10.10.2018, 11.10.2018, 12.10.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	आरएसबीवी कोण्डली दिल्ली के 138 बच्चों एवं 6 शिक्षकों ने भाग लिया।
76.	10.10.2018, 11.10.2018, 12.10.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीबीएसएस स्कूल माता सुन्दरी रोड, दिल्ली के 90 बच्चों एवं 6 शिक्षकों ने भाग लिया।
77.	10.10.2018, 11.10.2018, 12.10.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	केवी केशव पुरम दिल्ली के 146 बच्चों एवं 11 शिक्षकों ने भाग लिया।
78.	12.10.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	नव शक्ति गर्ल्स सी.सै. स्कूल, दिल्ली के 59 बच्चों एवं 3 शिक्षकों ने भाग लिया।
79.	23.10.2018, 25.10.2018, 26.10.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	एसकेवी मालविया नगर, दिल्ली के 541 बच्चों एवं 12 शिक्षकों ने भाग लिया।
80.	23.10.2018, 25.10.2018, 26.10.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीजीएसएस स्कूल नं. 4 मोलरबंद दिल्ली के 150 बच्चों एवं 6 शिक्षकों ने भाग लिया।
81.	23.10.2018, 25.10.2018, 27.10.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीबीएसएस स्कूल निठारी स्कूल दिल्ली के 220 बच्चों एवं 11 शिक्षकों ने भाग लिया।
82.	30.10.2018	सतर्कता एवं सत्य निष्ठा शपथ कार्यक्रम	कर्मचारियों को "भ्रष्टाचार मिटाओ नया भारत बनाओ" के लिए ईमानदारी से कर्तव्य पालन हेतु अवगत कराना था।	लगभग 55 कर्मचारियों ने भाग लिया।

83.	31.10.2018, 1.11.2018, 2.11.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	आरएसकेवी न्यू अशोक नगर दिल्ली के 150 बच्चों एवं 9 शिक्षकों ने भाग लिया।
84.	31.10.2018, 1.11.2018, 2.11.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीजीएसएस स्कूल नं. 1 सै.4, अम्बेडकर नगर, दिल्ली के 150 बच्चों एवं 9 शिक्षकों ने भाग लिया।
85.	31.10.2018, 1.11.2018, 2.11.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीजीएसएस स्कूल, गौतम पुरी दिल्ली के 150 बच्चों एवं 9 शिक्षकों ने भाग लिया।
86.	31.10.2018, 1.11.2018, 2.11.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	एसकेवी सी-ब्लॉक, सुल्तान पुरी दिल्ली के 103 बच्चों एवं 6 शिक्षकों ने भाग लिया।
87.	31.10.2018, 1.11.2018, 2.11.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	आरपीवीवी सै. 19, द्वारका दिल्ली के 150 बच्चों एवं 6 शिक्षकों ने भाग लिया।
88.	31.10.2018, 1.11.2018, 2.11.2018, 14.11.2018, 15.11.2018, 16.11.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीबीएसएस हर्ष विहार, डी-93 दिल्ली के 724 बच्चों एवं 38 शिक्षकों ने भाग लिया।
89.	31.10.2018, 1.11.2018, 2.11.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जैन समनोपासक सी. सै. स्कूल, सदर बाजार, दिल्ली के 145 बच्चों एवं 11 शिक्षकों ने भाग लिया।
90.	1.11.2018	दिपावली उत्सव कार्यक्रम आयोजित	भाईचारा, रिश्तों में मिठास भरने से सम्बंधित संदेश दिया गया।	सभी कर्मचारियों एवं 100 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।
91.	2.11.2018, 3.11.2018, 15.11.2018, 16.11.2018, 24.11.2018, 30.11.2018, 6.12.2018, 7.12.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	नवशक्ति गल्स सी. सै. स्कूल, दिल्ली के 479 बच्चों एवं 17 शिक्षकों ने भाग लिया।

92.	14.11.2018 से 16.11.2018	राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर कार्यक्रम	बच्चों द्वारा देश की विविध संस्कृति से अवगत कराना था।	प्रथम दिन 3000 बच्चों ने भाग लिया, शेष दिन 300-400 बच्चों ने भाग लिया।
93.	16.11.2018	तीन दिवसीय गतिविधियों में एक दिन की सहभागिता	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीएसबीवी राउस एवेन्यूज दिल्ली के 68 बच्चों एवं 2 शिक्षकों ने भाग लिया।
94.	16.11.2018	तीन दिवसीय गतिविधियों में एक दिन की सहभागिता	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	आन्ध्रा स्कूल, आईटीओ, दिल्ली के 159 बच्चों एवं 3 शिक्षकों ने भाग लिया।
95.	17.11.2018	तीन दिवसीय गतिविधियों में एक दिन की सहभागिता	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीजीएसएस हर्ष विहार, दिल्ली के 110 बच्चों एवं 6 शिक्षकों ने भाग लिया।
96.	27.11.2018	तीन दिवसीय गतिविधियों एक दिन की सहभागिता	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	शिववानी मॉर्डन सी.सै. स्कूल, महावीर एन्कलेव, पालम डाबरी रोड, द्वारका, नई दिल्ली के 217 बच्चों एवं 14 शिक्षकों ने भाग लिया।
97.	28.11.2018, 29.11.2018, 30.11.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	एस.को.ऐड सी.सै. स्कूल, ब्लॉक-सी, मंगोलपुरी, दिल्ली के 142 बच्चों एवं 8 शिक्षकों ने भाग लिया।
98.	28.11.2018, 29.11.2018, 30.11.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	सर्वोदया को.एड.सी.सै. स्कूल, सफदरजंग एंक्लेव, दिल्ली के 148 बच्चों एवं 6 शिक्षकों ने भाग लिया।
99.	28.11.2018, 29.11.2018, 30.11.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	सर्वोदया को एड. विद्यालया ए-2, पश्चिम विहार, दिल्ली के 136 बच्चों एवं 6 शिक्षकों ने भाग लिया।
100.	28.11.2018, 29.11.2018, 30.11.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीबीएसएसएस पूथ खुर्द, दिल्ली के 153 बच्चों एवं 9 शिक्षकों ने भाग लिया।
101.	28.11.2018, 29.11.2018, 30.11.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	आरएसबीवी सूरजमल विहार, दिल्ली के 133 बच्चों एवं 3 शिक्षकों ने भाग लिया।

102.	28.11.2018, 29.11.2018, 30.11.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	आरएसबीवी गुलाबी बाग, दिल्ली के 124 बच्चों एवं 6 शिक्षकों ने भाग लिया।
103.	28.11.2018, 29.11.2018, 30.11.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीबीएसएसएस अशोक विहार फेस-2, दिल्ली के 150 बच्चों एवं 12 शिक्षकों ने भाग लिया।
104.	1.12.2018	वर्ल्ड कम्प्यूटर लिटरेसी डे कार्यक्रम	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	वर्ल्ड कम्प्यूटर लिटरेसी डे कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के 69 बच्चों और 8 सदस्य बच्चों व 14 पूर्व छात्रों ने भाग लिया।
105.	4.12.2018 से 15.12.2018	एअरो मॉडलिंग कार्यशाला	बच्चों को हंटर मॉडल ग्लाईडर और येल्लो बर्ड ग्लाईडर मॉडल की जानकारी देना था।	लगभग 40 बच्चों ने भाग लिया।
106.	4.12.2018, 6.12.2018, 7.12.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीबीएसएसएस शादी खामपुर दिल्ली के 146 बच्चों एवं 6 शिक्षकों ने भाग लिया।
107.	4.12.2018, 6.12.2018, 7.12.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	एच.एल. जैन सी. सै. स्कूल, सदर बाजार, दिल्ली के 153 बच्चों एवं 14 शिक्षकों ने भाग लिया।
108.	4.12.2018	तीन दिवसीय गतिविधियों में एक दिन की सहभागिता	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	सार्ड इण्डिया 311, कीर्ति द्वीप बिल्डिंग, नांगल राय, दिल्ली के 43 बच्चों एवं 2 शिक्षकों ने भाग लिया।
109.	4.12.2018, 6.12.2018, 7.12.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीजीएसएसएस नं.1, शकरपुर दिल्ली के 169 बच्चों एवं 9 शिक्षकों ने भाग लिया।
110.	5.12.2018, 6.12.2018, 8.12.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	आरपीजीवी हरी नगर, दिल्ली के 128 बच्चों एवं 6 शिक्षकों ने भाग लिया।
111.	5.12.2018, 6.12.2018, 7.12.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	एसबीवी तिमारपुर दिल्ली के 150 बच्चों एवं 12 शिक्षकों ने भाग लिया।
112.	5.12.2018, 7.12.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीबीएसएसएस तेजपुर पहाड़ी बदरपुर दिल्ली के

				128 बच्चों एवं 4 शिक्षकों ने भाग लिया।
113.	5.12.2018, 6.12.2018, 7.12.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीबीएसएसएस नं.3 नजफगढ़ दिल्ली के 127 बच्चों एवं 6 शिक्षकों ने भाग लिया।
114.	12.12.2018 से 15.12.2018	कला उत्सव कार्यक्रम	बच्चों को राष्ट्रीय लेवल प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु बढ़ावा देना था।	लगभग 400 बच्चों ने भाग लिया।
115.	19.12.2018, 20.12.2018, 21.12.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	एसकेवी, बादली, दिल्ली के 142 बच्चों एवं 9 शिक्षकों ने भाग लिया।
116.	19.12.2018, 20.12.2018 21.12.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	एसबीवी, पटपड़ गंज, दिल्ली के 146 बच्चो एवं 6 शिक्षकों ने भाग लिया।
117.	19.12.2018, 20.12.2018, 21.12.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीजीएसएस स्कूल नं.1, सुभाष नगर, दिल्ली के 150 बच्चों एवं 9 शिक्षकों ने भाग लिया।
118.	19.12.2018, 20.12.2018, 21.12.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीजीएसएस स्कूल, बृजवासन, बढ़कल रोड, दिल्ली के 150 बच्चों एवं 7 शिक्षकों ने भाग लिया।
119.	19.12.2018, 20.12.2018, 21.12.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जितेन्दर के वी, खिचड़ी पुर, दिल्ली के 148 बच्चों एवं 12 शिक्षकों ने भाग लिया।
120.	19.12.2018, 20.12.2018, 21.12.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीबीएमएस, सै. 16, रोहिणी, दिल्ली के 150 बच्चों एवं 8 शिक्षकों ने भाग लिया।
121.	19.12.2018, 21.12.2018, 22.12.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीबीएसएसएस, निठारी, दिल्ली के 132 बच्चों एवं 6 शिक्षकों ने भाग लिया।
122.	20.12.2018, 22.12.2018, 27.12.2018	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	नवशक्ति स्कूल, दिल्ली के 76 बच्चों एवं 3 शिक्षकों ने भाग लिया।

123.	20.12.2018,	तीन दिवसीय गतिविधियों में एक दिन की सहभागिता	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	द सृजन स्कूल, मॉडल टाउन, दिल्ली के 150 बच्चों एवं 13 शिक्षकों ने भाग लिया।
124.	1.1.2019	आमोद दिवस कार्यक्रम	बच्चों एवं सहभागियों को मनोरंजक खेलों से अवगत कराना था।	लगभग 300 बच्चों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।
125.	5.1.2019 से 15.1.2019	एअरो मॉडलिंग कार्यशाला	बच्चों को हंटर मॉडल गलाईडर और येल्लो बर्ड ग्लाईडर मॉडल की जानकारी देना था।	लगभग 47 बच्चों ने भाग लिया।
126.	12.1.2019 से 14.1.2019	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जनजातीय शोध एवं विकास संस्थान के 25 बच्चों एवं 10 शिक्षकों ने भाग लिया।
127.	17.1.2019, 18.1.2019, 19.1.2019	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीजीएसएसएस नं.2, बी ब्लॉक, यमुना विहार, दिल्ली के 150 बच्चों एवं 6 शिक्षकों ने भाग लिया।
128.	17.1.2019, 18.1.2019, 19.1.2019	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	एसवी जयदेव पार्क, पूर्वी पंजाबी बाग, दिल्ली के 380 बच्चों एवं 18 शिक्षकों ने भाग लिया।
129.	17.1.2019, 18.1.2019, 19.1.2019	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीबीएसएसएस सभापुर, दिल्ली के 149 बच्चों एवं 8 शिक्षकों ने भाग लिया।
130.	18.1.2019, 19.1.2019	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जीबीएसएसएस निठारी, दिल्ली के 90 बच्चों एवं 4 शिक्षकों ने भाग लिया।
131.	22.1.2019	विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	किलकारी बिहार बाल भवन सैईदपुर, राजेन्दर नगर, पटना के 152 बच्चों एवं 8 शिक्षकों ने भाग लिया।
132.	24.1.2019	तीन दिवसीय गतिविधियों में एक दिन की सहभागिता	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	आरएसके पूर्वी विनोद नगर, दिल्ली के 139 बच्चों एवं 10 शिक्षकों ने भाग लिया।
133.	28.1.2019	"एक भारत श्रेष्ठ भारत" के अंतर्गत "परीक्षा पे चर्चा 2.0" कार्यक्रम	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	लगभग 1000 राज्य स्तर के बच्चों ने भाग लिया।
134.	30.1.2019, 31.1.2019,	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	एसकेवी नं.2, ए ब्लॉक, जहांगीरपुरी, दिल्ली के 308

	1.2.2019			बच्चों एवं 13 शिक्षकों ने भाग लिया।
135.	30.1.2019, 31.1.2019, 1.2.2019	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	केवीएसपीजी, सै. 8 द्वारका, दिल्ली के 464 बच्चों एवं 30 शिक्षकों ने भाग लिया।
136.	31.1.2019, 1.2.2019, 7.2.2019	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	नवशक्ति सी.सै. स्कूल, दिल्ली के 101 बच्चों एवं 3 शिक्षकों ने भाग लिया।
137.	5.2.2019 से 15.2.2019	एअरो मॉडलिंग कार्यशाला	बच्चों को हंटर मॉडल गलाईडर और येल्लो बर्ड ग्लाईडर मॉडल की जानकारी देना था।	लगभग 48 बच्चों ने भाग लिया।
138.	5.2.2019 से 9.2.2019	विडियो प्रोडक्शन कार्यशाला	विडियो प्रोडक्शन के विभिन्न आयामों की जानकारी देना।	20 सहभागियों ने भाग लिया।
139.	6.2.2019	तीन दिवसीय गतिविधियों में एक दिन की सहभागिता	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	गर्वमेंट को.एड. सी.सै.स्कूल, झटीकरा, दिल्ली के 93 बच्चों एवं 7 शिक्षकों ने भाग लिया।
140.	6.2.2019 से 9.2.2019	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	केन्द्रीय विद्यालय शाहदरा, खिचड़ीपुर, दिल्ली के 93 बच्चों एवं 7 शिक्षकों ने भाग लिया।
141.	7.2.2019	तीन दिवसीय गतिविधियों में एक दिन की सहभागिता	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	नवशक्ति सी.सै. स्कूल, दिल्ली के 44 बच्चों एवं 1 शिक्षक ने भाग लिया।
142.	9.2.2019	बसंत पंचमी कार्यक्रम	माता सरस्वती जी की वंदना	50 बच्चों एवं 25 कर्मचारियों ने भाग लिया।
143.	12.2.2019 से 13.2.2019	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	अमेटी इंटरनेशनल स्कूल, सै. 44, नोएडा के 359 बच्चों एवं 28 शिक्षकों ने भाग लिया।
144.	13.2.2019 से 15.2.2019	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	एस.के.वी. राजेन्द्र नगर-1, पालम, दिल्ली के 151 बच्चों एवं 7 शिक्षकों ने भाग लिया।
145.	15.2.2019 से 16.2.2019	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	नव शक्ति गर्ल्स सै., दिल्ली के 85 बच्चों एवं 2 शिक्षकों ने भाग लिया।

146.	20.2.2019 से 22.2.2019	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	डॉ. जाकिर हुसैन एम.सी.सै. स्कूल, जाफराबाद के 336 बच्चों एवं 15 शिक्षकों ने भाग लिया।
147.	20.2.2019 से 22.2.2019	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जवाहर नवोदय विद्यालय, स्कूल, दिल्ली के 178 बच्चों एवं 13 शिक्षकों ने भाग लिया।
148.	20.2.2019 से 22.2.2019	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	केन्द्रीय विद्यालय सैनिक विहार, दिल्ली के 392 बच्चों एवं 18 शिक्षकों ने भाग लिया।
149.	20.2.2019 से 22.2.2019	कठपुतली कार्यशाला	बच्चों को विभिन्न प्रकार की कठपुतलियों से परिचित करवाना।	लगभग 35 बच्चों ने भाग लिया।
150.	25.2.2019 से 27.2.2019	27वाँ राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविद् सम्मेलन	निरंतर विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु जागरूकता फैलाना।	199 छात्रों ने भाग लिया।
151.	28.2.2019	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	बच्चों को वैज्ञानिक तकनीकों की जरूतों से अवगत करवाना।	लगभग 167 बच्चों ने एवं 16 कर्मचारियों ने भाग लिया।
152.	13.3.2019 से 15.3.2019	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जी.जी. एस.एस., जीएच ब्लॉक, पुरानी सीमा पुरी, दिल्ली के 120 बच्चों एवं 6 शिक्षकों ने भाग लिया।
153.	13.3.2019 से 15.3.2019	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जी.एस.के., वीएच ब्लॉक, मंगोलपुरी, दिल्ली के 133 बच्चों एवं 10 शिक्षकों ने भाग लिया।
154.	13.3.2019 से 15.3.2019	तीन दिवसीय गतिविधियाँ	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण देना।	जी.जी.सी.सै. स्कूल, मोहन गार्डन, दिल्ली के 370 बच्चों एवं 21 शिक्षकों ने भाग लिया।
155.	21.3.2019	होली उत्सव कार्यक्रम	बच्चों को एक-दूसरे की जिन्दगी में खुशियों के रंग भरने हेतु प्रेरित करना।	लगभग 200 सहभागियों ने भाग लिया।
156.	27.3.2019 से 29.3.2019	जूडो चैम्पियनशिप प्रतियोगिता	बच्चों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना।	लगभग 300 सहभागियों ने भाग लिया।

विशेष उपलब्धियाँ

- ग्रीष्मोत्सव दिनाँक 22 मई से 22 जून, 2018 तक आयोजित किया गया। इस ग्रीष्मोत्सव के दौरान लगभग 4887 बच्चों ने पंजीकरण कराया। इस वर्ष भी 5 से 10 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए विशेष गतिविधियाँ "फन फॉर – लिटिल वन्स" रखी गई जिसमें प्रति दिन को लगभग 300 बच्चों ने भाग लिया।
- इस वर्ष स्कूलों के बच्चों के लिए तीन दिवसीय गतिविधियों को आयोजन किया गया था। जिसमें लगभग 20514 बच्चों ने भाग लिया।
- क्षेत्रीय शिविरों के बाद विजेताओं के अंतिम चयन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय बाल भवन में 22 और 23 अप्रैल, 2018 को दो दिवसीय राष्ट्रीय बाल श्री शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में पूरे भारत भर के 350 बच्चो ने भाग लिया। बच्चों ने अपनी सृजनात्मक क्षमता का पूर्ण प्रदर्शन कर सृजनात्मक कला की चार श्रेणियों की 16 उप-विधाओं में भाग लिया।
- पहली भाप से चलने वाली स्वचालित इंजन "फेयरी क्वीन" थी जिसे "ईआईआर-22" के नाम से भी जाना जाता है। इस स्टीम लोकोमोटिव इंजन को हरी झंडी दिखाकर ध्वजाकंन भारत के स्टीम मैन-श्री अश्विनी लोहानी-अध्यक्ष रेलवे बोर्ड और उत्तरी रेलवे के महा प्रबन्धक-श्री विश्वेष चौबे ने राष्ट्रीय बाल भवन में दिनाँक 15 जून, 2018 को उद्घाटन किया।
- ग्रीष्मकालीन सत्र 2018 के दौरान बच्चों में अन्य विशेष रूचि जगाने के लिए विशेषज्ञ-सुश्री रज़िया मलिक-कांथा, क्रोशिया, विशेषज्ञ-श्री राजकुमार-पोटरी, विशेषज्ञ-श्री किशन-बाँस का काम, विशेषज्ञ-श्रीमती रामवती-पेपरमैशी आदि उपलब्ध कराए गए।
- 7 जुलाई, 2018, को राष्ट्रीय बाल भवन के पूर्व छात्रों के द्वितीय वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 200 पूर्व छात्रों ने भाग लिया। इसमें भूतपूर्व छात्रों एवं रा.बा.भ. के भूतपूर्व कर्मचारियों, अधिकारियों एवं प्रशिक्षक इत्यादि सम्मिलित हुए। इस सम्मेलन में सहभागियों ने अपने जीवन में राष्ट्रीय बाल भवन के योगदान पर चर्चा की एवं राष्ट्रीय बाल भवन की उपयोगिता पर भी चर्चा की।
- दिनाँक 15 अगस्त, 2018 को "72वाँ स्वतंत्रता दिवस एवं भारत छोड़ो आंदोलन की 76वीं वर्षगाँठ" कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें (स्टाफ, सदस्य बच्चों एवं अतिथि) लगभग 1000 सहभागियों ने भाग लिया। राष्ट्रीय बाल भवन के खुले मैदान में लगे 105फीट ऊँचे ध्वज का राष्ट्रीय गान के साथ ध्वजारोपण किया गया। इसका उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति में राष्ट्रीयता की भावना बढ़ाना था।
- 25 सितम्बर, 2018 से 28 सितम्बर, 2018 तक विशेष बच्चों (दिव्यांगजन बच्चों) के लिए संगणक कार्यशाला का आयोजन किया गया इस कार्यशाला में बच्चों को संगणक की अनेकों जानकारियाँ दी गई।
- राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में तीन दिवसीय राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर, 2018 का आयोजन 14 नवम्बर से 16 नवम्बर, 2018 तक किया गया। इस सभा की थीम "सृजनात्मक भारत" थी। जिसका

उद्देश्य बच्चों को देश की विविध संस्कृति को समझना और उसकी सराहना करने में मदद करना था। इस कार्यक्रम में देशभर से 17 राज्यों के मान्यता प्राप्त 42 बाल भवनों तथा बाल भवन केन्द्रों के सदस्य बच्चों तथा एस्कोर्ट, राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों ने, माण्डी जवाहर बाल भवन के सदस्य बच्चों ने और दिल्ली के कुछ स्कूलों के बच्चों ने, लगभग 3000 बच्चों ने प्रथम दिन एवं 400-500 बच्चों ने शेष दिनों में भाग लिया।

- प्रथम कला उत्सव 2015 में राष्ट्रीय बाल भवन में आयोजित किया गया था। इस वर्ष तृतीय कला उत्सव कार्यक्रम दिनाँक 12 दिसम्बर, 2018 से 15 दिसम्बर, 2018 तक राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण की परिषद द्वारा राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 400 बच्चों एवं एस्कोर्टस ने भाग लिया।
- 12 जनवरी, 2019 को राष्ट्रीय बाल भवन की अध्यक्ष महोदया-श्रीमती शालू जिंदल के प्रयत्नों एवं वित्तपोषण के पश्चात राष्ट्रीय बाल भवन के खेल विभाग का नवीनीकरण के पश्चात उद्घाटन मानव संसाधन विकास मंत्री - श्री प्रकाश जावडेकर द्वारा किया। इस दौरान निशानेबाजी की एक नई गतिविधि उपलब्ध की गई। इसका उद्देश्य है कि बच्चे इससे एक नया भविष्य उत्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त उच्चकोटि के नए उपकरणों से लैस आंतरिक एवं बाह्य जिमनेस्यिम एवं केरम बोर्ड आदि कार्नर का भी उद्घाटन किया गया।
- दिनाँक 28 जनवरी 2019 को राष्ट्रीय बाल भवन में "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" के अंतर्गत "परीक्षा पे चर्चा" कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम हेतु भारत के विभिन्न राज्यों के लगभग 400 बच्चे दिनाँक 26 से 31 जनवरी, 2019 तक राष्ट्रीय बाल भवन के छात्रावास में ठहरे तथा 28 जनवरी, 2019 को 1000 बच्चों ने चित्रकला, कोलाज़, क्षेत्रीय भाषाओं में लोकोक्तियाँ, कविता, गीत का अनुवाद, बुक मार्क, स्लोगन लेखन, मिले-जुले गतिविधि, सुई-धागा शिल्प, हस्तकला शिल्प, खेल, रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स, एअरो मॉडलिंग, मेहंदी, मधुबनी, बॉस कला, पेपरमैशी, पॉटरी, कंठ संगीत, कठपुतली शो, कहानी सुनाना, माइम शो, मधुबनी, वर्ली, ग्रफिटी, सैल्फी कॉनर, टरबनस और ड्रेसेस ऑफ इण्डिया कट आउट, बच्चों के मुस्कुराते चेहरों का कोलाज़ आदि सभी गतिविधियों में भाग लिया तथा 29 जनवरी, 2019 को तालकटोरा स्टेडियम में इन 1000 बच्चों ने प्रधानमंत्री जी कार्यालय द्वारा आयोजित "परीक्षा पे चर्चा" कार्यक्रम में भाग लिया।
- गाँधी जी की 150वीं जन्म शताब्दी के अवसर पर वर्षपर्यंत कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। पंचतन्त्र की कहानियों पर संग्रहालय में एक प्रदर्शनी लगाई गई। बच्चों को गाँधी जी के गीत "वैष्णव जन को" इत्यादि सिखाए गए। साहित्य अकादमी के साथ 3 अक्तूबर से 4 अक्तूबर, 2018 तक "गाँधी रंग-पुतुल संग" कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बाल भवन के सदस्य बच्चों एवं अध्यापकों ने गीत गाए एवं पपैट शो प्रस्तुत किया। 19 जनवरी, 2019 को 50 सदस्य बच्चों एवं 6 अध्यापकों ने राजघाट का भ्रमण किया एवं गाँधी संग्रहालय का भी दौरा किया जिससे बच्चों को गाँधी जी के दर्शन एवं जीवन से बहुत कुछ सीखने के लिए मिला। इसी श्रृंखला में 15 सितम्बर से 2 अक्तूबर, 2018 तक स्वच्छता पखवाड़ा भी आयोजित किया गया। "एक भारत श्रेष्ठ भारत" पर भी कई गतिविधियाँ आयोजित की गई। पूरे भारतवर्ष के संबद्ध बाल भवनों एवं बाल केन्द्रों में भी इस विषयक कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सहयोगात्मक कार्यक्रम

- 20 अप्रैल, 2018 को "पृथ्वी दिवस" आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 6 विद्यालयों के 120 बच्चों ने अपने अध्यापकों के साथ भाग लिया। इस कार्यक्रम में संस्थाएं "अर्थ डे नेटवर्क" से श्री अनिल अरोड़ा और "दाना-पानी" से श्री गौरव मिश्रा, ये दो अतिथि आमंत्रित थे। ये दोनों संस्थाएं पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करती हैं।
- 25 और 26 एवं 31 मई, 2018 को मौलाना आज़ाद मैडिकल कालेज के सौजन्य से विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर बच्चों के लिए पेंटिंग, कोलाज़, स्लोगन लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- 7 जून, 2018 को भारतीय वायु सेना के 07 कर्मचारियों ने 11 से 16 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को कार्यशाला कराई और बच्चों को भारतीय वायु सेना में भर्ती होने की प्रेरणा के लिए व्याख्यान दिया।
- 12 जून, 2018 को बच्चों के लिए कहानी सुनाने की कार्यशाला आयोजित की गई जिसके लिए कहानी विशेषज्ञ-श्रीमती ऊषा छाबड़ा द्वारा दस अलग-अलग कहानियों का प्रदर्शन किया गया तत्पश्चात् बच्चों से भी प्रदर्शन कराया।
- 19 जून, 2018 को बोन्न कम्पनी द्वारा "स्वच्छता" पर आधारित बच्चों के लिए ड्राईंग प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- 31 मई, 2018 को राष्ट्रीय बाल भवन में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मौलाना आजाद मेडिकल कालेज के सहयोग से एक दिवसीय दंत शिविर का आयोजन भी किया गया जिसमें सदस्य बच्चों एवं राष्ट्रीय बाल भवन के स्टाफ सदस्यों ने डाक्टरों से अपने दांतों की जांच कराई एवं सिगरेट व तम्बाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जाना।
- राष्ट्रीय बाल भवन में 18 जुलाई, 2018 को सामाजिक रक्षा, सामाजिक न्याय तथा सशक्तिकरण मंत्रालय द्वारा "नशा निवारण जागरूकता" विषय पर स्कूलों के विद्यार्थियों और राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों के सहयोग से एक पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की। जिसमें विभिन्न स्कूलों एवं रा.बा.भ. के लगभग 200 बच्चों ने भाग लिया।
- 18 अगस्त, 2018 को विश्व छायांकन दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में नए एवं पुराने छात्र, लगभग 100 सहभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत विशेषज्ञ के रूप में श्री सुरेन्दर ओसान - सीसीआरटी के वरिष्ठ छायांकन अधिकारी, श्री अनिल शर्मा-प्रसिद्ध फिल्मकार, श्री अहमद सुलेमान एवं वरिष्ठ कलाकार तथा फिल्मकार, श्री पालीजी थे। इस कार्यक्रम का विषय था - "छायांकन का आज के समाज में योगदान"।
- राष्ट्रीय बाल भवन में 9 फरवरी, 2019 को बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में माता सरस्वती जी की पूजा की गई। इस दौरान प्रदर्शन अनुभाग के कुछ बच्चों ने सरस्वती वंदना की तथा उपनिदेशक-प्रशासन, श्री मुकेश गुप्ता जी ने माता सरस्वती की मूर्ति को माला भेंट कर फूल चढ़ाऐ। तत्पश्चात् सभी सहभागियों ने फूल चढ़ाकर मंगल कामना की। इस कार्यक्रम में लगभग 50 बच्चों एवं 25 कर्मचारियों और दौरा करने आए बच्चों ने अपने अभिभावकों के साथ भाग लिया।
- राष्ट्रीय बाल भवन में 5 फरवरी, 2019 से 9 फरवरी, 2019 तक वीडियो प्रोड्क्शन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 20 सहभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को वीडियो प्रोड्क्शन के विभिन्न आयामों के बारे में जानकारी दी गई। श्री सतन सोलन-फिल्म मेकर एवं कलाकार ने फिल्म एवं वीडियो संपादन की बारीकियों से सहभागियों को परिचित कराया।
- 4 अप्रैल, 2018 से सितम्बर, 2018 तक प्रत्येक बुधवार और शुक्रवार को राष्ट्रीय बाल भवन के कर्मचारियों ने राष्ट्रपति भवन के बच्चों के लिए गतिविधियाँ आयोजित कीं।

स्टाफ सदस्यो के लिए कार्यक्रम

- 21 जून, 2018 को योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर रा.बा.भ. ग्रीष्मकालीन योग प्रशिक्षक - श्री नितिन कुमार द्वारा योग मुद्राएँ बच्चों एवं कर्मचारियों को सिखाई गई और उनके लाभ भी बताए गए।
- दिनाँक 29 जून, 2018 को प्रात: 10:00 बजे राष्ट्रीय बाल भवन के स्टाफ के लिए "फाइलों का रख-रखाव, नोटिंग-ड्राफ्टिंग एवं पत्राचार" पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 2 अधिकारियों एवं 25 कर्मचारियों ने भाग लिया।
- दिनाँक 29 जून, 2018 को अपराह्न 3:30 बजे "राजभाषा कार्यान्वयन समिति" की बैठक का आयोजन किया गया। हिंदी पत्राचार में और सुधार कर वार्षिक कार्यक्रम में अनुपालन किए जाने के प्रयास पर चर्चा की गई। इस कार्यशाला में 2 अधिकारियों एवं 7 कर्मचारियों ने भाग लिया।
- दिनाँक 15 अगस्त, 2018 को "72वाँ स्वतंत्रता दिवस एवं भारत छोड़ो आंदोलन की 76वीं वर्षगाँठ" कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें (स्टाफ, सदस्य बच्चों एवं अतिथि) लगभग 1000 बच्चों, कर्मचारियों ने भाग लिया।
- स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी के 150वें जन्म दिवस के अवसर पर 15 सितम्बर, 2018 से 2 अक्तूबर, 2018 तक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाल भवन में दिनाँक 15 सितम्बर, 2018 को सभी कर्मचारियों ने स्वच्छता अभियान में भाग लिया। अपने प्रांगण को हरा-भरा करने के लिए इस अभियान में सम्मिलित सभी कर्मचारियों ने श्रमदान दिया।
- दिनाँक 1 सितम्बर, 2018 से 15 सितम्बर, 2018 तक "हिन्दी पखवाड़ा" मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने एवं समस्त कर्मचारी द्वारा कार्यालयी कार्य अधिकतम हिन्दी में करने के लिए अभिप्रेरित करना था। इस कार्यक्रम में लगभग सभी कर्मचारियों ने भाग लिया।
- राष्ट्रीय बाल भवन में 15 सितम्बर, 2018 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का विषय था - ई-मेल भेजना, मोबाइल तथा कम्प्यूटर पर यूनीकोड में टाइपिंग प्रशिक्षण तथा कार्यालयों कार्यों में राजभाषा का प्रयोग। इस कार्यशाला में 1 अधिकारी एवं 17 कर्मचारियों ने सहभागिता की।
- राष्ट्रीय बाल भवन में 28 सितम्बर, 2018 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में 1 अधिकारी और 8 कर्मचारियों ने भाग लिया। हिन्दी की तिमाही रिपोर्ट पढ़ने के पश्चात् इस बैठक में हिन्दी को बढ़ावा देने हेतु कर्मचारियों द्वारा सुझाव प्रस्तुत किए गए।
- दिनाँक 30 अक्तूबर, 2018 को "सतर्कता एवं निष्ठा शपथ" कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आयोजन का विषय - "भ्रष्टाचार मिटाओ, नया भारत बनाओ" था। इस आयोजन में लगभग 55 कर्मचारियों ने भाग लिया।
- राष्ट्रीय बाल भवन के संस्कृति शिल्प ग्राम में 1 नवम्बर, 2018 को दीपावली समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 100 सदस्य बच्चों सहित राष्ट्रीय बाल भवन के सभी कर्मचारियों व भ्रमणार्थियों ने भाग लिया। इस समारोह में राष्ट्रीय बाल भवन की अध्यक्ष श्रीमती शालू जिंदल मुख्य अतिथि थीं एवं उन्होंने सभी कर्मचारियों को दीपावली की शुभ कामनाएँ दी और गिफ्ट भी बाँटे।
- नए साल के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय बाल भवन में 1 जनवरी, 2019 को "आमोद दिवस" कार्यक्रम का आयोजन बहुत धूमधाम से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 300 बच्चे एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।
- 21 मार्च, 2019 को 'होली उत्सव' का आयोजन किया गया, जिसमें 30 बच्चों तथा 20 अभिभावकों और 150 कर्मचारियों ने भाग लिया।

विस्तृत रिपोर्ट

राष्ट्रपति भवन में कार्यशाला

4 अप्रैल, 2018 से प्रत्येक बुधवार और शुक्रवार को राष्ट्रीय बाल भवन के कर्मचारी-श्री नत्थी लाल यादव-लोकगीत गतिविधि, श्री वासुदेव-मिले जुले कार्यकलाप, मोहम्मद अनिरूल इस्लाम-चित्रकला गतिविधि, श्रीमती ऊषा रानी-हस्तकला गतिविधि द्वारा राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति भवन के बच्चों के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में लगभग 19-20 बच्चों ने प्रत्येक बुधवार एवं शुक्रवार को भाग लिया।

एअरो-मॉडलिंग कार्यशाला

दिनाँक 10 अप्रैल से 20 अप्रैल, 2018 तक राष्ट्रीय बाल भवन में एअरो मॉडलिंग विषय पर 9 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। एअरो मॉडलिंग भी बच्चों के लिए एक महत्त्वपूर्ण गतिविधि है। कुल 30 बच्चों ने इस कार्यशाला में सहभागिता की। इस कार्यशाला में एअरो मॉडलिंग का परिचय, उड़ान के सिद्धांत तथा एअरो मॉडलिंग व एअरक्राफ्टों के इतिहास का परिचय देने के साथ कक्षा प्रारम्भ की गई। इस कार्यशाला में हंटर मॉडल ग्लाईडर और येल्लो बर्ड ग्लाईडर मॉडल का प्रशिक्षण दिया गया। तत्पश्चात् बच्चों ने हंटर मॉडल ग्लाईडर का एक मॉडल तैयार किया। राष्ट्रीय बाल भवन के परिसर में हंटर मॉडल ग्लाईडर को उड़ाकर दिखाया गया।

पृथ्वी दिवस उत्सव

राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा 20 अप्रैल, 2018 को "पृथ्वी दिवस" आयोजित किया गया। इस वर्ष इसका विषय "प्लास्टिक प्रदूषण का अंत" था। इस कार्यक्रम में लगभग 6 विद्यालयों के 120 बच्चों ने अपने अध्यापकों के साथ भाग लिया। इस कार्यक्रम में संस्थाएं "अर्थ डे नेटवर्क" से श्री अनिल अरोड़ा और "दाना-पानी" से श्री गौरव मिश्रा, ये दो अतिथि आमंत्रित थे। यह दोनों संस्थाएं पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करती हैं। कार्यक्रम "पृथ्वी माँ" और "पृथ्वी माँ के प्रति व्यवहार" से संबंधित विचार-विमर्श के साथ आरंभ हुआ। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को "प्लास्टिक प्रदूषण" पर एक छोटी-सी फिल्म दिखाई गई जिसमें पर्यावरण, समुद्री जीवों और अन्य जानवरों पर हो रहे प्लास्टिक के हानिकारक प्रभाव और प्लास्टिक के निर्माण के बारे में भी बताया। इसके पश्चात् सहायक निदेशक (विज्ञान) ने बच्चों के साथ प्लास्टिक की प्रकृति और जीवन में यह किस प्रकार से यह शामिल हो चुका है एवं इसके हानिकारक प्रभावों पर भी चर्चा

की। बच्चों को एक पावर पाइंट प्रस्तुति दिखाई गई जोकि पृथ्वी दिवस के आयोजन के इतिहास पर आधारित थी। श्री अनिल अरोड़ा ने प्लास्टिक अपशिष्ट के सम्बंध में बच्चों को सम्बोधित किया। उन्होंने बच्चों को बड़े जीव जैसे - "व्हेल मछली" पर हो रहे प्लास्टिक के हानिकारक प्रभाव को एक वीडियो द्वारा समझाया। पावर-पाइंट प्रेजेंटेशन द्वारा बच्चों के साथ उन्होंने प्लास्टिक से हो रही समस्याओं के बारे में भी चर्चा की। दाना-पानी संस्था से श्री गौरव मिश्रा ने गौरैया जैसी छोटी-सी चिड़िया के लिए भोजन और जल की व्यवस्था की अनिवार्यता एवं मौसम में हो रहे बदलावों के बारे में चर्चा की, साथ ही "गौरैया बचाओ" पर बच्चों के साथ एक गीत भी गाया। इस दौरान बच्चों को कागज़ पुनःचक्र से बैग बनाना सिखाया गया और प्लास्टिक-बोतलों का पुनः प्रयोग पर भी चर्चा की। अंत में सभी सहभागियों को अल्पाहार तथा बच्चों को सहभागिता प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

राष्ट्रीय बाल श्री शिविर-2016

राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा 1995 में बाल श्री योजना की शुरूआत कला, प्रदर्शन, लेखन और वैज्ञानिक नव-प्रवर्तन के क्षेत्र में अतिविशिष्ट प्रतिभाशाली एवं सृजनात्मक बच्चों को पहचान देने के लिए की गई थी। इसके पीछे विचार यह था कि बचपन से ही बच्चों में मौलिकता एवं सृजनात्मकता के गुणों को पहचानकर उन्हें निखारा जाए ताकि वे भावी नागरिक बनकर सामाजिक परिवर्तन के अग्रदूत बन सकें और समाज तथा राष्ट्र की प्रगति में सहयोग दे सकें।

क्षेत्रीय शिविरों के बाद विजेताओं के अंतिम चयन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय बाल भवन में 22 और 23 अप्रैल, 2018 को दो दिवसीय राष्ट्रीय बाल श्री शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में पूरे भारत भर के 350 बच्चो ने भाग लिया। बच्चों ने अपनी सृजनात्मक क्षमता का पूर्ण प्रदर्शन कर सृजनात्मक कला की चार श्रेणियों की 16 उप-विधाओं में भाग लिया। अंत में प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

पेपर बैग बनाने की कार्यशाला

28 अप्रैल, 2018 को पेपर बैग बनाने की एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के आरंभ में बच्चों के साथ पेपर बैग के प्रयोग पर एक संक्षिप्त चर्चा की गई। पूर्व काल में पेपर बैग के निर्माण में जिस प्रकार के कागज़ों का प्रयोग किया गया था और वे हाथ से ही बनाए जाते थे। इस दौरान बच्चों से पेपर बैग को प्रयोग किए जाने की आवश्यकता, पर्यावरण के लिए यह लाभप्रद क्यों है? एवं प्लास्टिक बैग के दुष्परिणामों के संबंध में भी चर्चा की गई। कार्यशाला में पेपर बैग बनाने के लिए बच्चों को चरणबद्ध निर्देश दिए गए। तत्पश्चात् बच्चों ने रिसाइकिल किए गए कागज़ों से सुंदर और रंगीन पेपर बैग बनाए। इस कार्यशाला में बाबूराम पब्लिक स्कूल, चावड़ी बाजार, नई दिल्ली के 20 बच्चों ने एक प्रशिक्षक के साथ भाग लिया। अंत में बच्चों को जलपान दिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस

10 मई, 2018 को राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय के 42 बच्चों ने अपने अनुरक्षकों के साथ राष्ट्रीय बाल भवन में अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस मनाया। इस कार्यशाला के आरम्भ में संग्रहालयाध्यक्ष ने बच्चों को पीपीटी और चर्चा के माध्यम से सम्बोधित किया। इस अवसर पर बच्चों ने सामान्य विज्ञान पर आधारित और दैनिक जीवन से सम्बंधित कुछ विशेष गतिविधियों का अभ्यास किया। तत्पश्चात् बच्चों को अपशिष्ट प्रबंधन और वस्तुओं के पुन:चक्रण से तैयार तरह-तरह की सामग्रियाँ जैसे :- पेपर बैग जैसी अनेक सामग्रियाँ बनाकर उन पर चर्चा की। यह कार्यशाला बच्चों के लिए एक ज्ञानवर्द्धक कार्यशाला रही।

ग्रीष्मोत्सव

राष्ट्रीय बाल भवन का एक वार्षिक कार्यक्रम है, "ग्रीष्मोत्सव"। राष्ट्रीय बाल भवन के परिसर में इस बार "ग्रीष्मोत्सव" दिनाँक 22 मई से 22 जून, 2018 तक आयोजित किया गया। इस ग्रीष्मोत्सव के दौरान लगभग 4887 बच्चों ने पंजीकरण कराया। इन बच्चों के लिए प्रत्येक शनिवार को खुले रंगमंच में विशेष बाल सभा का आयोजन किया गया जिसमें प्रति शनिवार को लगभग 3000 बच्चों ने भाग लिया। छुट्टियों के दौरान बच्चे नई सृजनात्मक और पर्यावरण अनुकूल अनेक नई बातें सीखते हैं। 22 मई, 2018 को मुख्य अतिथि - श्री उपेन्द्र कुशवाहा-राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, श्री शशांक शेखर-संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, श्रीमती रीना रे-विशेष सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और सचिव-श्री अनिल स्वरूप, मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं निदेशक राष्ट्रीय बाल भवन ने कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया। दीप प्रज्जवलन के दौरान स्वस्ति वाचन भी किया गया।

तत्पश्चात् मुख्य अतिथियों का स्वागत बच्चों द्वारा बनाई गई कुछ कलाकृतियाँ देकर किया गया। इस अवसर पर जवाहर बाल भवन माण्डी के 50 बच्चों ने भी कार्यक्रम प्रस्तुति दी। बच्चों में अन्य विशेष रूचि जगाने के लिए विशेषज्ञ-सुश्री रज़िया मलिक-कांथा, क्रोशिया, विशेषज्ञ-श्री राजकुमार-पोटरी, विशेषज्ञ-श्री किशन-बाँस का काम, विशेषज्ञ-श्रीमती रामवती-पेपरमैशी आदि उपलब्ध कराए गए।

ग्रीष्मोत्सव के दौरान करीब 3000 बच्चों ने प्रति दिन राष्ट्रीय बाल भवन में चल रहीं 40 गतिविधियाँ जैसे - विज्ञान गतिविधियाँ - शिल्प एवं कला, चित्रकला, हस्तकला, बुनाई, सिलाई-कढ़ाई, काष्ठ कला, मिट्टी का काम, जिल्दसाज़ी, टाई और डाई, भौतिक एवं प्राकृतिक विज्ञान (क्यों और कैसे क्लब), आविष्कारक क्लब, रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स क्लब, ऍअरो मॉडलिंग, कम्प्यूटर, पर्यावरण, खगोल विज्ञान, मछलीघर, जीव एवं विज्ञान पार्क से संबंधित गतिविधियाँ इत्यादि में भाग लिया।

सहयोग देने वाली संस्थाओं में रेडियो मिर्ची, बोन कम्पनी, मौलाना आजाद डेंटल कालेज, लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल आदि प्रमुख हैं। ग्रीष्मोत्सव के समय अनेक गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्रीय बाल भवन सभी बच्चों की सहभागिता के लिए प्रशिक्षण के एक हब के रूप में परिवर्तित हो जाता है और बच्चों के लिए विशेष जलपान, परिवहन आदि व्यवस्था की जाती है।

इस दौरान 5 से 10 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए "फन फार लिटिल वन्स" - नामक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। पर्यावरण के प्रति जागरूकता से सम्बंधित विशेष गतिविधियाँ जैसे :- "पेड़, पशु, पक्षी चित्रकारी द्वारा अपने नाम की खोज", "फेबल्स एवं रंग: कहानी के माध्यम से चित्रण", "नेत्र मुखौटा तैयार करना और बाघ, भेड़िया, बिल्ली आदि अपने पसंदीदा जानवरों, पक्षियों के मुखौटे तैयार किए", "कार्टून निर्माण और एरोबिक्स : कहानी के माध्यम से चित्रण", "पेपर क्राफ्ट, फैन फोल्ड : विभिन्न पक्षियों, मछलियों एवं जानवरों को कागज़ द्वारा बनाना सीखा", "योग गायन एवं अंगूठे द्वारा चित्रकारी", "मोजेक कला", "चित्रकारी के माध्यम से : आप क्या बनना चाहते हो।", "चित्रण", "एनिमेटिड चलचित्र", "नाटक और गायन द्वारा : पर्यावरण सुरक्षा के कर्तव्य दर्शाना", "पॉट चित्रकारी", "कागज शिल्प", "कठपुतली का निर्माण", "जलीय पशु रंगना", "चित्रकारी द्वारा अपने नाम का अन्वेषण", " कहानी सुनने, सुनाने की कार्यशाला ", चित्रकला - "ड्रिप तकनीक से टेबल मैट और ग्रीटिंग कार्ड बनाना", "एनीमेडिट मूवी : होटल ट्रांस्लिवानिया", "गत्तों के डिब्बों का पुन: प्रयोग", "चित्रकारी प्रतियोगिता" इत्यादि संचालित की गई जिसमें प्रतिदिन लगभग 450 बच्चों ने भाग लिया।

स्मारिका विक्रय केन्द्र एक शॉप है जिसमें बच्चे शिक्षकों के विशेष मार्गदर्शन में तैयार की गई अपनी कला कृतियाँ बहुत कम मूल्य पर क्रय कर सकते हैं। ग्रीष्मकालीन सत्र में बच्चों ने अपने दोस्तों व भाई, बहनों आदि को उपहार स्वरूप देने के लिए अपनी बनाई अनेक कलाकृतियाँ क्रय कीं। बच्चों के लिए - ऐतिहासिक यादें - भाप इंजन का उद्घाटन, ए टू जेड प्रकाशक द्वारा किताबों की छोटी दुकान, भारतीय वायु सेना द्वारा कार्यशाला, ग्रीष्मोत्सव का विशेष आकर्षण रहीं।

इस दौरान नि:शुल्क कैट एम्बूलेंस, लोकनायक जय प्रकाश अस्पताल द्वारा प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र और मौलाना आजाद दंत विज्ञान केन्द्र द्वारा बच्चों को नि:शुल्क दाँतों की चैकिंग की एवं दाँतों की साफ-सफाई के महत्त्व के बारे में भी समझाया।

ग्रीष्मकालीन सत्र के दौरान बाल भवन केन्द्र-देव समाज, ओखला से 50 बच्चे, आदर्श नगर से 50 बच्चे, डिप्टी गंज से 50 बच्चे और वज़ीरपुर से 50 बच्चों ने अनेक गतिविधियों में भाग लिया और छोटी रेलगाड़ी की सवारी भी की।

25 और 26 मई, 2018 को मौलाना आज़ाद मैडिकल कॉलेज के सौजन्य से विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर बच्चों के लिए पेंटिंग, कोलाज, स्लोगन लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई इन प्रतियोगिताओं में सदस्य बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन के कुछ सदस्य बच्चों ने पपेट शो कम नुक्कड़ नाटक - "तम्बाकू और इसके सामाजिक समाघात" प्रस्तुत किया।

5 जून, 2018 को विश्व पर्यावरण दिवस उत्सव मनाया गया जिसका मुख्य विषय-"प्लास्टिक प्रदूषण को जड़ से हटाओ" पर कुछ बच्चों ने एक नाटक प्रस्तुत किया। बच्चों को प्रदूषण समाप्त करने की एक फिल्म दिखाई और शपथ दिलाई गई।

7 जून, 2018 को भारतीय वायु सेना के 07 कर्मचारियों ने 11 से 16 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को कार्यशाला कराई और बच्चों में भारतीय वायु सेना में भर्ती होने के लिए व्याख्यान दिया और अंत में सभी बच्चों को कुछ पोस्टर, नोट पैड इत्यादि वितरित किए।

12 जून, 2018 को बच्चों के लिए कहानी सुनाने की कार्यशाला आयोजित की गई जिसके लिए कहानी विशेषज्ञ-श्रीमती ऊषा छाबड़ा द्वारा दस अलग-अलग कहानियों का प्रदर्शन कर बच्चों से भी प्रदर्शन कराया।

14 जून, 2018 को पर्यावरण के कुछ सदस्य बच्चों को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय जिसे "हरी बिल्डिंग" के नाम से भी जाना जाता है का दौरा कराया गया। बच्चों को बताया गया कि यह एक स्थाई प्रकार की बनाई गई शून्य ऊर्जा इमारत है जहां पुनर्जागरण लिफ्ट, रोबोटिक पार्किंग और कई अन्य सुविधाएँ उपलब्ध हैं। बच्चों को यह भी अवगत कराया गया कि किस प्रकार से औद्योगिक कला द्वारा अपने पर्यावरण को और भी बेहतर तरीके से हरा-भरा रखा जा सकता है।

15 जून, 2018 को स्टीम लोकोमोटिव इंजन के उद्घाटन कार्यक्रम के उपलक्ष्य में पधारे मुख्य अतिथि का पारंपरिक स्वागत किया गया। इस अवसर पर कुछ सदस्य बच्चों ने अतिथि के आगमन में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। अंत में हरी झंडी दिखाकर ध्वजांकन भारत के स्टीम मैन - श्री अश्विनी लोहानी-अध्यक्ष रेलवे बोर्ड और उत्तरी रेलवे के महा प्रबन्धक-श्री विश्वेश चौबे द्वारा किया गया।

19 जून, 2018 को बोन्न कम्पनी द्वारा "स्वच्छता" पर आधारित बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई, प्रतियोगिता के पश्चात् बच्चों को बोन्न बिस्कुट भी वितरित किए गए।

21 जून, 2018 को योग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथियों का बच्चों द्वारा पारंपरिक स्वागत किया गया एवं अतिथियों को स्मृतिचिन्ह भेंट किए गए। इस दौरान योग से जुड़ी लकड़ी की कलाकृतियाँ प्रदर्शित की गई और राष्ट्रीय बाल भवन के प्रदर्शन कला के सदस्य बच्चों ने योग मुद्राओं पर आधारित कार्यक्रम का प्रदर्शन आयोजित किया। इस अवसर पर रा.बा.भ. के भूतपूर्व छात्र श्री नितिन कुमार द्वारा कुछ योग मुद्राएँ, बच्चों एवं कर्मचारियों को सिखाई गई और उनके लाभ भी बताए गए।

22 जून, 2018 ग्रीष्मकालीन सत्र समापन समारोह में पधारे श्री अनिल स्वरूप-सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, श्री वी. शशांक शेखर-संयुक्त सचिव, श्री अजय टिरकी-संयुक्त सचिव, समूह कप्तान-मनीष सभरवाल(डीजी)-वायु मुख्यालय, विंग कमाण्डर सुश्री संगीता कठैई-जेडी, इन सभी का बच्चों द्वारा पारंपरिक स्वागत किया गया। ग्रीष्मकालीन सत्र में बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों की एक प्रदर्शनी राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र (एनटीआरसी हॉल) क्षेत्र में लगाई गई। मुख्य अतिथियों ने प्रदर्शनी का दौरा किया। इस

अवसर पर वाद्य संगीत के लगभग 70 बच्चों ने ओर्चेस्ट्रा कार्यक्रम प्रस्तुत किया और कुछ बच्चों ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए।

ग्रीष्मकालीन सत्र की विशेष उपलब्धि यह रही की इसमें रा.बा.भ. के सदस्य बच्चों के लिए अनेक गतिविधियों के साथ-साथ 80 कार्यशालाएँ भी आयोजित की गई। कार्यशालाओं में आर्य अनाथालय के बच्चों, सरकारी स्कूल के बच्चों ने भी प्रतिदिन भाग लिया। प्रतिदिन लगभग 3000 बच्चों को जलपान वितरण किया गया।

"चलिए अपने स्मारकों को संरक्षित करते हैं" विषय पर कार्यशाला

2 और 3 मई, 2018 को विश्व धरोहर दिवस की याद में राष्ट्रीय विरासत संग्रहालय द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला "चलिए अपने स्मारकों को संरक्षित करते हैं" पर आयोजित की गई। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बच्चों को अपने देश की अनमोल विरासतों के प्रति जागरूक करना था ताकि बच्चे अपने भारत और शहरों के विशेष एवं बहुमूल्य स्मारकों को सुरक्षित रख सकें और गौरवशाली अतीत/इतिहास को समझें। इस कार्यशाला का उद्घाटन-श्रीमती इन्द्राणी चौधूरी-उपनिदेशक(कार्यक्रम) द्वारा किया गया। कार्यक्रम में 10-16 आयु वर्ग के कुल 29 बच्चों (2 रा. बा.भ. और 27 जवाहर बाल भवन माण्डी) ने भाग लिया। 2 मई, 2018 को बच्चों को पावर प्वाईंट (पीटीटी) दिखाया गया, इसके माध्यम से विशेषकर बच्चों को उनकी विरासत के बारे में समझाकर जानकारी दी, कि विरासत दो प्रकार के होते हैं :- मूर्त और अमूर्त विरासत। इनके अन्तर्गत - विश्व विरासत, यूनेस्को, आईसीओएमओएस, एएसआई एवं दिल्ली के भूतपूर्व सात शहरों के ऐतिहासिक आधार आते हैं। तत्पश्चात् बच्चों को हुमायूँ के मकबरे ले जाया गया जोकि वर्तमान में विश्व विरासत स्थल है। बच्चों ने यह भी जाना की भारत के इस स्मारक के निर्माण में पहली बार, लाल रेत वाले पत्थरों और सफेद संगमरमरों का प्रयोग काफी मात्रा में किया गया है साथ ही इस स्मारक के वास्तु कला में प्रयोग किए गए आकार के बारे में भी ज्ञान प्राप्त किया। उसके बाद सभी बच्चों को पुराने किले ले जाया गया जोकि दिल्ली के भूतपूर्व छठवें शहर में स्थित है। वहाँ बच्चों को प्रकाश और ध्वनि कार्यक्रम दिखाया।

3 मई, 2018 को बच्चों को लाल किला ले जाया गया जोकि दिल्ली के भूतपूर्व सातवें शहर "शाहजहानाबाद" में स्थित है और यह विश्व विरासत स्थल की सूची में भी शामिल है। बच्चों ने विचित्र-डोर-कार्य के बारे में जानकारी प्राप्त की जो भारत-ईस्लाम वास्तुकला की एक विशेष विशेषता है और इस कला का प्रयोग लाल किले में भी किया गया है। बच्चों ने लाहौरी दरवाजा, मीना बाजार, नौबत खाना, दिवाने-ए-आम, नहरे-ए-बशिष्ट, दिवाने-ए-खास, रंग महल, सावन मंडप, भादो मंडप, मुम्ताज़ महल, बाउली तथा हमाम को भी देखा और उनकी अनेक जानकारी प्राप्त की। औरंगजेब द्वारा बनवाई गई मोती-मस्जिद दिखाई। यह मस्जिद सफेद संगमरमर से बनी

हुई है और साथ ही बच्चों को लाल किले के परिसर में स्थित युद्ध स्मारक संग्रहालय भी घुमाया गया। रा.बा.भ. लौटने के पश्चात् बच्चों को टीम-ए और टीम-बी दो भागों में बाँट कर एक प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया। सही जवाब देकर टीम-बी के बच्चे विजयी हुए। श्रीमती आशा भट्टाचार्जी-सहायक निदेशक (विज्ञान एवं प्रभारी कार्यक्रम) ने विजयी टीम के सभी बच्चों को उपहार रूप में एक-एक चॉकलेट प्रदान की। अंत में बच्चों को अवगत कराया गया कि राष्ट्र की विरासतों को सुरक्षित रखना प्रत्येक भारतीय की जिम्मेदारी है, क्योंकि ये अनमोल धरोहर हमारे भारत की पहचान और हमारी शान है।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस

31 मई, 2018 को राष्ट्रीय बाल भवन में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मौलाना आजाद मेडिकल कालेज के सहयोग से एक दिवसीय दंत निरिक्षण शिविर का आयोजन किया जिसमें सदस्य बच्चों एवं राष्ट्रीय बाल भवन के स्टाफ सदस्यों ने डाक्टरों से अपने दांतों की जांच कराई और चिकित्सकों ने दांतों की सावधानी से देख-रेख करने के तरीकों को बताया। उन्होंने बच्चों के दांतों को ब्रश करने की समुचित पद्धतियों की विधि व सही खान-पान का उल्लेख किया ताकि जीवन पर्यन्त काम आने वाले दांतों को रोग एवं क्षति से बचाया जा सके। उन्होंने मसूडों, दांतों की कुछ वर्जिशों के बारे में भी बताया जिससे इन्हें मजबूती मिल सके। डाक्टरों द्वारा व्याख्यान एवं राष्ट्रीय बाल भवन के कुछ सदस्य बच्चों ने नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी। नाटक का शीर्षक था - "तम्बाकू और इसके सामाजिक दुष्प्रभाव"। इस कार्यक्रम में लगभग 800 बच्चों ने भाग लिया।

टीच फॉर ग्रीन कार्यशाला

6 और 7 जून, 2018 को राष्ट्रीय बाल भवन में "टीच फॉर ग्रीन" संगठन द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला उपयोग किए गए प्लास्टिक की बोतल एवं उपयोग किए गए बॉक्स जैसे अपशिष्ट पदार्थों के प्रयोग से सोलर लैंप एवं सोलर टार्च को बनाये जाने पर आधारित थी। इस कार्यशाला में पहले दिन 144 बच्चों ने भाग लिया और दूसरे दिन 45 बच्चों ने भाग लिया। इन बच्चों को दो भागों में बाँटा गया। दोनों समूह ने 15 मॉडल का निर्माण किया। इस अवसर पर दोनों दिन दो विशेषज्ञ उपस्थित थे जिन्होंने बच्चों को सिद्धांत के बारे में समझाया और बच्चों के साथ प्रैक्टिकल-सत्र भी किया। ये 15 मॉडल रेडियो इलैक्ट्रॉनिक अनुभाग में प्रदर्शित किये गये। बच्चों ने सोलर ऊर्जा एवं उसकी संकल्पना से सम्बंधित जानकारी प्राप्त की। अंत में सभी सहभागियों को जलपान वितरण किया गया।

स्टीम लोकोमोटिव इंजन का उद्घाटन

पहली भाप से चलने वाली स्वचालित इंजन "फेयरी क्वीन" थी जिसे "ईआईआर-22" के नाम से भी जाना जाता है। राष्ट्रीय बाल भवन के पुरातन स्टीम लोकोमोटिव इंजन को पुर्नजीवित करवा कर भारतीय रेल के सौजन्य से हरी झंडी दिखाकर ध्वजाकंन भारत के स्टीम मैन-श्री अश्विनी लोहानी-अध्यक्ष रेलवे बोर्ड और उत्तरी रेलवे के महा प्रबन्धक-श्री विश्वेष चौबे ने राष्ट्रीय बाल भवन में दिनाँक 15 जून, 2018 को उद्घाटन किया। श्री अश्विनी लोहानी जी एक प्रसिद्ध स्टीम इंजन एंथूजियास्ट है उन्होंने "स्मोकिंग ब्यूटीज:स्टीम इंजन ऑफ द वर्ल्ड" नामक पुस्तक की

भी रचना की है। छोटे भाप के इंजन की सवारी का आनंद लेने वाले वयस्कों में बीते हुए कल के अनुभव पुनः ताजा हुए। स्कूली बच्चों एवं सदस्य बच्चों ने भी इस इंजन की सवारी का आनंद उठाया।

तिमाही हिन्दी कार्यशाला

दिनाँक 29 जून, 2018 को प्रातः 10:00 बजे राष्ट्रीय बाल भवन के स्टाफ के लिए "फाइलों का रख-रखाव, नोटिंग-ड्राफ्टिंग एवं पत्राचार" पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के विषय पर श्री बी.बी. शर्मा-परामर्शदाता प्रशासन ने व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा की फाईलों में पेज़ नं. अवश्य लिखे होने चाहिए, प्रयास किया जाए की एक फाईल में 150-175 से अधिक पेज़ न हों ताकि कार्यालयी कार्य सुचारू रूप से कार्यान्वित हो, फाइलों का संचालन "मूवमेंट रजिस्टर" के माध्यम से किया जाना चाहिए ताकि फाइल पर होने वाली कार्यवाई के विषय में जानकारी आसानी से प्राप्त हो सके। नोटिंग-ड्राफ्टिंग में नोटिंग की भाषा सरल एवं संक्षिप्त होनी चाहिए ताकि दूसरा व्यक्ति आपकी बात समझ सके तथा "पत्राचार" में कई बार आवश्यकता के अनुरूप अर्धशासकीय पत्र काफी प्रभावशाली रहते हैं। यदि किसी विषय विशेष से संबंधित भेजे गए पत्र पर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है और समय भी अधिक हो गया है तो उस स्थिति में अर्धशासकीय पत्र बहुत प्रभावशाली रहते हैं। कार्यशाला में उपस्थित सहभागियों ने विषय से संबंधित प्रश्न पूछकर उनका समाधान भी प्राप्त किया। आमंत्रित अतिथि ने सहभागियों को प्रयोगात्मक रूप में दिए गए एक विषय पर नोटिंग तैयार कराई ताकि इस कार्यशाला के विषय की जानकारी सभी के लिए उपयोगी सिद्ध हो। इस कार्यशाला में 2 अधिकारियों एवं 25 कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यशाला के अंत में सभी सहभागियों को जलपान वितरित किया गया।

तिमाही हिन्दी बैठक

दिनाँक 29 जून, 2018 को अपराह्न 3:30 बजे "राजभाषा कार्यान्वयन समिति" की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में चर्चा हुई की कार्यालय द्वारा भेजे जाने वाले पत्रों की प्रतिशतता में बढ़ोत्तरी हुई है और कार्यालय द्वारा भेजे जाने वाले पत्रों के अंतर्गत हिंदी पत्राचार में और सुधार कर वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार अनुपालन किए जाने के प्रयास भी किए जाएं। इसके अतिरिक्त तिमाही के दौरान फाइलों पर लिखी गई नोटिंग पर चर्चा की गई जिसमें बताया गया कि गत तिमाही की तुलना में इस तिमाही में हिंदी की नोटिंग्स में वृद्धि हुई है। साथ ही मार्च की भाग-11 की रिपोर्ट पर बातचीत की गई इस संबंध में हिंदी प्रशिक्षण हेतु भेजे जाने वाले कर्मचारियों के विषय में बताया गया कि एक कर्मचारी द्वारा जुलाई, 2018 में परीक्षा दी जानी है और आगे भी प्रशिक्षण हेतु अगले कर्मचारी को भेजा जाएगा। तत्पश्चात् आगामी कार्य योजना पर भी चर्चा की गई जैसे "हिंदी पखवाड़ा" कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जिसमें आयोजित प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों के अतिरिक्त एक दिन सदस्य स्कूली बच्चों, जवाहर बाल भवन माण्डी तथा बाल भवन केन्द्र के बच्चों को सम्मिलित किया जाएगा और प्रतियोगिताओं के अंतिम निर्णय तैयार करने के लिए बाहर से आमंत्रित विशेषज्ञ को नामित किया जाएगा तथा हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम के संबंध में राज्य बाल भवनों को भी पत्र भेजा जाएगा ताकि वे अपने-अपने बाल भवन, बाल केन्द्र में भी यह कार्यक्रम का आयोजन करें, कर्मचारियों तथा बच्चों को राजभाषा हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही चर्चा हुई की बच्चे पुस्तकालय में हिंदी कॉमिक्स बहुत रूचि से पढ़ते हैं इस बात को ध्यान में रखते हुए पुस्तकालय में बच्चों के लिए और हिंदी कॉमिक्स मंगवाए जाने चाहिएं। उपनिदेशक-प्रशासन ने सुझाव दिया की प्रत्येक तिमाही में आयोजित कार्यशाला में भाग लेने वाले सहभागियों के लिए स्थलगत लेख/काव्य, रचना/निबंध लेखन कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएं और सबसे उत्तम रचनाकार को अगली कार्यशाला में पुरस्कृत किया जाए जिससे कार्यशाला में भाग लेने वाले सहभागियों की संख्या में और बढ़ोत्तरी हो सके। अंत में सभी सहभागियों को जलपान वितरण कराया गया। इस कार्यशाला में 2 अधिकारियों एवं 7 कर्मचारियों ने भाग लिया।

पूर्व छात्रों का - द्वितीय वार्षिक सम्मेलन

7 जुलाई, 2018, को राष्ट्रीय बाल भवन के पूर्व छात्रों के द्वितीय वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 200 पूर्व छात्रों ने भाग लिया जिसमें भूतपूर्व छात्रों एवं रा.बा.भ. के भूतपूर्व कर्मचारियों, अधिकारियों के साथ-साथ प्रशिक्षक इत्यादि भी सम्मिलित हुए। इस सम्मेलन में सहभागियों ने अपने जीवन में राष्ट्रीय बाल भवन के योगदान पर चर्चा की एवं राष्ट्रीय बाल भवन आज के समाज में क्यों आवश्यक है पर भी चर्चा की गई। राष्ट्रीय बाल भवन की भूतपूर्व निदेशक श्रीमती मधु पंत ने सहभागियों को सम्बोधित किया। श्री यतीन्द्र नाथ गौड़ - भूतपूर्व पुस्तकालयाध्यक्ष ने बाल भवन पर कविता सुनाकर सभी सहभागियों में बाल भवन के प्रति जोश जगा दिया साथ ही भूतपूर्व छात्रों ने अपनी-अपनी उपलब्धियों के बारे में बताया। सहायक निदेशक-विज्ञान एवं प्रभारी कार्यक्रम और उपनिदेशक-कार्यक्रम ने सभा को सम्बोधित किया। भूतपूर्व छात्रों ने स्मारिका कलाकृतियाँ राष्ट्रीय बाल भवन को भेंट की और उपनिदेशक-प्रशासन ने सभी सहभागियों का तहे दिल से धन्यवाद किया। अंत में सभी सहभागियों को जलपान वितरण किया गया।

एअरो-मॉडलिंग कार्यशाला

दिनाँक 12 जुलाई, 2018 से 24 जुलाई, 2018 तक राष्ट्रीय बाल भवन में एअरो मॉडलिंग विषय पर 13 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। एअरो मॉडलिंग भी बच्चों के लिए एक महत्त्वपूर्ण गतिविधि है। कुल 240 बच्चों ने इस कार्यशाला में सहभागिता की। इस कार्यशाला में एअरो मॉडलिंग का परिचय, उड़ान के सिद्धांत तथा एअरो मॉडलिंग व एअरक्राफ्टों के इतिहास का परिचय देने के साथ कक्षा प्रारम्भ की गई। इस कार्यशाला में हंटर मॉडल ग्लाईडर और येल्लो बर्ड ग्लाईडर मॉडल का प्रशिक्षण दिया गया। तत्पश्चात् बच्चों ने हंटर मॉडल ग्लाईडर का एक मॉडल तैयार किया। राष्ट्रीय बाल भवन के परिसर में हंटर मॉडल ग्लाईडर को उड़ाकर दिखाया गया।

फोटोग्राफी कार्यशाला

17 जुलाई, 2018 से 29 सितम्बर, 2018 तक प्रत्येक मंगलवार, वीरवार, शनिवार को 16+ आयु वर्ग के व्यक्तियों के लिए शुल्क आधार पर फोटोग्राफी कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला का विषय-"फोटाग्राफी का इतिहास, कैमरे के प्रकार" था। इस दौरान सहभागियों को खजुराहो मंदिर भी ले जाया गया जहाँ उन्होंने मोनूमेंट फोटोग्राफी, विलेज लाईफ तथा प्राकृतिक दृश्यों की फोटोग्राफी की। कार्यशाला के अंतिम दिन, 29 सितम्बर, 2018 को सहभागियों द्वारा खींचे गए फोटोग्राफों का चयन कर उनकी एक फोटोस्टोरी को तैयार किया गया जिनमें से चयनित फोटोस्टोरी एवं फोटोग्राफ्स को उपनिदेशक-प्रशासन, सहायक निदेशक-विज्ञान एवं प्रभारी कार्यक्रम द्वारा पुरस्कृत किया गया। सभी सहभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। कुल 41 सहभागियों ने इस कार्यशाला में सहभागिता की।

"स्वच्छता" पर प्रतियोगिता

राष्ट्रीय बाल भवन में 18 जुलाई, 2018 को समाजिक रक्षा, सामाजिक न्याय तथा सशक्तिकरण मंत्रालय द्वारा "नशा निवारण जागरूकता" विषय पर स्कूलों के विद्यार्थियों और राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों के सहयोग से एक

पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न स्कूलों एवं रा.बा.भ. के लगभग 200 बच्चों ने भाग लिया। सभी पेंटिग्स में से कुछ पेंटिग का चयन राष्ट्रीय बाल भवन के कलाकार श्री नागेन्द्र सिंह बिष्ट तथा मोहम्मद अनिरूल इस्लाम ने विशेषज्ञों के रूप में पुरस्कार हेतु चुना। राष्ट्रीय बाल भवन की विज्ञान अनुभाग की कर्मचारी कु. सीमा ने सभी बच्चों को स्वच्छता के महत्व पर मार्गदर्शन किया। नेशनल इंस्टीयूट ऑफ सोशल डिफेंस (एनआईएसडी" द्वारा विजेता बच्चों को नकद पुरस्कार भी दिये गए।

72वें स्वतंत्रता दिवस एवं भारत छोड़ो आंदोलन की 76वीं वर्षगाँठ कार्यक्रम

दिनाँक 15 अगस्त, 2018 को "72वें स्वतंत्रता दिवस एवं भारत छोड़ो आंदोलन की 76वीं वर्षगाँठ" कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें (स्टाफ, सदस्य बच्चों एवं अतिथि) लगभग 1000 बच्चों एवं सहभागियों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि - चौधरी बिरेन्दर सिंह - इस्पात मंत्री, श्री नवीन जिन्दल - भारतीय ध्वज संस्थान, श्रीमती शालू जिन्दल - अध्यक्ष - राष्ट्रीय बाल भवन थे इनके अतिरिक्त अध्यक्ष महोदया जी के अपने 50 अतिथि परिवार आमंत्रित थे। इस दौरान प्रदर्शन कला अनुभाग के कुछ सदस्य बच्चों ने मुख्य अतिथियों का सांस्कृतिक स्वागत किया। सभी अतिथियों ने स्वागत कक्ष के समीप लगी बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों की एक प्रदर्शनी का दौरा भी किया। उसके उपरांत चौधरी बिरेन्दर सिंह जी ने राष्ट्रीय बाल भवन के खुले मैदान में 105 फीट ऊँचे राष्ट्रीय ध्वज का राष्ट्रीय गान के साथ ध्वजारोपण किया। तत्पश्चात् खुले रंग मंच में कुछ सदस्य बच्चों ने मुख्य अतिथियों के लिए स्वागत गीत एवं अन्य देशभक्ति गीत सुनाकर उन्हें मोह लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि केन्द्रीय इस्पात मंत्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने अपने भाषण में राष्ट्रीयता की भावना बढ़ाने पर बल दिया और राष्ट्रीय बाल भवन की अध्यक्ष श्रीमती शालू जिंदल ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे की बाल भवन में स्थापना से बच्चों में देशभक्ति की भावना जागेगी। कुरूक्षेत्र के पूर्व सांसद और भारतीय ध्वज संस्थान के प्रेसिडेंट श्री नवीन जिंदल ने अपने भाषण में चौधरी बिरेन्दर सिंह का पधारने का आभार प्रकट किया और कहा की श्रीमती सरोजिनी नायडू जी के कुछ बोल मुझे याद आते हैं उन्होंने कहा था की - इस तिरंगे झण्डे के नीचे न कोई गरीब है, न कोई अमीर है, न कोई छोटा है, न कोई बड़ा है और न कोई मालिक है, न कोई नौकर है बल्कि हम सब एक हैं, भारतीय हैं। श्री नवीन जिंदल जी ने यह भी कहा कि करीब 10 साल तक कानूनी जंग जीतने के बाद उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को जन-जन तक पहुँचाया है। अब देश का कोई भी नागरिक साल के 365 दिन पूरे सम्मान के साथ तिरंगा अपने घर या प्रतिष्ठान में फहरा सकता है। इस तिरंगे झण्डे को देखकर हम सबको यह प्रेरणा मिलती है कि आज़ादी पाने के लिए अनेकों भारतीयों ने अपने प्राणों की आहूति दी, इसलिए इस आज़ाद देश में हम सब मिलकर रहें। यह तिरंगा हमें अपने कर्त्तव्यों की याद दिलाता है की अपने देश के प्रति हम सब कर्त्तव्यपूर्ण और ईमानदार रहें, हम सब एक हैं, हम सब भारतीय हैं। अंत में मुख्य अतिथियों के साथ राष्ट्रीय बाल भवन के स्टाफ, सदस्य बच्चों एवं अतिथि परिवारों ने मिलकर हाई-टी का आनन्द लिया।

विश्व छायांकन दिवस

18 अगस्त, 2018 को विश्व छायांकन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका संचालन श्री चन्द्रमणि, प्रबंधक (प्रदर्शन कला) ने किया। इस कार्यक्रम में नए एवं पुराने छात्र, लगभग 100 सहभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत विशेषज्ञ के रूप में श्री सुरेन्दर ओसान - सीसीआरटी के वरिष्ठ फोटोग्राफर, श्री अनिल शर्मा-प्रसिद्ध फिल्मकार, श्री अहमद सुलेमान एवं वरिष्ठ कलाकार तथा फिल्मकार, श्री

पालीजी थे। इस कार्यक्रम का विषय था – "छायांकन का आज के समाज में योगदान" विषय पर चर्चा की गई। विश्व छायांकन दिवस के उपलक्ष्य में एक फोटो प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसमें पुराने एवं नए छात्रों ने अपने छायांकन चित्र लगाए। चयनित फोटोग्राफ्स को पुरस्कार प्रदान किए गए। अंत में सभी सहभागियों को अल्पाहार दिया गया जिसकी भूतपूर्व छात्रों द्वारा व्यवस्था की गई।

हिन्दी पखवाड़ा

दिनाँक 1 सितम्बर, 2018 से 15 सितम्बर, 2018 तक "हिन्दी पखवाड़ा" मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने एवं समस्त कर्मचारी द्वारा कार्यालयी कार्य अधिकतम हिन्दी में करने के लिए अभिप्रेरित करना था। "हिंदी पखवाड़े" के दौरान कर्मचारियों के लिए 8 प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं – लघु नाटिका लेखन, नोटिंग-ड्राफटिंग, स्कूली बच्चों के लिए प्रतियोगिताएं, दिए गए चित्र पर कल्पना के अनुसार एक कहानी की रचना, "स्वरचित" कहानी को उपयुक्त शीर्षक दें।, स्वरचित "काव्य रचना एवं प्रस्तुतीकरण", निबंध लेखन, हिंदी टंकण, शब्दों को शुद्ध रूप में लिखें, श्रुतलेख, इत्यादि में से दो प्रतियोगिताएं श्रुतलेख तथा शब्दों को शुद्ध रूप में लिखें, प्रतियोगिताएँ एमटीएस स्टाफ के लिए रखी गईं। ये प्रतियोगिताएं सदस्य स्कूली बच्चों, जवाहर बाल भवन, माण्डी तथा बाल भवन केन्द्रों के बच्चों के लिए भी आयोजित की गईं। इस आयोजन का एकमात्र उद्देश्य बच्चों को छोटी आयु से ही हिंदी के प्रति अनुराग उत्पन्न करने एवं उन्हें देश की राजभाषा तथा अपनी मातृभाषा के उपयोग के प्रति प्रेरित करना था। इसी संदर्भ में दिनाँक 5 सितम्बर, 2018 को बच्चों की दो आयु वर्गों (10 से 12 तथा 13 से 16 वर्ष) के लिए "स्वरचित काव्य रचना एवं प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता", "दी गई पंक्तियों के आधार पर अनुच्छेद लिखना", "पोस्टर बनाना और स्लोगन लेखन" तथा "वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखना" प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़े की प्रतियोगिताओं का अंतिम निर्णय श्री वेद प्रकाश गौड़-निदेशक, संस्कृति मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली द्वारा तैयार किया गया।

दिनाँक 20 नवम्बर, 2018 को हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का "पुरस्कार वितरण" कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय और दो सात्वंना पुरस्कार रखे गए। इस अवसर पर श्री मुकेश गुप्ता-उप निदेशक (प्रशासन), श्रीमती इन्द्राणी चौधूरी-उपनिदेशक(कार्य.सम. एवं अनु.)(सम्प्रति स्थानांतरित जवाहर बाल भवन, माण्डी) तथा सहायक निदेशक-विज्ञान/प्रभारी कार्यक्रम ने सम्मिलित रूप से विजेता प्रतियोगियों को पुरस्कार दिए। पुरस्कार के रूप में स्कूली बच्चों को प्रमाण-पत्र के साथ उपयोगी पुस्तकें, चित्रकला से संबंधित सामग्री तथा कर्मचारियों को प्रमाण-पत्र के साथ नकद राशि प्रदान की गई। अंत में श्री मुकेश गुप्ता-उप निदेशक (प्रशासन) ने अपने सम्बोधन में बच्चों तथा कर्मचारियों को पुरस्कार प्राप्त करने पर बधाई दी और समझाया कि राजभाषा हिंदी बहुत ही सरल और सहज भाषा है, इसको कार्यालयी और व्यवहारिक प्रयोग में लाने में किसी भी प्रकार का संकोच नहीं करना चाहिए, जरूरत है केवल अपनी सोच में बदलाव लाने की, तभी वास्तव में राजभाषा अपने चर्मोत्कर्ष पर पहुंचने में सफल होगी। 15 सितम्बर, 2018 को दोपहर 3:00 बजे हिन्दी पखवाड़ा समाप्ति समारोह के अवसर पर सभी कर्मचारियों ने भाग लिया।

एअरो-मॉडलिंग कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 11 सितम्बर, 2018 से 14 सितम्बर, 2018 तक एअरो मॉडलिंग प्रशिक्षण नियंत्रण लाईन मॉडल और फ्लाईंग – विषय पर 4 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। एअरो मॉडलिंग भी बच्चों के लिए एक महत्त्वपूर्ण गतिविधि है। बच्चों के बीच बढ़ती जिज्ञासाओं को पूरा करने के लिए इस कार्यशाला को तैयार किया गया। इस कार्यशाला में कुल 314 बच्चों ने सहभागिता की। इस कार्यशाला में एअरो मॉडलिंग का परिचय,

उड़ान के सिद्धांत तथा एअरो मॉडलिंग व एअरक्राफ्टों के इतिहास का परिचय देने के साथ कक्षा प्रारम्भ की गई। इस कार्यशाला में हंटर मॉडल ग्लाईडर और येल्लो बर्ड ग्लाईडर मॉडल का प्रशिक्षण दिया गया। तत्पश्चात् बच्चों ने हंटर मॉडल ग्लाईडर का एक मॉडल तैयार किया और उन्हे एक अन्य मॉडल येलो बर्ड ग्लाइडर बनाने का तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा

स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी के 150वें जन्म दिवस के अवसर पर 15 सितम्बर, 2018 से 2 अक्तूबर, 2018 तक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाल भवन में दिनाँक 15 सितम्बर, 2018 को सभी कर्मचारियों ने स्वच्छता अभियान में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान श्रीमती नेहा द्वारा एक गाना भी प्रस्तुत किया - "एक सपना संजोया बापू ने, हो स्वच्छ हिन्दुस्तान मेरा"। इस अवसर पर उपनिदेशक-प्रशासन ने स्वच्छता के बारे में संक्षिप्त रूप से बताया कि अगर हमारा पर्यावरण साफ-सुथरा और स्वच्छ होगा तो हम सब भी स्वस्थ होंगे। अपने प्रांगण को हरा-भरा करने के लिए इस अभियान में सम्मिलित सभी कर्मचारियों ने श्रमदान दिया, उन्होंने खुले मैदान में पौधा-रोपण किया और राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में पड़े हुए प्लास्टिक व बेकार के सामान को उठाकर एकत्रित करके कूड़ेदान में डाला गया।

तिमाही हिन्दी कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 15 सितम्बर, 2018 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का विषय था - ई-मेल भेजना, मोबाइल तथा कम्प्यूटर पर यूनीकोड में टाइपिंग प्रशिक्षण तथा कार्यालयी कार्यों में राजभाषा का प्रयोग। वरिष्ठ प्रशिक्षक संगणक ने ई-मेल एकाउंट बनाना, फाइल खोलना, भेजी जाने वाली सामग्री को संलग्न किया जाना, "यूनीकोड" में ई-मेल भेजने तथा कवरिंग पत्र पर लिखे जाने वाले मसौदे आदि के बारे में जानकारी दी। इनके अतिरिक्त यह भी बताया की आधुनिक युग में इलैक्ट्रोनिक मशीनरी का प्रयोग करने से जितना लाभ है, वहीं यदि इनके संबंध में थोड़ी सी भी असावधानी हो जाए तो हमें बहुत बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए सभी को कम्प्यूटर तथा मोबाइल आदि का प्रयोग करते समय बहुत सावधानी रखनी चाहिए। जवाहर बाल भवन माण्डी के डी.टी.पी. ऑपरेटर ने "कार्यालयी कार्यों में राजभाषा हिन्दी का प्रयोग" विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि कार्यालय में सरल और स्पष्ट भाषा का प्रयोग करना चाहिए। हिन्दी भाषा बहुत ही सरल तथा जन सामान्य तक अपने विचारों को प्रदर्शित करने वाली भाषा है इसलिए हिन्दी भाषा का प्रयोग ज़्यादा से ज्यादा करनी चाहिए। इस कार्यशाला में 1 अधिकारी एवं 17 कर्मचारियों ने सहभागिता की। अंत में सभी सहभागियों को जलपान वितरण कराया गया।

संगणक कार्यशाला

25 सितम्बर, 2018 से 28 सितम्बर, 2018 तक विशेष बच्चों (दिव्यांगजनं) के लिए संगणक कार्यशाला का आयोजन किया गया इस कार्यशाला में बच्चों को संगणक की अनेकों जानकारियाँ दी गईं।

25 सितम्बर, 2018 : बच्चों को सबसे पहले संगणक के विभिन्न भागों के बारे में बताया गया जैसेकि :- माउस, कीबोर्ड, सीपीयू आदि। संगणक का हमारे जीवन में क्या योगदान है और इनकी मदद से हम कैसे गेम खेल सकते हैं इस बारे में बताया गया। मल्टीमीडिया प्रस्तुति और एनीमेशन तथा दृश्यों के माध्यम से संगणक की मूलभूत जानकारी दी गई।

26 सितम्बर, 2018 : डिजिटल क्या है? आजकल डिजिटल की आवश्यकता क्यों हैं? सभी वीडियो और मल्टीमीडिया प्रस्तुति की सहायता से कैसे बात कर सकते हैं। पेंटब्रश और मल्टीमीडिया सॉफ्टवेयर किड पिक्स की व्यावहारिकता के बारे में भी जागरूक किया गया।

27 सितम्बर, 2018 : बच्चों को "इंटरनेट" के बारे में बताया जैसे :- ऑनलाईन कार्य कैसे किया जाता है, कैसे हम अपने दैनिक दिनचर्या के काम को इंटरनेट, वेबसाइट, यूआरएल आदि की मदद से और भी बेहतर तरीके से कर सकते हैं इत्यादि।

28 सितम्बर, 2018 : बच्चों को मोईबल से कम्प्यूटर पर फोटो ट्रांसफर करने की प्रक्रिया सिखाई गई एवं एडोब फोटोशॉप का उपयोग और छोटे स्तर पर फोटोशॉप में सम्पादन कार्य करने की जानकारी भी दी गई।

तिमाही हिन्दी बैठक

राष्ट्रीय बाल भवन में 28 सितम्बर, 2018 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस तिमाही बैठक में बताया गया की दिनाँक 01 से 15 सितम्बर, 2018 तक "हिंदी पखवाड़ा" कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इस बार देश के विभिन्न भागों में स्थित राज्य बाल भवनों में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसकी रिपोर्ट भी प्राप्त हुई हैं और राष्ट्रीय बाल भवन के पुस्तकालय में बच्चों की रूचि अनुसार हिन्दी की 6 तथा अंग्रेजी की 2 कॉमिक्स पुस्तकें मंगाई जा रही हैं। इसके पश्चात् गत तिमाही की प्रगति रिपोर्ट पढ़ कर सुनाई गई एवं बताया गया कि इसके अंतर्गत कार्यालय का प्रयास है कि अंग्रेजी में प्राप्त सभी पत्रों के उत्तर हिंदी में दिए जाएं इस संबंध में और भी सुधार वांछित हैं। तत्पश्चात् आगामी कार्य योजना/सुझाव के संबंध में बताया गया कि "हिन्दी पखवाड़ा" कार्यक्रम की उत्तर पुस्तिकाएं जाँच ली गई हैं तथा अंतिम परिणाम बाह्य विशेषज्ञ द्वारा प्रेषित कर दिया गया है, "पुरस्कार वितरण" कार्यक्रम का आयोजन शीघ्र ही किया जाएगा। उपनिदेशक-प्रशासन ने बताया कि राष्ट्रीय बाल भवन के सभी अनुभागों में प्रशिक्षण का माध्यम हिन्दी ही है। कार्यक्रम संयोजक ने सुझाव दिया कि शारीरिक शिक्षा अनुभाग जैसे अनुभाग में खेलों के माध्यम से राजभाषा हिन्दी का प्रचार-प्रसार किया जा सकता है। ऐसा करने से बच्चे खेल-खेल में राजभाषा हिन्दी का प्रयोग किए जाने के लिए प्रेरित होंगे। एक अन्य सुझाव था कि पुस्तकालय अनुभाग में आने वाले बच्चों को राजभाषा हिन्दी के ज्ञान से संबंधित गतिविधियां कराई जाएँ ताकि बच्चे प्रारंभ से ही राजभाषा हिन्दी के प्रति ज्ञान प्राप्त कर सजग हो सकें। उपनिदेशक-प्रशासन ने यह भी सुझाव दिया कि राष्ट्रीय बाल भवन के अंतर्गत दिल्ली में चल रहे बाल केन्द्रों में भी अंशकालिक प्रशिक्षकों द्वारा राजभाषा हिन्दी में कार्य करने वालों की रिपोर्ट बनाकर दी जाए ताकि तिमाही प्रगति रिपोर्ट में उसे भी सम्मिलित किया जा सके। बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत कर्मचारियों के अतिरिक्त अन्य सहभागियों को भी सहभागिता प्रमाण-पत्र दिए जाएं ताकि सहभागियों की संख्या में वृद्धि हो सके। इस बैठक में 1 अधिकारी और 8 कर्मचारियों ने भाग लिया। अंत में सभी सहभागियों को जलपान वितरण कराया गया।

सतर्कता एवं सत्यनिष्ठा शपथ

दिनाँक 30 अक्तूबर, 2018 को "सतर्कता एवं निष्ठा शपथ" कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आयोजन का विषय - "भ्रष्टाचार मिटाओ, नया भारत बनाओ" था। राष्ट्रीय बाल भवन के खुले रंगमंच में राष्ट्रीय बाल भवन

के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने "सतर्कता एवं सत्यनिष्ठा शपथ" ग्रहण कर सुनिश्चित किया कि वे सभी अपने-अपने कार्यों द्वारा स्वयं को एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करेंगे तथा रक्षोपाय, सत्यनिष्ठा तथा नीति-संहिता स्थापित करने के लिए अपने उत्तरदायित्व को पूरी ईमानदारी से पालन करेंगे और इस प्रकार सभी एकजुट होकर देश की आर्थिक, राजनीतिक तथा सामाजिक प्रगति में अपना सक्रिय योगदान देंगे। इस आयोजन में लगभग 55 कर्मचारियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय एकता दिवस

दिनाँक 31 अक्तूबर, 2018 को "राष्ट्रीय एकता दिवस" कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आयोजन के अवसर पर लगभग 200 बच्चों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। सहभागियों ने राष्ट्रीय बाल भवन के ओपर नियर थियेटर में एकता की शपथ ली जिसमें वे सभी अपने-अपने कार्यों द्वारा स्वयं को एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करेंगे तथा रक्षोपाय, सत्यनिष्ठा तथा नीति-संहिता स्थापित करने के लिए अपने उत्तरदायित्व को पूरी ईमानदारी से पालन करेंगे और इस प्रकार सभी एकजुट होकर देश की आर्थिक, राजनीतिक तथा सामाजिक प्रगति में अपना सक्रिय योगदान देंगे। तत्पश्चात् सभी सहभागियों ने राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण के चारों ओर तख्तियों एवं बैनर के साथ एक पैदल यात्रा भी निकाली। सभी गतिविधि अनुभागों के प्रशिक्षकों ने अपने-अपने अनुभागों में उपस्थित सदस्य बच्चों को एकता का मतलब समझाया और बताया की सरदार वल्लभ भाई पटेल का एकीकृत भारत में क्या योगदान था। यह कार्यक्रम जवाहर बाल भवन माण्डी, दिल्ली के 48 बाल केन्द्रों एवं राज्य स्तर के मुम्बई, अमरोहा, वडोदरा आदि में मनाया गया।

दीपावली समारोह

राष्ट्रीय बाल भवन के संस्कृति शिल्प ग्राम में 1 नवम्बर, 2018 को दीपावली समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्कृति शिल्प ग्राम को खूब सजाया गया। कार्यक्रम में 100 सदस्य बच्चों सहित राष्ट्रीय बाल भवन के सभी कर्मचारियों व कुछ भ्रमणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अध्यक्ष-श्रीमती शालू जिंदल थीं। कार्यक्रम का शुभारंभ उपनिदेशक कार्यक्रम, उपनिदेशक प्रशासन, प्रभारी कार्यक्रम द्वारा दिपों को प्रजवल्लित कर किया गया। तत्पश्चात् कुछ सदस्य बच्चों एवं कुछ कर्मचारियों ने लोकगीत एवं नृत्य प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष महोदया ने सभी बच्चों एवं स्टाफ को दीपावली की शुभकामनाएँ दीं और सभी को उपहार भी दिए।

राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर

राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में तीन दिवसीय राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर, 2018 का आयोजन 14 नवम्बर से 16 नवम्बर, 2018 तक आयोजित किया गया। इस सभा का विषय "सृजनात्मक भारत" था। इस विषय का उद्देश्य बच्चों को देश की विविध संस्कृति को समझना और उसकी सराहना करने में मदद करना था। इस कार्यक्रम में देशभर से 17 राज्यों के मान्यता प्राप्त 42 बाल भवनों तथा बाल भवन केन्द्रों के सदस्य बच्चों तथा एस्कोर्ट, राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों ने, जवाहर बाल भवन, माण्डी के सदस्य बच्चों ने और दिल्ली के कुछ स्कूलों के बच्चों ने, लगभग 3000 बच्चों ने 14 नवम्बर को एवं 400 बच्चों ने दिनाँक 15, 16 नवम्बर, 2018 को भाग लिया। इस वर्ष बच्चों के लिए बाह्य विशेषज्ञों और आंतरिक प्रशिक्षकों द्वारा सृजनात्मक कार्यशालाएं जैसे – कैलीग्राफी, पॉट्री और क्ले, मेहंदी, पेपर मैशी, बाँस कला, चर्खा, मधुबनी, सांझी कला और बॉक्स बनाना, कठपुतली, चित्रकला, पर्यावरण, रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स, छायांकन, एअरो मॉडलिंग, फन गेम्स, बुनाई, जिल्दसाज़ी, काष्ठ कला, सिलाई, टाई एवं डाई इत्यादि तीन दिन तक आयोजित की गईं।

14 नवम्बर, 2018 को राष्ट्रीय बाल सभा की मुख्य अतिथि – श्रीमती रीना रे, सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, श्री आर.सी. मीना–संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय आदि थे। उन्होंने राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों द्वारा निर्मित कलाकृतियों से संयोजित प्रदर्शनी और स्टॉल का दौरा किया और खुले रंगमंच में कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि – श्रीमती रीना रे, श्री आर.सी. मीना और राष्ट्रीय बाल भवन की अध्यक्ष–श्रीमती शालू जिन्दल, निदेशक–श्रीमती राशि शर्मा द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया एवं सभी राज्य बाल भवन के बच्चों ने खुले रंग मंच पर अपने पारम्परिक परिधान में पारम्परिक नृत्य प्रस्तुत किए। श्रीमती रीना रे ने अपने मुख्य उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय बाल भवन में विभिन्न प्रांतों के बच्चे एक जगह पर एकत्रित हुए हैं उनकी क्षेत्रीय भाषाएँ "एक भारत श्रेष्ठ भारत" को दर्शाती हैं। उन्होंने बच्चों को अपनी–अपनी क्षेत्रीय भाषा में कुछ वाक्य बोलने की गतिविधि भी कराई।

इस शिविर के दूसरे दिन 15 नवम्बर 2018 को प्रातः 10:00 बजे खुले रंग मंच में पूर्वी क्षेत्र और दक्षिणी क्षेत्र–11 के राज्य बाल भवनों के बच्चों ने नृत्य और संगीत का प्रस्तुतिकरण किया। तत्पश्चात् राष्ट्रीय बाल भवन के खुले मैदान में पारम्परिक खाद्य त्यौहार/भोजन महोत्सव आयोजित किया गया। इस दौरान विभिन्न राज्यों के खाद्य पदार्थों को चिन्हित कर जिसमें भारत के विभिन्न राज्यों तेलंगाना, केरल, बिहार, बंगाल, पंजाब, हरियाणा, गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र जैसे राज्यों के पारम्परिक खाद्य पदार्थों को परोसा गया। इस अवसर पर सभी बच्चों को विभिन्न राज्यों के अलग–अलग व्यंजनों का स्वाद चखने का मौका मिला। सायंकाल में शिविर में ठहरे सभी बच्चों को राष्ट्रीय बाल भवन के रेडियों एवं इलैक्ट्रॉनिक के प्रशिक्षक ने "हैम रेडिया" पर व्याख्यान एवं प्रदर्शन किया और कम्प्यूटर प्रशिक्षक द्वारा सृजनात्मक भारत पर यू ट्यूब क्लिपिंग्स दिखाई गई। रात्रि समय में राष्ट्रीय बाल भवन के खुले मैदान में बोनफायर का भी आयोजन किया गया।

16 नवम्बर, 2018 को समापन समारोह की मुख्य अतिथि – महिला पहलवान, एशियन, अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित कोमन वैल्थ गोल्ड मैडलिस्ट और वर्ल्ड चैम्पियन इण्डियन रेसलर – सुश्री बबीता कुमारी फोगाट के स्वागत में बच्चों ने दंगल-दंगल गाना गाया और बच्चों ने विभिन्न राज्यों की अपनी-अपनी वेशभूषाओं में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जिसकी सुश्री बबीता फोगाट ने तहेदिल से सराहना की। तत्पश्चात् कुछ बच्चों ने सुश्री बबीता फोगाट से उनके बचपन की आपबीती घटनाओं से सम्बंधित प्रश्न किए जिसमें खासकर उन्होंने लड़कियों के आत्मबल को बढ़ाने पर समाज में उचित सम्मान दिलाने एवं हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। तत्पश्चात् उन्होंने सभी बच्चों को अपने आशीर्वचन में मेहनत, लगन और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की ओर बल दिया। बच्चों के लिए अनेकों सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रमों जैसे गाने, नृत्य, नाटक आदि का प्रस्तुतिकरण किया गया तथा एक कठपुतली-शो भी आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सभी बच्चों ने अपने अनुभवों को सांझा किया। अंत में सभी सहभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

एअरो-मॉडलिंग कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 4 दिसम्बर, 2018 से 15 दिसम्बर, 2018 तक एअरो मॉडलिंग प्रशिक्षण नियंत्रण लाईन मॉडल और फ्लाईंग – विषय पर 12 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। एअरो मॉडलिंग भी बच्चों के लिए एक महत्त्वपूर्ण गतिविधि है। बच्चों के बीच बढ़ती जिज्ञासाओं को पूरा करने के लिए इस कार्यशाला को तैयार किया गया। इस कार्यशाला में कुल 40 बच्चों ने सहभागिता की। इस कार्यशाला में एअरो मॉडलिंग का परिचय, उड़ान के सिद्धांत तथा एअरो मॉडलिंग व एअरक्राफ्टों के इतिहास का परिचय देने के साथ कक्षा प्रारम्भ की गई। इस कार्यशाला में हंटर मॉडल ग्लाईडर और येल्लो बर्ड ग्लाईडर मॉडल का प्रशिक्षण दिया गया। तत्पश्चात् बच्चों ने हंटर मॉडल ग्लाईडर का एक मॉडल तैयार किया और उन्हे अन्य मॉडल येलो बर्ड ग्लाइडर बनाने का भी तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया।

कला उत्सव

प्रथम कला उत्सव 2015 में राष्ट्रीय बाल भवन में आयोजित किया गया था। तृतीय कला उत्सव कार्यक्रम दिनाँक 12 दिसम्बर, 2018 से 15 दिसम्बर, 2018 तक राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि – माननीय मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर श्रीमती रीना रे, सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, श्री आर.सी. मीना-संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय आदि थे। माननीय मंत्री जी ने राष्ट्रीय बाल भवन के नए खेल केन्द्र का

उद्घाटन, नामपट्टिका अनावरण एवं रिब्बन काटने से किया। उस दौरान श्रीमती रीना रे-सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, श्री आर.सी. मीना-संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, राष्ट्रीय बाल भवन की अध्यक्ष-श्रीमती शालू जिंदल, राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशक-श्रीमती राशि शर्मा आदि उपस्थित थे। माननीय मंत्री जी ने निशानेबाजी की गतिविधि में भाग लिया और कहा कि निशानेबाजी, कैरम, चैस, ओपन जिम, आंतरिक व्यायामशाला, बैडमिंटन, टेनिस, क्रिकेट, स्केटिंग, बास्केटबॉल, जूडो, फुटबॉल आदि गतिविधियाँ बच्चों का भविष्य उज्जवल बनायेंगी।

इस कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि - माननीय मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर, श्रीमती रीना रे, सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, श्री आर.सी. मीना-संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, श्री ऋषिकेश सेनापति, राष्ट्रीय बाल भवन की अध्यक्ष-श्रीमती शालू जिंदल, राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशक-श्रीमती राशि शर्मा थे। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वास्ति वाचन के साथ द्वीप प्रज्जवलित करके किया गया। तत्पश्चात् राष्ट्रीय बाल भवन के कुछ सदस्य बच्चों ने एवं विभिन्न राज्यों के बच्चों ने अपनी-अपनी वेशभूषाओं में खुले रंग मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। माननीय मंत्री जी ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की बहुत सराहना की और उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रांतों से बच्चों की प्यारी सी प्रस्तुतीकरण ने मन मोह लिया। इन बच्चों की विविधता और अपनी प्रस्तुतियों द्वारा आत्मा को तृप्त करना..... "एक भारत श्रेष्ठ भारत" को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा की कला उत्सव ही एक ऐसा मंच है जिसमें विभिन्न प्रांतों से आए बच्चे अपनी संस्कृति का आदान-प्रदान करते हैं और बधाई के पात्र वे विजेता भी हैं जो बच्चे दृश्य कला, नृत्य, कंठ संगीत और वाद्ययंत्र संगीत प्रतियोगिताओं द्वारा राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता में पहुँचे हैं। तत्पश्चात् श्री आर.सी. मीना ने भी सभी सहभागियों को आशीर्वचन दिए। इस कार्यक्रम में लगभग 400 बच्चों एवं एस्कोर्टस ने भाग लिया।

आमोद दिवस

नए साल के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय बाल भवन में 1 जनवरी, 2019 को "आमोद दिवस" कार्यक्रम का आयोजन बहुत धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों और कर्मचारियों ने फन गेम, म्यूज़िकल चेयर, रस्सा-कस्सी, निशानेबाजी, दौड़ इत्यादि खेलों में सहभागिता प्रदान की और खेलों का आनन्द उठाया। इस दिन राष्ट्रीय बाल भवन की अध्यक्ष महोदया-श्रीमती शालू जिंदल जी का विदाई समारोह भी था। क्योंकि उन्होंने अपनी अध्यक्ष के 5 वर्ष पूरे किए थे। विदाई समारोह के दौरान बोर्ड सदस्य - श्रीमती लता वैद्यनाथन, श्रीमती सायरा वर्गिस एवं श्री आर. गोबिंदा भी उपस्थित थे। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशक महोदया जी ने अध्यक्ष महोदया जी एवं बोर्ड सदस्यों को राष्ट्रीय बाल भवन की तरफ से कुछ भेंट देकर स्वागत किया और सभी के समक्ष कुछ सदस्य बच्चों एवं कर्मचारियों ने गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विदाई समारोह कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष महोदया जी ने सभी सहभागियों को आर्शीवचन दिए और उपनिदेशक(प्रशासन) ने उपस्थित बोर्ड सदस्यों का राष्ट्रीय बाल भवन में आने का आभार प्रकट किया तत्पश्चात् सभी सहभागियों ने छात्रावास में दोपहर का भोजन ग्रहण किया। इस कार्यक्रम में लगभग 300 सहभागियों ने भाग लिया। खेलों के विजेताओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए।

एअरो-मॉडलिंग कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 5 जनवरी, 2019 से 15 जनवरी, 2019 तक एअरो मॉडलिंग प्रशिक्षण नियंत्रण लाईन मॉडल और फ्लाईंग - विषय पर 11 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। एअरो मॉडलिंग भी बच्चों के लिए एक महत्त्वपूर्ण गतिविधि है। बच्चों के बीच बढ़ती जिज्ञासाओं को पूरा करने के लिए इस कार्यशाला को तैयार किया

गया। इस कार्यशाला में कुल 47 बच्चों ने सहभागिता की। इस कार्यशाला में एअरो मॉडलिंग का परिचय, उड़ान के सिद्धांत तथा एअरो मॉडलिंग व एअरक्राफ्टों के इतिहास का परिचय देने के साथ कक्षा प्रारम्भ की गई। इस कार्यशाला में हंटर मॉडल ग्लाईडर और येल्लो बर्ड ग्लाईडर मॉडल का प्रशिक्षण दिया गया। तत्पश्चात् बच्चों ने हंटर मॉडल ग्लाईडर का एक मॉडल तैयार किया और उन्हे अन्य मॉडल येलो बर्ड ग्लाइडर बनाने की तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया।

राष्ट्रपिता की 150वीं जन्म शताब्दी

गाँधी जी की 150वीं जन्म शताब्दी के अवसर पर वर्षपर्यंत कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। पंचतन्त्र की कहानियों पर संग्रहालय में एक प्रदर्शनी लगाई गई। बच्चों को गाँधी जी के गीत "वैष्णव जन को" इत्यादि सिखाए गए। साहित्य अकादमी के साथ 3 अक्तूबर से 4 अक्तूबर, 2018 तक "गाँधी रंग-पुतुल संग" कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बाल भवन के सदस्य बच्चों एवं अध्यापकों ने गीत गाए एवं पपैट शो प्रस्तुत किया। 19 जनवरी, 2019 को 50 सदस्य बच्चों एवं 6 अध्यापकों ने राजघाट का भ्रमण किया एवं गाँधी संग्रहालय का दौरा भी किया जिससे बच्चों को गाँधी जी के दर्शन एवं जीवन से बहुत कुछ सीखने के लिए मिला। इसी श्रृंखला में 15 सितम्बर से 2 अक्तूबर, 2018 तक स्वच्छता पखवाड़ा भी आयोजित किया गया। "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" पर भी कई गतिविधियाँ आयोजित की गई। पूरे भारतवर्ष के संबद्ध बाल भवनों एवं बाल केन्द्रों में भी इस विषयक कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें लगभग 25 सदस्य बच्चों एवं 5 कर्मचारियों ने भाग लिया। सभी सहभागियों को जलपान वितरण किया गया।

"एक भारत, श्रेष्ठ भारत" के अंतर्गत "परीक्षा पे चर्चा 2.0"

दिनाँक 28 जनवरी 2019 को राष्ट्रीय बाल भवन में "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" के अंतर्गत "परीक्षा पे चर्चा" कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम हेतु भारत के विभिन्न राज्यों के लगभग 350 बच्चे दिनाँक 26 से 31 जनवरी, 2019 तक राष्ट्रीय बाल भवन के छात्रावास में ठहरे तथा 28 जनवरी, 2019 को 1000 बच्चों ने चित्रकला, कोलाज़, क्षेत्रीय भाषाओं में लोकोक्तियाँ, कविता, गीत का अनुवाद, बुक मार्क, स्लोगन लेखन, मिले-जुले गतिविधि, सुई-धागा शिल्प, हस्तकला शिल्प, खेल, रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स, एअरो मॉडलिंग, मेहंदी, मधुबनी, बाँस कला, पेपरमैशी, पॉटरी, कंठ संगीत, कठपुतली शो, कहानी सुनाना, मधुबनी, वर्ली, सांझी कला, ग्रैफिटी, सैल्फी कॉनर, टरबनस और ड्रेसेस ऑफ इण्डिया कट आउट, बच्चों के मुस्कुराते चेहरों का कोलाज़ आदि सभी गतिविधियों में भाग लिया तथा 29 जनवरी, 2019 को तालकटोरा स्टेडियम में इन 1000 बच्चों ने प्रधानमंत्री जी द्वारा "परीक्षा पे चर्चा 2.0" कार्यक्रम में भाग लिया। राष्ट्रीय बाल भवन के कुछ सदस्य बच्चों ने भी तालकटोरा स्टेडियम में प्रधानमंत्री जी की उपस्थिति में कुछ सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जिसकी प्रधानमंत्री-श्री नरेन्द्र मोदी जी ने बहुत सराहना की।

वीडियो प्रोडक्शन कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 5 फरवरी, 2019 से 9 फरवरी, 2019 तक वीडियो प्रोड्क्शन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में 20 सहभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को वीडियो प्रोड्क्शन के विभिन्न आयामों के बारे में जानकारी दी गई जैसे – फिल्म, चलचित्र का इतिहास, कहानी चिंतन, एवं लेखन पटकथा लेखन, स्टोरी बोर्ड बनाना, फ्रेम कम्पोजिशन, वीडियो शूटिंग के दौरान, वीडियो शूटिंग के समय ध्यान में रखने वाले सिद्धांत, वीडियो एडिटिंग करना, वीडियो में ध्वनि का योगदान, विभिन्न वीडियो एवं ध्वनि उपकरणों को प्रयोग करने की विधि इत्यादि सिखाई गई। कार्यशाला में प्रतिभागियों को 4 भागों में बाँटा गया, प्रत्येक ग्रुप ने अपनी कहानी रची, उसकी पटकथा बनाई, स्टोरी बोर्ड तैयार किया, उसके अनुसार शूटिंग की, रॉ फूटेज की एडिटिंग की गई। राष्ट्रीय बाल भवन के पूर्व छात्र श्री मनीष रावत ने ध्वनि उपकरणों एवं वीडियो उपकरणों के विषय में जानकारी दी एवं उनकी प्रयोग विधि के बारे में बताया।

श्री सतन सोलन-फिल्म मेकर एवं कलाकार ने वीडियो एवं फिल्म सम्पादन की बारीकियों से सहभागियों को परिचित कराया। इन सहभागियों ने 16 फरवरी, 2019 को 4 लघु फिल्म का प्रदर्शन किया। अंत में सभी सहभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

एअरो-मॉडलिंग कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 5 फरवरी, 2019 से 15 फरवरी, 2019 तक एअरो मॉडलिंग प्रशिक्षण पेपर कट एअरो मॉडलिंग - विषय पर 11 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। एअरो मॉडलिंग भी बच्चों के लिए एक महत्त्वपूर्ण गतिविधि है। बच्चों के बीच बढ़ती जिज्ञासाओं को पूरा करने के लिए इस कार्यशाला को तैयार किया गया। इस कार्यशाला में कुल 48 बच्चों ने सहभागिता की। इस कार्यशाला में एअरो मॉडलिंग का परिचय, उड़ान के सिद्धांत तथा एअरो मॉडलिंग व एअरक्राफ्टों के इतिहास का परिचय देने के साथ कक्षा प्रारम्भ की गई। इस कार्यशाला में थर्माकोल की कटिंग से मॉडल, बेकार पेपर द्वारा एअरो मॉडल तैयार करने, पैराशूट बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। तत्पश्चात् बच्चों ने मॉडल उड़ाकर भी दिखाया।

माता सरस्वती जी की पूजा

राष्ट्रीय बाल भवन में 9 फरवरी, 2019 को बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में माता सरस्वती जी की पूजा की गई। इस दौरान प्रदर्शन अनुभाग के कुछ बच्चों ने सरस्वती वंदना की तथा उपनिदेशक-प्रशासन, श्री मुकेश गुप्ता जी ने माता को माला अर्पण कर फूल चढ़ाऐ। तत्पश्चात् माता को सभी सहभागियों ने फूल चढ़ाकर मंगल कामना की। इस कार्यक्रम में लगभग 50 बच्चों एवं 25 कर्मचारियों और दौरा करने आए बच्चों ने अपने अभिभावकों के साथ भाग लिया। अंत में सभी सहभागियों को मिठाई बाँटी गई।

कठपुतली बनाने की कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 20 फरवरी, 2019 से 22 फरवरी, 2019 तक संग्रहालय विभाग द्वारा "कठपुतली बनाने की कार्यशाला" का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों को विभिन्न प्रकार की कठपुतलियों की जानकारी दी गई और कठपुतलियाँ बनाने की तकनीक सिखाई गई। पंचतंत्र आदि की छोटी-छोटी कहानियों के माध्यम से उन्हें इस कला को जीवित रखने के बारे में भी बताया गया। कठपुतलियों के प्रकार, कठपुतलियों के लिए प्रसिद्ध क्षेत्रों के बारे

में जानकारी दी गई, उनकी स्थानीय भाषाओं और आकार तथा उनके विभिन्न प्रकार के आकारों के आधार पर कहे जाने वाले नामों के बारे में बताया गया। कठपुतलियों के पात्रों को कहानियों के माध्यम से जीवंत कर बच्चों को प्रेरित किया गया। इस कार्यशाला में लगभग 35 बच्चों ने भाग लिया। अंत में सभी बच्चों को जलपान वितरण किया गया।

27वाँ राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविद् सम्मेलन

राष्ट्रीय बाल भवन ने 25 फरवरी, 2019 से 27 फरवरी, 2019 तक बेंगलुरू में "27वें राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविद् सम्मेलन" का आयोजन किया। सम्मेलन स्थल संबद्ध बाल भवन, बेंगलुरू के कब्बन पार्क में स्थित था। इस सम्मेलन का विषय था - "उद्देश्यपूर्ण कला - सृजन द्वारा निरंतर विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु जागरुकता फैलाना।

एसडीजी का गरीबी को समाप्त करने, ग्रह की रक्षा करने हेतु कार्रवाई करने की वैश्विक पुकार के साथ यह सुनिश्चित करना है कि सभी लोग शांति एवं समृद्धि के साथ जीवन का आनंद ले सकें। एसडीजी संयुक्त राष्ट्र का ही हिस्सा है जिसे 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने स्थापित किया तथा इसका संकल्प -"विश्व को परिणत करना: निरंतर विकास के लिए 2030 की कार्यसूची" है। यह 17 वैश्विक उद्देश्यों एवं 169 गंतव्यों का संग्रह है। लक्ष्य व्यापक और अन्योन्याश्रित हैं फिर भी प्रत्येक को प्राप्त करने के लिए लक्ष्यों की एक अलग सूची है। एसडीजी में गरीबी, भुखमरी, स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्लोबल वार्मिंग, सामान्य गुणवत्ता, जल, स्वच्छता, ऊर्जा, शहरीकरण, पर्यावरण एवं सामाजिक न्याय आदि विषय है। सुश्री सुखप्रीत कौर विशेषज्ञ थीं जिन्होंने एसडीजी के साथ कला को जोड़ने के लिए बच्चों और संसाधकों के साथ आपस में बातचीत की। बच्चों को एसडीजी के लक्ष्यों से परिचित कराने के लिए यह सम्मेलन एक अत्यन्त महत्वपूर्ण वैश्विक शैक्षिक कार्यक्रमों में से एक है क्योंकि ये सभी दैनिक जीवन से संबंधित लक्ष्य हैं। अत: इसलिए राष्ट्रीय बाल भवन ने अपने राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविद् सम्मेलन के जरिए संदेश को सभी बच्चों तक पहुँचाने की जिम्मेदारी ली है।

इस सम्मेलन में बच्चों की आयु सीमा 10 से 16 वर्ष थी और 79 स्थानीय बच्चों के साथ विभिन्न संबद्ध बाल भवन और बाल केन्द्रों के 120 बच्चों ने भाग लिया। 27 फरवरी, 2019 को विशेष आवश्यकता वाले बच्चों ने कई गतिविधियों में भाग लिया। बाल भवन सोसायटी, कब्बन पार्क में गतिविधियों से संबंधित पोस्टर, मोडेल और कला से संबंधित प्रदर्शनी भी लगाई गई।

प्रथम दिवस 25 फरवरी, 2019 का आरंभ श्री मुकेश गुप्ता-उपनिदेशक (प्रशासन) द्वारा गीत गाने के साथ हुआ जिसमें बच्चों की भी भागीदारी रही। सम्मेलन का उद्घाटन डॉ. जैमाला, मंत्री महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, विकलांग और वरिष्ठ नागरिक सशक्तिकरण विभाग, कर्नाटक सरकार एवं बाल भवन समाज उपाध्यक्ष द्वारा किया गया। डॉ. इंदुमति राव-उपाध्यक्ष-राष्ट्रीय बाल भवन, मुख्य अतिथि थी। डॉ. इंदुमति राव ने उपाध्यक्षीय भाषण से संबोधन किया। उन्होंने अतिथि मंत्री को राष्ट्रीय बाल भवन एवं उसकी गतिविधियों के बारे में संक्षेप में बताया तथा इसके पश्चात् उन्होंने विषय के महत्व के बारे में बताया एवं इसका भी उल्लेख किया कि क्यों इसे कला से एकीकृत किया गया है। इस बात पर ज़ोर दिया कि किस तरह से कला बच्चों के व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है, विशेष रूप से विशेष आवश्यकता

वाले बच्चों के संदर्भ में। उन्होंने राष्ट्रीय बाल भवन की ऐसे प्रयासों के लिए सराहना की। उन्होंने इस बात को भी दोहराया कि किस तरह से राष्ट्रीय बाल भवन एवं इसके संबद्ध बाल भवन की गतिविधियाँ गैर-औपचारिक शिक्षण में प्रमुख भूमिका निभा रही है। इस तीन दिवसीय आयोजन में परिचय, समूह में प्रतिभागियों का वर्गीकरण, विषय को समझना, नृत्य, कठपुतली तमाशा, कहानी वाचन, अपशिष्ट का पुनः उपयोग, कला तथा शिल्प, रंगरेज की रंगाई एवं रचनात्मक लेखन में समूह भागीदारिता जैसी गतिविधियाँ शामिल थीं। श्रीमती सुखप्रीत कौर पर्यावरण विशेषज्ञ थीं, जिन्होंने पावर प्वाईंट प्रस्तुति द्वारा निरंतर विकास के लक्ष्यों की विस्तृत प्रस्तुति की। बच्चों को कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में समझाया गया। विभिन्न विशेषज्ञों के सत्रों में भाग लेने के लिए बच्चों को समूह में विभाजित किया गया। कठपुतली तमाशा एवं थिएटर जैसी गतिविधियों की विशेषज्ञ-श्रीमती अनुपमा होसकरे, मैथिली एवं वर्षा थीं। कथा-वचन के लिए स्नेहा केपन्ना थीं। अपशिष्ट का पुनः उपयोग के लिए श्री नटवर सुरेला थे, कला एंव शिल्प के लिए श्री सुमित पाटिल थे, चित्रकला गतिविधि के लिए श्री संजय मन्ना थे, राज्य एस्कॉर्ट्सों का भी बड़ा समर्थन था। चूँकि नृत्य कार्यशाला हेतु स्थानीय विशेषज्ञ किसी कारणवश नहीं आ पाए थे। अतः चाचा बाल भवन के निदेशक डॉ. रमेश जोकि नृत्य विशेषज्ञ थे उन्होंने इस गतिविधि को करवाया। गिरधर भाई बाल भवन के उपनिदेशक-डॉ. दिनेश त्रिवेदी ने सभी प्रतिभागियों एवं अध्यापकों के साथ रंगरेज की रंगाई गतिविधि की एवं हर प्रतिभागी को निर्मित उत्पाद को राष्ट्रीय बाल भवन की ओर से प्रदान किया। अन्य एस्कॉर्टों ने विशेषज्ञों की अन्य गतिविधियों में मदद की तथा फील्ड दौरे के दौरान सामग्रियों एवं खाद्य के वितरण में भी मदद की। हिसार बाल भवन की डॉ. चौटानी ने बच्चों के साथ योग गतिविधि की।

श्री गौतम लिंबादिया ने मंच संचालन को संभाला तथा विभिन्न प्रतिभागियों द्वारा तैयार किए गए नाटक का निर्देशन किया जोकि पर्यावरण पर आधारित थे। 26 फरवरी को बच्चों ने योग किया एवं इसके बाद वे मछली घर देखने गए। इसके बाद वे उन गतिविधियों में शामिल हुए जोकि उन्हें दी गई थी। सायं में विभिन्न प्रतिभागी समूहों ने पर्यावरण संबंधित समस्याओं पर नाटक का मंचन किया।

27 फरवरी, 2019 को सुबह जल्दी प्रकृतिवादी श्री सप्त गिरीश के साथ कब्बन पार्क द्वारा बच्चों को पक्षियों को दिखाने के लिए ले जाया गया। इस दौरान श्री सप्त गिरीश, प्रकृतिवादी ने पक्षियों की दुनियाँ के बारे में बताया एवं इसका भी उल्लेख किया कि किस तरह से ये पक्षीगण पर्यावरण पर परस्पर प्रभाव डालते हैं।

उसी दिन, स्थानीय स्कूलों के दिव्यांग बच्चों के लिए एक विशिष्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कला एवं नृत्य की विभिन्न गतिविधियों में विशेष बच्चों ने सामान्य बच्चों के साथ भाग लिया। नृत्य चिकित्सक, संगीत

विशेषज्ञ एवं अन्य गतिविधियों के विशेषज्ञों को पहली बार डॉ. इंदुमति राव द्वारा आमंत्रित किया गया था। सभी विशेष बच्चों एवं विशेषज्ञों ने बंधेज रंगाई गतिविधियों में रुमाल बनाने की गतिविधि में भाग लेकर आंनद उठाया।

इस कार्यक्रम में शामिल विशेष बच्चों एवं अध्यापकों को अपना आभार प्रकट करने के लिए श्री नटवर सुरेला एवं स्कूल के बच्चों ने विशेष कार्ड बनाए और दिए।

27 फरवरी, 2019 को आयोजित विदाई समारोह में श्री वी.एस. बासावराजु, दिव्यांग आयुक्त मुख्य अतिथि थे। इन कार्यशालाओं के परिणामों को विदाई समारोह कार्यक्रमों द्वारा प्रदर्शित किया गया। प्लास्टिक राक्षस पर एक लघु अभिनय की प्रस्तुति, कठपुतली तमाशा के बच्चों द्वारा की गई। पाँच बच्चों ने मिलकर एस डी लक्ष्यों पर कहानियां तैयार कीं।

नृत्य गतिविधि के बच्चों ने जंगल पर नृत्य की प्रस्तुति की। कला एवं शिल्प कलाकृतियों द्वारा बच्चों ने एसडीजी के उद्देश्यों पर दर्शकों के सम्मुख प्रस्तुति की।

सभी बच्चों को श्री वी एस बासावाराजु, मुख्य अतिथि एवं इंदुमति राव, उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा प्रमाण पत्र प्राप्त किए। इस सम्मेलन के हिस्सा होने के कारण श्री बासावराजु ने अपनी खुशी ज़ाहिर की। उन्होंने सभी बच्चों को आशीर्वाद दिया तथा कार्यक्रम के दौरान किए गए कार्यों की सराहना की।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

राष्ट्रीय बाल भवन में 28 फरवरी, 2019 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का विषय था -"लोगों के लिए विज्ञान और लोग विज्ञान के लिए" । इस कार्यक्रम में इतिहास फाउंडेशन के 167 बच्चों ने अपने अध्यापकों के साथ एवं राष्ट्रीय बाल भवन के 16 कर्मचारियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में "हमारी जिन्दगी में विज्ञान और तकनीकों की जरूरत है" पर चर्चा की गई, जिसमें पावर पाइंट प्रस्तुति द्वारा विज्ञान और तकनीकों के महत्त्व की जानकारी बच्चों को दी गई। तत्पश्चात् बच्चों को एक लघु फिल्म दिखाई जिसमें अपशिष्ट सामान से तैयार कठपुतली द्वारा विज्ञान के महत्त्व को दर्शाया गया। बच्चों को बताया की फिल्म में इस्तेमाल कठपुतली की संरचना और उसके द्वारा दिए गए उपदेश को समझें। तत्पश्चात् बच्चों ने विभिन्न वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित विभिन्न खेल खेले जिसमें उन्होंने बहुत आनंद उठाया।

होली उत्सव

राष्ट्रीय बाल भवन में सदस्य बच्चों एवं स्टॉफ के लिए 21 मार्च, 2019 को होली उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें 30 बच्चों तथा 20 अभिभावकों और 150 कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन के खुले रंग-मंच में प्रदर्शन कला अनुभाग द्वारा रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें संगीत एवं नृत्य के कार्यक्रम पेश किए गए और उपस्थित सभी व्यक्तियों ने फूलों से होली खेली।

श्रीमती राशि शर्मा-निदेशक और श्री मुकेश गुप्ता-उपनिदेशक(प्रशासन) ने अपने मुख्य उद्बोधन में होली के त्यौहार की सभी उपस्थित सहभागियों को होली की शुभ-कामनाएं दीं। सभी उपस्थित बच्चों और स्टाफ ने रंग, अवीर, गुलाल लगाकर एक-दूसरे को होली की मुबारकबाद दी और समाज में प्रेम एवं सौहार्दय की भावना का संदेश प्रसारित किया। इस अवसर पर सभी सहभागियों को अल्पाहार में गुंजिया, समोसे एवं चाय वितरित की गई। सभी इस अनूठे त्यौहार की भावना से प्रेरित एवं उल्लास में सराबोर थे।

जूडो चैम्पियनशिप प्रतियोगिता

राष्ट्रीय बाल भवन में 27 मार्च से 29 मार्च, 2019 तक जूडो चैम्पियनशिप प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि :- श्री महासिंह राव (द्रोणाचार्य अवार्ड-कुश्ती), श्री गुरचरन सिंह गोगी (द्रोणाचार्य अवार्ड-जूडो), श्री राजीव तोमर (अर्जुन अवार्ड-कुश्ती-पूर्व भारत केसरी), श्री प्रभू दयाल शर्मा (कुश्ती दलपति-गणेश दल), श्री अकरम शाह (अर्जुन अवार्ड जूडो-ओलम्पियन, पूर्व बाल भवन सदस्य), श्री देवेन्द्र सिंह (पूर्व जूडो खिलाड़ी एवं पूर्व सदस्य) इत्यादि थे। विशेषज्ञों का स्वागत मौखिक रूप से श्री मुकेश गुप्ता-उपनिदेशक(प्रशासन) ने किया। यह प्रतियोगिता 30 किलो वजन वर्ग के अंतर्गत रखी गई थी जिसमें लगभग 300 बच्चों ने भाग लिया। इनमें से 120 बच्चों ने पदक जीते। रा.बा.भ. के 17 सदस्य बच्चे आमंत्रित खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया इनमें से 11 सदस्य बच्चे खिलाड़ियों ने विजेता पदक जीते। विशेषज्ञों ने अपने अनुभवों को बाँटने के साथ विजेताओं को पुरस्कार वितरण भी किया। विजेता, उपविजेता खिलाड़ियों को मैडल, टी शर्ट और प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। सभी बच्चों ने आने वाले समय में अपने को और बेहतर खिलाड़ी बनने का संकल्प लिया। अंत में सभी सहभागियों को जलपान वितरण कराया गया।

जवाहर बाल भवन, माण्डी

छठे दशक के मध्य में, जवाहर बाल भवन की स्थापना की एक योजना प्रारंभ की गई थी और राज्यों के लिए जवाहर बाल भवनों को एक नोडल एजेंसी के रूप में माना गया था, अत: भारत के विभिन्न राज्यों में अनेक बाल भवनों की स्थापना की गई। जवाहर बाल भवन, माण्डी उसी योजना का विस्तार था, जिसे नेहरू स्मारक निधि द्वारा प्रारम्भ में वित्तपोषित किया गया। ग्रामीण बाल भवन, माण्डी ने माण्डी गाँव की 'चौपाल' से काम करना प्रारंभ कर दिया।

वर्तमान में जवाहर बाल भवन, माण्डी ग्राम पंचायत द्वारा उपलब्ध कराई गई 3.75 एकड़ भूमि पर बना है और श्रीमती इंदिरा गाँधी द्वारा इस ग्रामीण इकाई का उद्घाटन 3 फरवरी, 1973 को किया गया। यह ग्रामीण केंद्र मंगलापुरी, ग्वाल पहाड़ी, महरौली, जौनापुर, गदईपुर, सुल्तानपुर, बंधावाड़ी, असोला, आयानगर, घिटोरनी, छतरपुर, मैदान गढ़ी, राजपुर, सतबाडी, चंदनहोला, फतेहपुर बेरी, डेरा, भाटी माइंस तथा नेब सराय के गांवों के बच्चों की जरूरतों को पूरा करता है।

बाल भवन की गतिविधियों में शारीरिक शिक्षा, कला और शिल्प, सिलाई, काष्ठ शिल्प और मिट्टी के काम फोटोग्राफी, कम्प्यूटर आदि शामिल हैं। मांडी बाल भवन ने ग्रामीण बच्चों में व्यापक अभिरूचि उत्पन्न की है और बच्चों की भारी मांग पर समय-समय पर नवोन्मेषी कार्यशालाओं का आयोजन भी किया जाता है।

सत्र 2018-2019 वर्ष में 1028 बच्चों का पंजीकरण हुआ तथा हज़ारों व्यक्तियों ने जवाहर बाल भवन, माण्डी का भ्रमण किया।

जवाहर बाल भवन, माण्डी - कार्यक्रम

सत्र 2018-19 तहत राष्ट्रीय बाल भवन के **मेखला झा** में आयोजित "डांस के शाहज़ादे" नाम कार्यक्रम में जवाहर बाल भवन माण्डी के बच्चों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाल भवन के मास्टर रोहित भंडारी एवं अल्तमाश को विशिष्ट अप्रत्याशित प्रवेश प्राप्त हुआ।

पृथ्वी दिवस

27 अप्रैल, 2018 को एक विशिष्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया था इस विशिष्ट मौके पर लगभग 190 बच्चे अपने माता-पिता के साथ उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि - राष्ट्रीय बाल भवन की अध्यक्ष-श्रीमती शालू जिंदल एवं कार्यक्रम परामर्श समिति की अध्यक्ष -श्रीमती लता वैद्यनाथन थीं। मुख्य अतिथियों का जवाहर बाल भवन माण्डी के बच्चों द्वारा पारंपरिक स्वागत किया गया। तत्पश्चात् मुख्य अतिथियों ने जवाहर बाल भवन माण्डी का दौरा किया एवं बच्चों के कलात्मक कार्यों की सराहना की। कला और शिल्प अनुभाग के बच्चों द्वारा बनाए गए स्मृति चिन्ह मुख्य अतिथियों को भेंट किए गए। इस अवसर पर माण्डी के बच्चों ने पारंपरिक और आधुनिकता से मिश्रित सांस्कृतिक उत्सव पर अनेकों रंगारंग कार्यक्रम जैसे :- देशभक्ति गीत, वाद्ययंत्र की प्रस्तुति, भरतनाट्यम, बंगाली नृत्य, भारत के लोकगीत की विरासत - पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, बंगाल के गीत, भारत की विभिन्न कला रूपों की विरासत पर प्रस्तुति, कन्या बच्चियों को बचाने एवं उनकी सुरक्षा पर आधारित

नृत्य – "बेखौफ आज़ाद है रहना मुझे" , सर्वशक्तिमान पर आधारित नृत्य – "भगवान है काहे रे तू", ब्रज लोकगीत, राष्ट्रीय गान – "वंदे मातरम्" आदि प्रस्तुत किए। कुछ बच्चों द्वारा तैयार बाल भवन वार्षिक केलेण्डर को मुख्य अतिथियों द्वारा जारी किया गया अध्यक्ष महोदया ने कार्यक्रम की बहुत प्रशंसा की।

शारदा रामकृष्ण मिशन द्वारा दौरा

4 मई, 2018 को शारदा रामकृष्ण मिशन द्वारा रा.उ.मा. बालिका विद्यालय, शाहपुर जाट के बच्चों ने अपने प्रशिक्षकों के साथ जवाहर बाल भवन माण्डी का दौरा किया इन बच्चों के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बाल भवन मांडी के सदस्य बच्चों ने गणेश वंदना, सरस्वती वंदना और गीत – "बेखौफ आज़ाद रहना है मुझे", पर नृत्य किया। तत्पश्चात् इन बच्चों ने माण्डी की अनेक गतिविधियों में भाग लिया और साथ ही माण्डी के बच्चों के साथ मिलकर "सबसे निराला ये बाल भवन है" गीत भी गाया।

रविन्द्र नाथ टैगोर जयंती एवं मदर्स डे

11 मई, 2018 को जवाहर बाल भवन माण्डी में रविन्द्र नाथ टैगोर जयंती कार्यक्रम मनाया गया जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को रविन्द्र नाथ टैगोर से संबंधित जानकारी देना, पाठ लिखने, काव्य-पठन की शक्ति को बढ़ावा देना था और मदर्स डे भी पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। मदर्स डे के अवसर पर बच्चों ने "चल अकेला रे" शीर्षक गीत को प्रस्तुत किया और साथ ही रविन्द्र नृत्य भी प्रस्तुत किए। रविन्द्र नाथ टैगोर द्वारा लिखित कहानी "छुट्टी" पर कुछ बच्चों ने नाटक के माध्यम से अद्भुत प्रस्तुतिकरण किया। कार्यक्रम के अंत में उपनिदेशक(कार्यक्रम) ने उपस्थित 170 बच्चों, कर्मचारियों एवं उनके माता-पिता को जननी तथा गुरू रवीन्द्र नाथ टैगोर के संबंध में महत्वपूर्ण संदेश दिया।

ग्रीष्मोत्सव

22 मई, 2018 से 22 जून, 2018 तक जवाहर बाल भवन, माण्डी में ग्रीष्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 22 मई, 2018 को ग्रीष्मोत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि – डॉ. रीता रॉय-(जिला प्रभारी एवं एस एम ओ, डी जी एच एस,) श्रीमती विमला सौर्या-(फार्मासिस्ट) तथा श्रीमती इन्द्राणी चौधूरी-उपनिदेशक (कार्यक्रम) के साथ बच्चों द्वारा पारंपरिक दीपक को जलाकर किया गया। इस अवसर पर जवाहर बाल भवन के कुछ प्रशिक्षक एवं सदस्य बच्चों ने गायन एवं वाद्ययंत्रों को बजाया जोकि गुरू-शिष्य परंपरा का निदर्शन था। बच्चों द्वारा महाराष्ट्रीयन नृत्य, "लावणी", राजस्थानी नृत्य "कालबेलिया" की प्रस्तुति दी। प्रत्येक दिन सभी बच्चों को जलपान वितरण किया गया।

प्राथमिक चिकित्सा व्यवस्था 22 मई, 2018 से 22 जून, 2018 तक स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशालय की चिकित्सा टीम द्वारा नि:शुल्क प्रदान की गई एवं इस दौरान बच्चों की स्वास्थ्य जांच भी की गई।

चित्रकला प्रतियोगिता

23 मई, 2018 को जवाहर बाल भवन माण्डी में इनर व्हील क्लब एवं रोटरी क्लब के सहयोग से चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का विषय - "तम्बाकू मुक्त भारत" था जिसमें आयु वर्ग - 5 से 8 वर्ष, 9 से 11 वर्ष, 12 से 16 वर्ष के लगभग 200 बच्चों ने भाग लिया। रोटरी क्लब एवं इनर व्हील क्लब ने प्रत्येक आयु श्रेणी के लिए पहले तीन पुरस्कार विजेताओं के लिए रखे। बच्चों ने चित्रकारी द्वारा अपने विचारों की अभिव्यक्ति की। इसी दौरान श्री शंकर कुमार डे के निर्देशन में बच्चों ने "पदार्थ एवं ड्रग्स दुरूपयोग" के संदर्भ में "यह केसा अंधेरा है" नामक नाटक की भी प्रस्तुति दी जिसमें मासूम बुद्धि को गुमराह किया जाता है और मासूम बुद्धि को गुमराह होने से बचाने के लिए माता-पिता अपने बच्चों से नियमित रूप से बातचीत करें यह दर्शाया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस

5 जून, 2018 को जवाहर बाल भवन माण्डी में "विश्व पर्यावरण दिवस" मनाया गया। इसका विषय था - "प्लास्टिक प्रदूषण पर ताला लगाएं" । इस अवसर पर एक पारंपरिक पालकी निकाली गई। इस पालकी में पौधों को रखा जोकि वनस्पति एवं जीव बचाने की ओर संकेत करता है इसमें लगभग 300 सहभागियों ने भाग लिया। सदस्य बच्चों ने जवाहर बाल भवन माण्डी की चारदीवारी के अंतर्गत एक मानव श्रृंखला का निर्माण कर "पेड़ लगाओ पर्यावरण बचाओ", "जल है तो जीवन है", "*बीट दी प्लास्टिक*" इत्यादि नारे लगाकर एक रैली भी निकाली और हस्तनिर्मित कागज़ के थैलों का वितरण वहां से गुजरने वाले व्यक्तियों को किया। रैली में पर्यावरण के महत्त्व को रखकर "जग में हरियाली लाएंगे और धरती कब अच्छी लगती है, प्लास्टिक क्यों हानिकारक है आदि गीत गाए और दर्शाया की हम अपनी छोटी-छोटी आदतों में बदलाव लाकर पर्यावरण को मैत्रीपूर्ण बना सकते हैं। तत्पश्चात् पौधा रोपण किया गया।

चित्रकला प्रतियोगिता

13 जून, 2018 को जवाहर बाल भवन माण्डी में "विश्व समन्वय संघ" की मदद से एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में आयु वर्ग - 5 से 8 वर्ष, 9 से 11 वर्ष, 12 से 16 वर्ष के लगभग 250 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों ने चित्रण द्वारा "अपने पर्यावरण तथा धरती की रक्षा कैसे करें" को तरह-तरह से दर्शाया।

चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय चित्रण को चयनित किया गया और अंत में विजेताओं को प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर पौधा-रोपण कार्यक्रम किया गया। "विश्व समन्वय संघ" द्वारा प्रत्येक प्रतिभागी को प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया और जलपान वितरण भी किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

21 जून, 2018 को देहरादून के वन अनुसंधान संस्थान में "अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस" कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह दिन "विश्व संगीत दिवस" के रूप में भी मनाया जाता है। जवाहर बाल भवन माण्डी में "योग दिवस" एवं "विश्व संगीत दिवस" कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर बच्चों और कर्मचारियों ने "नानी तेरी मोरनी को मोर ले गए बाकी जो बचा था काले चोर ले गए" गीत गाया जोकि बच्चों को अत्यंत लोकप्रिय गाना है। बच्चों ने विश्व संगीत दिवस के उपलक्ष्य में कुछ मुद्राओं के साथ गीत प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में लगभग 250 बच्चों ने भाग लिया। अंत में सभी बच्चों को जलपान वितरण किया गया।

ग्रीष्मकालीन उत्सव समापन समारोह

22 जून, 2018 को जवाहर बाल भवन माण्डी में ग्रीष्मकालीन उत्सव समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि- डॉ. मधु पंत, पूर्व निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन थीं। ग्रीष्म ऋतु के दौरान बाल भवन के सभी कार्यक्रम अपनी पराकाष्ठा पर होती है क्योंकि उस समय बड़ी संख्या में बच्चे विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। इस दौरान बच्चों के लिए स्वास्थ्य जांच भी दैनिक आधार पर आयोजित की गई थी। मुख्य अतिथि का स्वागत एक शॉल तथा कला एवं शिल्प अनुभाग के बच्चों द्वारा बनाई गई एक पारंपरिक गुड़िया स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट कर पारंपरिक तरीके से किया गया और कार्यक्रम का शुभारंभ बच्चों ने स्वागत गीत की प्रस्तुति - "आप आए द्वार मेरे, आज है आनंद छाया" से की। "गुप चुप माण्डी टाइम्स" बच्चों का, बच्चों के साथ एवं बच्चों के लिए, समाचार पत्र का उद्घाटन, साथ ही ग्रीष्मोत्सव 2017-18 पर आधारित एक ऑडियो विजुअल प्रस्तुति का प्रमोचन और बच्चों द्वारा सृजनात्मक कार्य की प्रदर्शनी का शुभारम्भ मुख्य अतिथि-डॉ. मधु पंत द्वारा किया गया। इस अवसर पर बच्चों, स्वयंसेवकों और छात्रों द्वारा कई अलग-अलग प्रदर्शन प्रस्तुत किए जैसे :- नक्कारा रीतिताल, भरतनाट्यम नृत्य, नातेश कौट्टम, सरगम गीत, योग प्रदर्शन एवं भारत की एकता और विविधता को दर्शाती राष्ट्रीय गीत - "वंदे मातरम"। यह प्रस्तुति तीन अलग-अलग संगीत रचनाओं को आधार पर बहुत ही अनूठी प्रस्तुति रही जिसमें शास्त्रीय नृत्य - भरतनाट्यम(तमिलनाडु उत्तर प्रदेश), कुचीपुड़ी(आंध्र प्रदेश), कथकली (केरल), कथक(उत्तर प्रदेश), मणिपुरी(मणिपुर), ओडिसी(उड़ीसा), लोकनृत्य - छउ(पश्चिम बंगाल), भांगड़ा(पंजाब), लावनी(महाराष्ट्र), जम्मू-कश्मीर आदि नृत्य कार्यक्रमों का प्रस्तुतिकरण करने वाले रंग-बिरंगे क्षेत्रिय वस्त्र पहने हुए बच्चे मिनी इण्डिया का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

कार्यक्रम के दौरान लगभग 300 बच्चे एवं उनके माता-पिता तथा सभी कर्मचारियों ने भाग लिया। राष्ट्रीय बाल भवन की पूर्व निदेशक श्रीमती मधु पंत ने बच्चों को "नन्हे साथियों" कह कर सम्बोधित किया एवं दुनिया को जादुई चश्मा से देखने की सलाह दी। इस कार्यक्रम के दौरान अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जिनकी पूर्व निदेशक ने सराहना की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। अंत में सभी सहभागियों को जलपान वितरण किया गया।

दंत चिकित्सा शिविर

23 जून, 2018 को जवाहर बाल भवन माण्डी में दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 180 एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। राष्ट्रीय बाल भवन के पूर्व छात्र -डॉ. चन्द्रशेखर जोशी, एम.डी.एस. (परियोडोंटिस्ट) भारतीय दंत चिकित्सा संघ, डी.एस.बी. के संयुक्त सचिव हैं, इन्होंने बच्चों के लिए एक मौखिक स्वास्थ्य शिक्षा और चिकित्सकी जांच शिविर का आयोजन किया। सभी बच्चों को जांच के उपरांत एक मौखिक देखभाल किट दिया गया। किट में एक ब्रश और एक टूथपेस्ट था।

प्रकाशन प्रभाग में रचनात्मक लेखन - द्वितीय कार्यशाला

24 जुलाई, 2018 और 26 जुलाई, 2018 को जवाहर बाल भवन माण्डी में प्रकाशन विभाग एवं सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से जवाहर बाल भवन माण्डी द्वारा निर्धारित विषय - "आज़ादी मेरी नज़र में" पर एक रचनात्मक लेखन, द्वितीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसी तरह की प्रथम कार्यशाला सन् 2017 में आयोजित की गई थी। इस कार्यक्रम में लगभग 40 बच्चों (सदस्य बच्चों और सदस्य स्कूलों के बच्चों) ने भाग लिया।

जवाहर बाल भवन, माण्डी द्वारा उक्त गतिविधियाँ भारत की स्वाधीनता की सूचना देती हैं और उसकी जागरूकता का प्रचार-प्रसार भी करती है, एवं राष्ट्रीय बाल भवन की भूत पूर्व निदेशक डॉ. मधु पंत द्वारा सूचना भवन में आगामी कार्यक्रम की कल्पना एवं योजना की गई जोकि बच्चों की प्रसिद्ध लेखिका हैं।

इस कार्यशाला के दौरान बच्चों ने "आज़ादी मेरी नज़र में" विषय पर कविताएं, नारे, छोटे लेख लिखे तथा "बच्चों के अधिकार व कर्त्तव्य" विषय पर एक छोटे से नाटक की तैयारी की।

प्रकाशन प्रभाग अर्थात् सूचना भवन, नई दिल्ली में बच्चों ने सभा के समक्ष अपनी कविताओं, नारों एवं नाटकों की प्रस्तुति की जोकि "बच्चों के अधिकार" विषर पर आधारित थे। जबकि राष्ट्रीय ध्वज ने बच्चों को उनके अधिकार एवं कर्त्तव्यों के प्रति उन्मुख किया। बच्चों ने विशिष्ट रूप से प्रकाशन प्रभाग के लिए "एक राष्ट्र साथ पढ़े" विषय पर विशेष पोस्टरों के डिजाइन तैयार किए जिसे कि डॉ. वसुधा गुप्ता, अपर महा निदेशक, प्रकाशन प्रभाग एवं डॉ. मधु पंत द्वारा प्रकाशित किया गया। डॉ. गुप्ता एवं डॉ. मधु पंत ने बच्चों को संबोधित किया। डॉ. पंत ने भी बच्चों के साथ कलात्मक खेल खेला जिससे कि बच्चों को समझाया जा सके कि क्या गलत है और क्या सही है। प्रकाशन प्रभाग ने भी बच्चों एवं कर्मचारियों के लिए उपहार के रूप में किताबें भेंट कीं।

यह कार्यशाला बच्चों के लिए अविस्मरणीय थी। कार्यालय की रिपोर्ट को रोजगार समाचार (4-10 अगस्त, 2018) में प्रकाशित किया गया। बच्चों की रचनाओं को बच्चों की पत्रिका "बाल भारती" के सितम्बर अंक में लगातार दूसरे वर्ष के लिए प्रकाशन प्रभाग द्वारा प्रकाशित किए गए।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की शुरूआत

11 अगस्त, 2018 को स्वतंत्रता दिवस समारोह की शुरूआत स्वतंत्रता की लड़ाई एवं भारत में बच्चों के लिए फिल्म – "समाज से संबद्ध मूल्यों" की फिल्म स्क्रीनिंग के साथ हुई। इस अवसर पर छोटा सिपाही एवं सेनारी साने गुरूजी जैसी फिल्मों की भी स्क्रीनिंग की गई।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

14 अगस्त, 2018 को 72वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सदस्य बच्चों, विद्यार्थियों तथा सदस्य स्कूलों के अध्यापकों एवं कुछ माता-पिता और कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर कुछ सदस्य बच्चों ने 7.5 मीटर लंबे कपड़े पर स्क्रोल पेंटिंग द्वारा स्वतंत्र भारत एवं स्वतंत्रता की लड़ाई एवं संघर्ष के विभिन्न पहलुओं को दर्शाया। इस दौरान जवाहर बाल भवन, माण्डी के मैदान में सदस्य बच्चों और पड़ोसी स्कूल के बच्चों में मैत्रीपूर्ण कबड्डी मैच का आयोजन भी किया गया। इसका आयोजन इस खेल के प्रसार के लिए किया गया था। तत्पश्चात् उपनिदेशक (कार्यक्रम) ने सभी सहभागियों के साथ राष्ट्र-गान सहित राष्ट्र ध्वज फहराया। सभी सहभागियों ने मिलकर देशभक्तिपूर्ण गीत भी गाए और पतंग उड़ाने हेतु सदस्य बच्चों को पतंग और डोरी वितरित की गई। बच्चों ने आसमान में पतंग को उड़ाते समय खूब आनन्द लिया जोकि यह दर्शाता है कि जिस प्रकार से आसमान की कोई सीमा नहीं होती है उसी प्रकार से स्वाधीरता की कोई सीमा नहीं होती है। तत्पश्चात् बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक-कलात्मक कार्यक्रमों को प्रस्तुत किया जिसमें राष्ट्र के लिए समर्पित गीत एवं नाट्य आदि शामिल थे। अंत सभी बच्चों को लड्डू और केले वितरित किए गए।

निवेदिता विद्या मंदिर, रामकृष्णा शारदा मिशन में जवाहर बाल भवन, माण्डी के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम

21 अगस्त, 2018 को निवेदिता विद्या मंदिर, रामकृष्णा शारदा मिशन द्वारा आमंत्रण पर वहाँ जाकर जवाहर बाल भवन, माण्डी के सदस्य बच्चों ने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जोकि एक बड़े सम्मान की बात थी। इस सांस्कृतिक प्रस्तुति में बच्चों ने वाद्य संगीत, शास्त्रीय नृत्य, भरतनाट्यम, सरस्वती वंदना एवं वंदे मातरम्, स्वर संगीत, कव्वाली, गीत-"चाचा नेहरू की बगिया के", "सब से निराला ये बाल भवन है", एवं माँ शारदा के लिए पूजा के रूप में विशेष प्रस्तुति "माँ अमादेर मानुष कॉरो" यानि की "माँ मुझे अच्छा मनुष्य बनाएं" आदि की प्रस्तुति दी।

रक्षा बंधन (25 अगस्त, 2018) - कार्यक्रम

25 अगस्त, 2018 को रक्षा बंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों को इस त्यौहार के महत्त्व के बारे में समझाया। कला एवं शिल्प अनुभाग की लड़कियों ने कुछ राखियाँ तैयार कर लड़कों की कलाई पर बांधी और दो बड़ी राखियों को कार्यक्रम में सजाकर कार्यक्रम को महत्वपूर्ण बनाया।

स्वच्छता अभियान

8 सितम्बर, 2018 से 3 अक्तूबर, 2018 तक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 15 सितम्बर, 2018 को सभी सदस्यों ने स्वत: लिखित लेखों एवं कविताओं द्वारा सफाई पर अपने विचारों की अभिव्यक्ति की एंव उपनिदेशक (कार्यक्रम) ने सभी को स्वच्छ भारत अभियान के लिए अपने आस-पास के क्षेत्र साफ रखने हेतु प्रोत्साहित किया और मार्गदर्शित किया। तत्पश्चात् सभी कर्मचारियों एवं सदस्य बच्चों ने सफाई अभियान चलाया। दिनाँक 7 एवं 19 सितम्बर को हरियाली एवं ताज़ी हवा सुनिश्चित किए जाने के संबंध में रक्षा सेवाओं और वायु सेना स्कूल के भूतपूर्व प्रधानाचार्य के साथ बच्चों ने पौधा रोपण किया। दिनाँक 3 अक्तूबर, 2018 को सदस्य संस्थान "निर्मल ज्योति" एवं "श्रम धन" के सदस्य बच्चों ने गांधी जयंती पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि के रूप में जवाहर बाल भवन, माण्डी परिसर की सफाई की। इस दिन बच्चों के लिए खेल संबंधित कई गतिविधियों का भी आयोजन किया गया था जिसमें बच्चों ने उत्साहित होकर भाग लिया। इस अवसर पर निर्मल ज्योति से आई बहनों ने सभी बच्चों के लिए जलपान की व्यवस्था की तथा खेल प्रतिभागियों के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

हिंदी पखवाड़ा

1 सितमबर, 2018 से 15 सितम्बर, 2018 तक जवाहर बाल भवन माण्डी में बच्चों एवं कर्मचारियों के लिए हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। 5 सितम्बर, 2018 को पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गई जैसे :- पोस्टर निर्माण, कविता लेखन, अशुद्ध वाक्यों एवं वर्तनी की शुद्धीकरण आदि। इस कार्यक्रम में सदस्य सस्थानों के 50 सदस्य बच्चों ने भाग लिया और दो विभिन्न आयु वर्गों 10 से 12 वर्ष एवं 13 से 16 वर्ष के बच्चों ने पैराग्राफ/वाद-विवाद लेखन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। दिनाँक 1 से 13 सितम्बर, 2018 तक जवाहर बाल भवन माण्डी के कर्मचारियों के लिए अनेक प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई जैसे :- कविता लेखन, नोटिंग-ड्राफ्टिंग, निबंध लेखन, लघु नाटक लेखन एवं चित्र-कहानी लेखन जिसमें सभी कर्मचारियों ने भाग लिया और राष्ट्रीय बाल भवन में आयोजित हिंदी टंकण प्रतियोगिता में भी भाग लिया।

महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती पर कार्यक्रम

महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती मनाने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार गांधीजी पर एक नाटक का मंचन किया गया।

महात्मा गाँधी पर आधारित एक नाटक तैयार करने के लिए श्री शंकर डे के सहयोग से एक थिएटर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के बाद "महात्मा गाँधी के संघर्ष" पर एक नाटक को अंतिम रूप दिया गया। बच्चों ने अपने नाटक के माध्यम से महात्मा गाँधी द्वारा दक्षिण अफ्रीका में किए गए कुछ विशेष आन्दोलन व कार्यों पर प्रकाश डाला जैसे :- चंपारण सत्याग्रह, डांडी मार्च और भारत छोड़ो आंदोलन, जिसकी सभी ने बहुत सराहना की। मझे हुए नन्हें कलाकार बच्चों ने स्वयं भी अपनी इस प्रस्तुति द्वारा बहुत कुछ सीखा और ये बच्चे अपनी प्रस्तुति के लिए बड़े मंच की अपेक्षा में हैं।

संस्कृति शिल्प सम्मेलन : नक्कारा बनाने की कार्यशाला

नक्कारा एक पारंपरिक उपकरण है जो प्रचार के अभाव में जल्द ही गुमनामी में बदल सकता है। राष्ट्रीय बाल भवन अपनी संस्कृति और शिल्प की संरक्षण के लिए पूरी निष्ठा भाव से समर्पित रहा है। वाद्य यंत्र संगीत प्रशिक्षक-श्री जमील अहमद खान ने बच्चों को अपने निजी नक्कारे द्वारा नक्कारा बजाने की तकनीकों से अवगत कराया। श्री जमील खान द्वारा नक्कारा बनाने की कार्यशाला आयोजित की गई। नक्कारा बनाने की मूल सामग्री, फ्रेम एवं चमड़ा क्रमशः कानपुर और अलीगढ़ से उपलब्ध कराया गया। कार्यशाला को दो भागों में आयोजित किया गया। जिसमें पहले बैच के सदस्य बच्चों ने दो नक्कारा बनाए और साथ ही नक्कारा के विभिन्न भाग जैसे :- "पुरी-टिक्की", "दुवाल", "घर", "पेंडि (इडली)", "जंजीर (सिंगार)", "कमल-दवल" आदि बनाने की तकनीक भी सिखाई गई। यह एक व्याख्यान सह-प्रदर्शन सत्र था जिसके दौरान श्री ज़मील खान ने न केवल यह प्रदर्शित किया कि कैसे एक नक्कारा बनाया जाता है बल्कि बच्चों को एक व्यावहारिक अनुभव भी करवाया। दो जोड़े नक्कारा बनाने के बाद बच्चों में एक अलग-सा उत्साह था।

आंचलिक प्रतियोगिता के लिए सदस्य स्कूल के बच्चों के लिए विशेष प्रशिक्षण

जवाहर बाल भवन, माण्डी के सदस्य बच्चों एवं सदस्य स्कूल के बच्चों ने अनेक गतिविधियों में भाग लिया नृत्य, शास्त्रीय और लोक संगीत, गायन तथा वाद्य यंत्र बजाने जैसी अनेक गतिविधियाँ सीखी ताकि वे समय-समय पर दिल्ली सरकार के होने वाले आंचलिक प्रतियोगिताओं में भाग ले सकें।

खिलौने बैंक का शुभारंभ

जवाहर बाल भवन, माण्डी के सदस्य बच्चे ग्रामीण परिवेश से हैं और सबसे वचिंत तबके के हैं। इसलिए इनके लिए खिलौने, गुड़िया, साइकिल आदि से खेलने के लिए एक "खिलौना बैंक", शुरू किया गया था। राष्ट्रीय बाल भवन के कार्यक्रम कमेटी की अध्यक्ष-श्रीमती लता वैद्यनाथन के प्रयत्नों से "टेरी प्रकृति" स्कूल द्वारा साइकिल और कुछ अन्य खिलौनों की व्यवस्था भी बच्चों के लिए की गई है। राष्ट्रीय बाल भवन की अध्यक्ष और कार्यक्रम कमेटी के अध्यक्ष ने टॉय बैंक को देख उसकी काफी सराहना की।

सतर्कता जागरुकता सप्ताह

सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। सतर्कता का संकल्प लिया गया और बच्चों ने 2 नवंबर को चित्रकला और नारा लेखन गतिविधि में भी भाग लिया। मजेदार खेलों के माध्यम से बच्चों को सतर्कता और ईमानदारी का संदेश भी दिया गया।

राष्ट्रीय एकता दिवस

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। कर्मचारियों और बच्चों द्वारा एकता प्रतिज्ञा और एकता के संकल्प के साथ 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया।

देश को एकजुट करने में सरदार पटेल के अपार योगदान से बच्चों को परिचित कराया गया।

राष्ट्रीय बाल सभा में जेबीबी माण्डी का स्टाल और प्रदर्शन

जवाहर बाल भवन माण्डी के बच्चों ने अन्य राज्यों के बच्चों के साथ सभा के उद्घाटन दिवस पर ओपन स्टेज डांस प्रस्तुत किया। जवाहर बाल भवन माण्डी का स्टॉल राष्ट्रीय बाल सभा और एकीकरण शिविर के उद्घाटन दिवस पर लगाया गया जिसका दौरा मुख्य अतिथि श्रीमती रीना रे, सचिव स्कूली शिक्षा और साक्षरता और श्री मीना, संयुक्त सचिव स्कूल शिक्षा और साक्षरता, अध्यक्ष राष्ट्रीय बाल भवन और निदेशक राष्ट्रीय बाल भवन ने किया। जवाहर बाल भवन माण्डी के बच्चों की रचनात्मक कृतियाँ प्रदर्शनी में एवं स्टॉल पर लगाई गयी और नक्कारा पर बच्चों के जादुई हाथों की संगीत प्रस्तुति को सचिव शिक्षा द्वारा सराहा गया।

हर दिन जेबीबी माण्डी के बच्चों ने प्रशिक्षकों के साथ, कला और शिल्प की कलाकृतियाँ बनाने और पारंपरिक नक्कारा पर संगीत बजाने आदि गतिविधियों का लाइव प्रदर्शन किया, जिसने स्टाल पर बड़ी भीड़ को आकर्षित किया। स्टाल में मजेदार खेल गतिविधियाँ भी थीं।

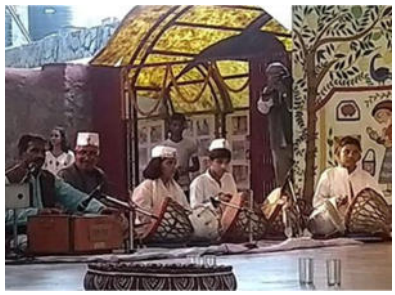

सभा के दूसरे दिन जवाहर बाल भवन माण्डी के बच्चों ने चरी नृत्य, कव्वाली जैसी जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं और नक्कारा (पारंपरिक वाद्य यंत्र) पर जादू पैदा किया। ''क्रिएटिव इंडिया'' विषय पर जवाहर बाल भवन माण्डी की लाइव संगीत पर ''चरी'' नृत्य की प्रस्तुति ने राष्ट्रीय बाल सभा और एकीकरण शिविर में सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। छोटे हाथों ने नक्कारा पर जादू दिखाया जिसकी कोरियोग्राफी पवन रॉय पटेल ने की एवं लाइव संगीत जलालुद्दीन खान (गायन) और जमील खान (वाद्य) ने दिया।

जवाहर बाल भवन माण्डी के बच्चों ने 16 जुलाई को राष्ट्रीय बाल सभा और एकीकरण शिविर के आयोजन में देश भर के अन्य भाग लेने वाले बाल भवन के बच्चों के साथ प्रदर्शन किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि, कॉमनवेल्थ गेम्स 2014 और 2018 में कुश्ती में गोल्ड मेडलिस्ट बबिता कुमारी फोगाट थीं।

हिंदी पखवाड़ा, उपलब्धि और सत्कार

हिंदी पखवाड़ा गतिविधियाँ जैसे कविता लेखन, पोस्टर और नारा लेखन, (बच्चों के लिए) सही वाक्य लेखन, नोटिंग ड्राफ्टिंग, कहानी लेखन, सही वर्तनी (कर्मचारियों के लिए) पहली से 14 सितंबर तक जेबीबी माण्डी और राष्ट्रीय बाल भवन में एक साथ आयोजित की गयी। स्टॉफ के लिए हिंदी टाइपिंग प्रतियोगिता एनबीबी में आयोजित की गई थी।

20 नवंबर को पुरस्कृत बच्चों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया, यह वास्तव में एक गौरव का क्षण था जब लगातार तीसरे वर्ष जवाहर बाल भवन माण्डी के बच्चों ने हिंदी पखवाड़ा की विभिन्न प्रतियोगिताओं (कविता लेखन, पोस्टर और नारा लेखन) में अधिकतम पुरस्कार प्राप्त किए। विभिन्न प्रतियोगिताओं और श्रेणियों में 25 पुरस्कारों में से 15 पुरस्कार जेबीबी माण्डी के सदस्य बच्चों के थे और 2 पुरस्कार जेबीबी माण्डी के सदस्य स्कूल के बच्चों के थे। जवाहर बाल भवन माण्डी के सदस्य बच्चों ने पोस्टर मेकिंग और स्लोगन राइटिंग में सभी पुरस्कार जीत लिए।

इस वर्ष जेबीबी माण्डी के कर्मचारियों के साथ बाल भवन केन्द्रों के कर्मचारियों ने भी कविता लेखन, नोटिंग ड्राफ्टिंग, कहानी लेखन, शब्दों को शुद्ध करना और हिंदी टंकण जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया, और उन्होंने प्रत्येक श्रेणी में पुरस्कार जीतकर जेबीबी माण्डी को गौरवान्वित किया। यह वास्तव में जेबीबी, माण्डी के लिए गर्व का दिन था।

मुखौटा बनाने की कार्यशाला

अपने संस्थापक श्रीमती इंदिरा गांधी की जयंती के विशेष की तस्वीर पर जवाहर बाल भवन माण्डी में मास्क बनाने

की कार्यशाला शुरू हुई। श्रीमती गांधी को बच्चों और कर्मचारियों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई। तीन दिवसीय कार्यशाला का संचालन डॉ. रश्मि शर्मा, क्यूरेटर नेशनल चिल्ड्रन म्यूज़ियम ने किया और जेबीबी माण्डी के प्रशिक्षु और प्रशिक्षक (आर्ट एंड क्राफ्ट) की टीम ने गतिविधियाँ करवायी।

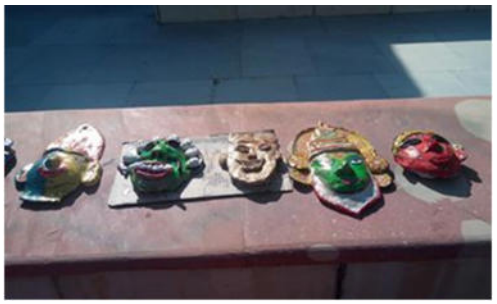

पहले दिन बच्चों ने दुनिया में विभिन्न प्रकार के मास्क के बारे में सीखा, जिसमें बहुत प्राचीन मास्क भी शामिल थे। वे भारत में विविध मुखौटों के बारे में भी उन्मुख हुए। इस दिन बच्चों ने उन मुखौटों के पेपर स्केच बनाए, जिनसे उन्हें परिचित कराया गया था। एक पूर्व परीक्षण (प्री टेस्ट) भी प्रशासित किया गया था।

दूसरे दिन बच्चों ने पेपर और पॉप मास्क बनाना शुरू किया। उनके द्वारा बनाए जा रहे मुखौटे उत्तम थे।

तीसरे दिन बच्चों ने अपने पेपर और पॉप मास्क पूरे किए जो मास्टरपीस थे। उन्होंने लाइव प्रदर्शन के साथ 'लाइव मास्क' बनाना भी सीखा। उन्होंने एक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम और एक पोस्ट टेस्ट में भाग लिया जिसमें पता चला कि मास्क के इतिहास के बारे में उन्हें कितना ज्ञान प्राप्त करना हुआ।

कार्यशाला के दौरान एक आश्चर्यजनक पल आया जब आकस्मिक विज़िट के दौरान श्रीमती लता वैद्यनाथन, राष्ट्रीय बाल भवन बोर्ड की सदस्य और अध्यक्ष, कार्यक्रम समिति ने बच्चों को उत्साहित किया। कार्यशालाओं के अंत में सभी मुखौटे प्रदर्शित किए गए थे। यह कार्यशाला बच्चों के लिए एक शानदार अनुभव था।

भारतीय दंत चिकित्सा संघ के सहयोग से दंत चिकित्सा शिविर और चित्रकला प्रतियोगिता

27 नवम्बर 2018 - 27 नवम्बर, 2018 को जवाहर बाल भवन माण्डी में इंडियन डेंटल एसोसिएशन (आई.डी.ए. अर्थात् भारतीय दंत चिकित्सा संघ दक्षिण दिल्ली) के सहयोग से एक डेंटल कैम्प और पेन्टिग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जहाँ लगभग 200 बच्चों ने मुख्य विषय आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किए। प्रत्येक बच्चे का मौक्षिक परीक्षण किया गया और साथ ही उन्हें एक एक डेंटल किट भी दिया गया। तत्पश्चात, ओरल हैल्थ पर एक विशेष चर्चा की गई। इसके तीन आयु वर्ग में विभाजित बच्चों (8-16 वर्ष) ने स्वच्छता विषय पर आधारित एक पेंटिग प्रतियोगिता में भाग लिया।

आईडीए द्वारा इस प्रतियोगिता में बच्चों को पेंटिंग की सामग्री प्रदान की गई एवं प्रत्येक आयु वर्ग में पहले तीन प्रविष्ठियों को नकद पुरस्कार भी दिए गए। पूर्व छात्र चंदन एस जोशी ने एक बार फिर इस कार्यक्रम को संभव बनाया। आईडीए साउथ दिल्ली के डॉक्टरों की पूरी टीम और विशेष पावती डॉ. अजय गुप्ता को विनम्र बधाई।

सदस्य सरकारी स्कूलों के लिए अंग्रेजी सीखने की कार्यशाला

इनोवेटिव एप्स प्राइवेट लिमिटेड वर्ष 2017 में जवाहर बाल भवन माण्डी से तब जुड़ा था जब वह ग्रामीण बच्चों को लिप्यंतरण के माध्यम से अंग्रेजी सीखने में सक्षम बनाने के लिए ज.बा.भ. माण्डी के कम्प्यूटर अनुभाग के लिए

'*रीड माई लैंग्वेज ऐप*' को मुफ्त में प्रदान किया था। तत्पश्चात उन्होने अपने तकनीकी सहायक स्टॉफ श्री चिरंजीत सिन्हा को संकाय के रूप में बच्चों को इस ऐप माध्यम से प्रशिक्षित करने के लिए प्रतिनियुक्त किया।

जैसा कि ग्रामीण सदस्य बच्चों को इस ऐप से बहुत फायदा हुआ इनोवेटिव एप्स प्राइवेट लिमिटेड ने सदस्य सरकारी स्कूलों के लिए भी इस सुविधा का विस्तार करने का फैसला किया। इस प्रकार 12 और 13 दिसम्बर को जवाहर बाल भवन माण्डी में एवं 19 दिसम्बर को राजकीय उच्चत्तम माध्यमिक बालिका विद्यालय, डेरा में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला में सर्वोदय कन्या विद्यालय, माण्डी, राजकीय उच्चत्तम माध्यमिक बालिका विद्यालय, डेरा और राजकीय उच्चत्तम माध्यमिक बाल विद्यालय, माण्डी से कुल 212 बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। डेरा स्कूल ने कार्यशाला की प्रशंसा करते हुए वास्तव में यह कहा कि कैसे बच्चे इस तरह के कार्यशालाओं से लाभन्वित हो रहे हैं।

मोबाइल बाल भवन : भीम बस्ती का दौरा

बाल भवन के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए जवाहर बाल भवन की डी.डी. (पी सी एण्ड आर) के नेतृत्व में बच्चों और कर्मचारियों ने 'मोबाइल बाल भवन' के माध्यम से बाल भवन की गतिविधियों को सभी बच्चों के घर तक पहुँचाने के लिए भीम बस्ती का दौरा किया और बच्चों एवं उनके माता-पिता को बाल भवन की विशेष गतिविधियों के बारे में बताया। साथ ही बाल भवन में अपने बच्चों को सदस्यता दिलाने हेतु उनके माता पिता को बाल भवन में आने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु कला-शिल्प और नृत्य जैसे गतिविधियों का भी आयोजन किया गया।

क्रिसमस का जश्न

जेबीबी माण्डी एक दूसरे की संस्कृति और परंपराओं के बारे में ज्ञान फैलाकर एकता और सद्भाव को बढ़ावा देने और एकीकरण करने में विश्वास रखता है क्योंकि भारत विविधता में एकता का देश है। क्रिसमस को मस्ती और धूम-धाम से मनाया गया और इसके साथ सभी परंपराओं को जोड़ा गया। बच्चों द्वारा बनाई गई सजावट कलाकृतियों के साथ पेड़ को सजाने से लेकर 'हमारे अपने सांता' बनाने की शिल्प गतिविधि तक, केक काटने और क्रिसमस कैरोल्स पर आधारित प्रदर्शनों के साथ, कैंपस का पूरा डेकोर उत्सव के रंग में रंगा था। सांता क्लॉज के

रूप में तैयार एक बच्चे ने सभी बच्चों को टाफी वितरित की। बच्चों को मुखौटे बनाने की कार्यशाला के दौरान उनके द्वारा बनाए गए उत्कृष्ट मुखौटों के लिए भी सम्मानित किया गया।

नए साल का जश्न

बच्चों के साथ नया साल मनाया गया। बच्चों के लिए कुछ प्रतियोगिता (रेस, पेपर कटिंग प्रतियोगिता, म्यूजिकल चेयर) का आयोजन किया गया। इसके बाद बच्चों के लिए दोपहर का भोजन (भंडारा) किया गया, जिसे माण्डी कर्मचारियों ने व्यवस्थित किया।

भंडारे और प्रतियोगिता के बाद, प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करने के लिए पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया था।

बाल भवन जयपुर में मैत्री मेले में भागीदारी

जयपुर के विशेष निमंत्रण पर 3 से 5 जनवरी 2019 तक जवाहर बाल भवन माण्डी के पांच बच्चों ने मैत्री–मेला कार्यक्रम में भाग लिया। इस वर्ष पर्यावरण सम्मेलन का विषय 'भारत के प्रमुख पर्यावरण आंदोलन' था। माण्डी के बच्चों ने चार्ट और पोस्टर बनाए थे और सात निर्दिष्ट आंदोलनों पर तैयार किए थे, जैसे कि बिश्नोई, चिपको, सेव साइलेंट वैली, जंगल बचाओ आंदोलन, Appiko, नर्मदा बचाओ आंदोलन, टिहरी बांध संघर्ष और अविरल गंगा। बाल भवन जयपुर के निदेशक द्वारा जवाहर बाल भवन माण्डी के बच्चों की भागीदारी के स्तर को बहुत सराहा गया। हमारे एक सदस्य बच्चे को भी सर्वश्रेष्ठ टूरिस्ट के रूप में सम्मानित किया गया।

रचनात्मक लेखन कार्यशाला

10 जनवरी से 15 जनवरी 2019 तक एक रचनात्मक लेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया था। एनबीबी के पूर्व निदेशक और एक प्रतिष्ठित बाल साहित्यकार विषेशज्ञ थे। यह डॉ पंत हैं, जिन्होंने वर्ष 2017 में आई एण्ड बी मंत्रालय के प्रकाशन विभाग के सौजन्य से 'मेरी नज़र में आज़ादी' कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण बच्चों के रचनात्मक लेखन की शुरुआत की, जब बच्चों ने अपने भीतर कवि और लेखक की खोज की।

पहले दिन जिन 25 बच्चों ने चसनित विषय के आधार पर पंजीकरण किया। इसके बाद अन्य बच्चों को भी भाग लेने वाले बच्चों के उत्साह को देखकर कार्यशाला की ओर आकर्षित किया गया।

कार्यशाला में कुल मिलाकर 30 बच्चों ने भाग लिया। प्रत्येक प्रतिभागी उत्साह के साथ लेखक बनने की कामना करते लिख रहा था। यह कार्यशाला उन्हें यह समझने का बहुत मौका दे रही है कि लेख और कहानी, कविता और गद्य के बीच अंतर क्या है, कविता क्या है और तुकबंदी कैसे हो, और कहानी के लिए चरमोत्कर्ष कितना महत्वपूर्ण है, अन्यथा यह केवल एक घटना है।

कार्यशाला की योजना ऐसी थी कि कम से कम 30 साहित्यिक रचनाऐं बने ताकि इन सभी लेखों को शामिल करते हुए एक पुस्तिका प्रकाशित की जा सके, अंतिम परिणाम 'जादुई कलम' पुस्तिका थी जो माण्डी दिवस के

दौरान प्रकाशित हुई और जिसमें कविताओं, कहानियों, लेख, गीत, नाटक और पहेलियों का समावेश था। बुकलेट उत्पादन के लिए प्रत्येक लेखन के चित्रण की अवधारणा भी बच्चों द्वारा की गई थी।

पहले सत्र में प्रत्येक प्रतिभागी के इनपुट के साथ जवाहर बाल भवन, माण्डी के गीत की रचना की गयी जो कि एक समूह गतिविधि थी। इसका नतीजा 'बाल भवन माण्डी है अपना सपनों भरा पिटारा' गीत था, जिसका मंचन माण्डी दिवस पर किया गया था। इस समूह की गतिविधि से बच्चों में आत्मविश्वास पैदा हुआ और उन्हें उन सावधानियों को समझने में भी मदद मिली जो कविताओं और गीतों को लिखते समय लेने की आवश्यकता होती है।

रचनात्मक लेखन कार्यशाला के तीसरे दिन उत्साही बच्चों ने अपनी कविताओं को लिखा और डॉ. पंत के समक्ष प्रस्तुत किया, जिन्होंने उन्हें निर्देशित किया कि इसे कैसे सुधारें।

कार्यशाला का विशेष आकर्षण नाटक था जहाँ जंगल के सभी जानवर संयुक्त रूप से एक पेड़ का जन्मदिन मनाते हैं। प्रत्येक बच्चे ने इस नाटक में जंगल चरित्र के अनुसार विचारों और संवादों को लिखने में योगदान दिया। बच्चों द्वारा मुखौटे बनाए गए और उनका पूर्व मंचन किया। माण्डी दिवस पर अंतिम उत्पादन के साथ मंचन किया गया।

कार्यशाला के समापन के दिन बच्चों ने अपने संपूर्ण लेखन आउटपुट को मंच पर प्रस्तुत किया। एक सदस्य बच्चे ने वोट ऑफ थैंक्स प्रस्तुत किया, जिसके दौरान बच्चों द्वारा बनाए गए स्मृति चिन्ह भी भेंट किए गए।

माण्डी दिवस

5 से 9 फरवरी , 2019 तक जवाहर बाल भवन माण्डी में माण्डी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय बाल भवन की पहली अध्यक्ष और तत्कालीन प्रधानमंत्री–श्रीमती इन्दिरा गाँधी ने 3 फरवरी, 1972 को माण्डी गाँव में ग्रामीण बच्चों के लिए जवाहर बाल भवन की स्थापना की थी। इस स्थापना दिवस को प्रति वर्ष माण्डी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

5 और 7 फरवरी, 2019 को खेल प्रतिस्पर्धी की शुरूआत के साथ ही 5वाँ उत्सव शुरू हुआ। कला और शिल्प, नृत्य और वाद्य संगीत का सांस्कृतिक कार्यक्रम का अभ्यास किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एक कला स्टूडियो का उद्घाटन रहा। गीत "बाल भवन माण्डी है, अपनी खुशियों भरा पिटारा" के मंचन के पश्चात् मुख्य अतिथि डॉ. मधु पंत द्वारा बच्चों द्वारा रचित पुस्तिका "जादुई कलम" का विमोचन किया गया जिसे विशेषज्ञ डॉ. मधू पंत द्वारा रचनात्मक लेखन कार्यशाला के दौरान तैयार किया गया था। बच्चों के लेखन और पर्यावरण संरक्षण पर आधारित थियेटर रचनात्मक लेखन कार्यशाला के दौरान तैयार की गए आलेख "पशु पक्षी ने मनाया पेड़ का जन्मदिन" की भी थियेटर प्रस्तुति की गई।

"बसंत पंचमी" के अवसर पर अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ जैसे :- गिद्दा, कालबेलिया, आर्केस्टा, नक्कारा गायन और गीत "आया वसंत" प्रस्तुत की गई।

9 फरवरी, 2019 को माण्डी दिवस का भव्य समापन समारोह "क्रिएटिविटी फेयर" के रूप में मनाया गया।। इस अवसर पर खेल और कला एवं शिल्प गतिविधियों का खुले मैदान में प्रदर्शन किया गया। जिसमें मुखौटा बनाने की गतिविधि में बच्चों ने विशेष रूचि दिखाई। बच्चों के लिए प्रो. बी कामेश विश्व विख्यात जादूगर ने एक रोमांचक जादू का प्रदर्शन किया और फोटोग्राफी विभाग के बच्चों द्वारा खींची गई फोटोग्राफों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई।

राष्ट्रीय बाल भवन की पूर्व निदेशक-श्रीमती मधुपंत-एक प्रसिद्ध लेखिका ने कार्यक्रम में पधार कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एक कला स्टूडियो का उद्घाटन रहा।

इस अवसर पर पूर्व छात्र - श्री सुल्तान आलम जिन्होंने हार्बिन चाइना इंटरनेशनल स्नो मूर्तिकार प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया और उत्कृष्टता के कई पुरस्कार जीते, उन्हें भी सम्मानित किया गया। विभिन्न कार्यक्रमों के विजेताओं को सांस्कृतिक, खेल और कला एवं शिल्प पदक और ट्रॉफियाँ (समूह प्रदर्शन) के साथ सम्मानित किया। प्रतिदिन बच्चों को जलपान दिया गया।

बसंत पंचमी

जवाहर बाल भवन माण्डी सद्भाव और एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए सभी त्यौहारों को मनाने में विश्वास रखती है। सभी बच्चों के साथ मिलजुल कर यहा बसंत पंचमी का त्यौहार पूरे उत्साव के साथ मनाया गया। यह त्यौहार एक विशेष महत्व भी रखता है क्योंकि बाल भवन ललित कलाओं का केन्द्र है और माँ सरस्वती विद्या की देवी है।

बच्चों को विशेष अभिनंदन व सत्कार

बच्चों को माण्डी दिवस के दौरान कला और शिल्प, खेल, नृत्य, नाटक, गायन, वाद्य संगीत और रचनात्मक लेखन कार्यशाला में उनके अद्भुत आर उत्साहपूर्ण प्रदर्शन के लिए प्रमाण पत्र व आकर्षक उपहार दिए गए।

जवाहर बाल भवन माण्डी में 1999 की बाल श्री अवार्डी - वैभव पटोरिया की मौजूदगी ने इस मौके को और भी खास बना दिया। उस दिन बच्चों ने कार्यशालाओं के प्रमाण पत्र और साथ ही वैभव से डॉ. शर्मा सशस्त्र बल प्रमुख द्वारा द्वारा भेजे गए आकर्षक उपहार भी प्राप्त किया।

बच्चों ने जवाहर बाल भवन माण्डी के स्वागत गीत के साथ श्री वैभव को स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया एवं वैभव के अनुरोध पर उन्होंने राष्ट्र के बच्चों को जोड़ने वाले विशेष शीर्षक गीत 'भारत के कोने कोने से हम सब बच्चें आए हैं .....' प्रस्तुत किया।

होली उत्सव

विभिन्न संस्कृतियों के लोगों के बीच एकता और सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए त्यौहारें को मनाने के लिए चल रहे अभ्यास के हिस्से के रूप में जवाहर बाल भवन माण्डी में होली के त्यौहार को पूरी उत्साह और मत्यता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने नक्कारा पर गायन, होली पर दो गीत और एक नाटक - 'मस्त वारी

होली' प्रस्तुत किया एवं इस नाटक के माध्यम से वे सबको यह समझाएं कि होली में केवल शुद्ध और हर्बल रंग का ही उपयोग किया जाना चाहिए। होली से संबंधित विशेष कुछ चित्रों और रेखाचित्रों को भी प्रदर्शित किया गया। अंत में होली के रंगीन त्यौहार पर हिन्दी और बंगाली गीत पर एक भव्य नृत्य प्रस्तुत किया गया और इसे फूलों की पंखुड़ियों और कबीर के छिड़काव के साथ सम्पन्न किया गया जिसके बाद सभी कर्मचारियों और बच्चों ने एक साथ मिलकर टोली खेली।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

यह दिवस पहली बार सदस्य संस्थान निर्मल ज्योति की महिलाओं और बच्चों के साथ उनके द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में मनाया गया। इस अवसर पर माण्डी दिवस की विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विशेषकर जो इस संस्था से थें, उन्हें सम्मानित किया गया।

तत्पश्चात् जवाहर बाल भवन माण्डी में कर्मचारियों और 'छोटी महिलाओं' अर्थात 8 मार्च, 2019 को उपस्थित सदस्य लड़कियों के साथ मिलकर महिला दिवस मनाया गया। गीत, नृत्य और अंताक्षरी की धूमधाम थी।

विशेष गतिविधि - थिएटर

प्रत्येक शनिवार को थिएटर की गतिविधि को संचालन शंकर डे द्वारा किया जाता है, जो स्वेच्छा से जवाहर बाल भवन माण्डी के ग्रामीण बच्चों के लिए सेव प्रदान कर रहे हैं। कई निर्माण इन वर्गों के परिणाम रहे हैं।

छात्रों और पूर्व छात्रों की उपलब्धियां

जवाहर बाल भवन माण्डी के लिए वास्तव में बहुत ही गर्व का क्षण रहा। सभी छात्रों में अल्तमश एक बहुत ही अद्भुत एवं अनुठा किस्म का छात्र है। वह कला - शिल्प, नृत्य, संगीत, अभिनय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने में निपुण है और वह अपने इसी कला कौशल के आधार पर ऑडिशन में बहुत ही कड़ी प्रतिस्पधर्ा के बाद तुर्रम खान नाम फिल्म में एक बाल कलाकार के रूप में चुना गया है। वह शूटिंग के पहले शेड्यूल से लौटे हैं। हंसल मेहता द्वारा निर्देशित और

फिल्म स्टार अजय देवगन और अन्य द्वारा निर्मित इस फिल्म में राजकुमार राव और नुसरत मरूचा मुख्य भूमिका निभाएंगे।

आंचलिक राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में जीत हासिल करके बरखा नामक एक अन्य बाल सदस्य ने जवाहर बाल भवन माण्डी के लिए एक गौरव का क्षण बनाया। पूर्व छात्र सुल्तान आलम चीन हार्बिन इंटरनेशनल आइस इन्स्टेलेज हिम मूर्तिकला चैम्पियनशिप 2019 में टीम इंडिया का हिस्सा है। चार सदस्यों का चयन बहुत ही कठिन प्रतियोगिता के बाद किया गया।

दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बाल भवन केन्द्र

क्षेत्र	बाल भवन केन्द्रों की संख्या
दक्षिणी दिल्ली	12
पश्चिमी दिल्ली	12
उत्तरी दिल्ली	13
पूर्वी दिल्ली	12
कुल	**49**

बाल केन्द्रों की स्थापना, बाल भवन की गतिविधियों को अधिक से अधिक बच्चों तक विशेष रूप से उपेक्षित तथा साधनविहीन बच्चों तक पहुँचाने के लिए ही की गई है। राष्ट्रीय बाल भवन के अन्तर्गत दिल्ली के चार क्षेत्रों में 49 बाल भवन केन्द्र स्थापित हैं। ये बाल केन्द्र आसपास के क्षेत्र में रहने वाले बच्चों के लिए सृजनात्मक केन्द्र के रूप में कार्य करते हैं जो बच्चों को एक ऐसा मंच प्रदान करते हैं, जहाँ वे दृश्य व प्रदर्शन कलाओं के माध्यम से आत्माभिव्यक्ति का अवसर प्राप्त करते हैं। यहाँ बच्चों को स्वस्थ, खुशहाल व तनाव रहित वातावरण में विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ उपलब्ध होती हैं। इन केन्द्रों का मूलभूत उद्देश्य आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से वंचित बच्चों के साथ-साथ स्कूली बच्चों की सहायता करना है, जो किसी भी कारणवश मुख्य बाल भवन की सुविधाओं का लाभ नहीं उठा सकते।

बाल भवन केन्द्र दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में बच्चों को सीखने के विविध प्रकार के अनुभवों से संप्रेषित कराने के साथ-साथ उनके बौद्धिक विकास तथा उनके सौंदर्यबोध को विकसित करने में भी सहायक हैं। वर्ष 2018-2019 में 8427 बच्चों का पंजीकरण हुआ।

दिल्ली में स्थित बाल केन्द्रों की सूची

दक्षिणी दिल्ली (12)

1. एम.सी. प्राइमरी स्कूल
   सब्जी मण्डी के समीप, के ब्लॉक
   कालकाजी, नई दिल्ली-110019
2. केन्द्रीय विद्यालय
   एन.सी.ई.आर.टी. केम्पस
   कुतुब होटल के सामने
   दिल्ली-110026
3. केन्द्रीय विद्यालय
   आई.आई.टी. गेट, दिल्ली-110030
4. एम.सी. प्राइमरी स्कूल
   हुमायूँपुर गाँव, नई दिल्ली-110029
5. राजा राम मोहन राय
   सर्वोदय कन्या विद्यालय
   हौजरानी गाँव, मालवीय नगर
   नई दिल्ली-110017

6. प्रयास ऑबजर्वेशन होम फोर बॉयस
कोटला फिरोज़शाह क्रिकेट स्टेडियम के पीछे
दिल्ली गेट, नई दिल्ली-110002

7. चिल्ड्रन्स होम फोर बॉयस (सी.एच.बी.)
डिपार्टमेंट ऑफ सोशल वेलफेयर
गर्वमेंट ऑफ एन.सी.टी. आफॅ दिल्ली
कस्तूरबा निकेतन कॉम्पलेक्स
लाजपत नगर, नई दिल्ली-110024

8. देव समाज मॉर्डन स्कूल नं. 2
सुखदेव विहार, मसीह गढ़ (समीप
एस्कोर्ट हार्ट अस्पताल) नई दिल्ली-110022

9. एम.सी. प्राइमरी स्कूल
सैक्टर-9, आर.के. पुरम, दिल्ली-110022

10. गर्वमेंट गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल
मदन पुर खादर, दिल्ली-110076

11. सर्वोदया विद्यालय नं. 2
सैक्टर-4, डॉ. अम्बेडकर नगर, दिल्ली-110062

12. विलेज काटेज होम
लाजपत नगर (रिफ्यूजी कालोनी)
कस्तूरबा निकेतन, नई दिल्ली-110024

पश्चिमी दिल्ली (12)

1 सर्वोदय कन्या विद्यालय
समीप डिस्ट्रीक्ट सेंटर, विकास पुरी,
दिल्ली-110018

2 सर्वोदया कन्या विद्यालय
राजौरी गार्डन एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110027

3 एम. सी. प्राइमरी स्कूल
प्रभात रोड, रामजस लेन, करोल बाग
नई दिल्ली-110005

4 बालिका गृह
निर्मल छाया कॉम्पलेक्स
बालिका गृह, जेल रोड
हरी नगर, दिल्ली-110064

5 एम. सी. आदर्श स्कूल,
रानी बाग मुल्तानी मौहल्ला, नई दिल्ली

6 बाबा खड़क सिंह मार्ग
डीआईजेड क्षेत्र, ब्लॉक नं. 82
गेरराज़ बी, 89 के समीप, ब्लॉक राजा बाजार
(बांग्ला साहिब के सामने)
नई दिल्ली-110001

7 एम.सी. प्राइमरी बॉयस मॉर्डन स्कूल
मज़लिस पार्क-2, गली नं. 12,
समीप जल बोर्ड, दिल्ली-110033

8 गर्वमेन्ट गर्ल्स सैकेण्ड्री स्कूल
डिप्टी गंज, सदर बाजार, दिल्ली-110006

9 कॉन्टोनमेंट बोर्ड सैकेण्ड्री स्कूल
वार सेमेन्ट्री रोड, उरी एंक्लेव
बारार सक्वेयर, दिल्ली केन्ट, दिल्ली-110064

10 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
आदर्श नगर (समीप, मदर डेयरी,
आदर्श नगर पार्क), दिल्ली-33

11 बाल निकेतन
निर्मल छाया कॉम्पलेक्स
जेल रोड, हरी नगर के पास, दिल्ली।

12 एम. सी. प्राइमरी स्कूल
मेट्रो पिल्लर नं. 224, शादी खामपुर गाँव,
पश्चिमी पटेल नगर, नई दिल्ली-110008

उत्तरी दिल्ली (13)

1 एम.सी. मॉडल स्कूल
सी-7, लारेंस रोड, गुरूद्वारा के समीप
दिल्ली-110035

2 प्रतिभा विकास विद्यालय
रोहिणी सैक्टर-11, दिल्ली-110085

3 रिचमण्ड ग्लोबल स्कूल
एन.एस.रोहतक रोड, मिंयावाली नगर
इन्द्र एंक्लेव के सामने, पश्चिम विहार
नई दिल्ली-110081

4 झरोंदा कलाँ वेलफेयर सेन्टर, सी.आर.पी.एफ.
झरोंदा कलाँ केन्द्र, दिल्ली-110072

5 बाल सहयोग भवन डिस्पेंसरी
ई-ब्लॉक, नाँगलोई नं. 2, दिल्ली-110041

6 गवर्मेंट को-एजूकेशनल सर्वोदय सैकेण्ड्री स्कूल
सैक्टर-2, रोहिणी, दिल्ली -110085

7 एम. सी. बालिका विद्यालय
बी. टी. ब्लॉक, समीप सिंगल पुर गाँव
पानी की टंकी, शालीमार बाग, दिल्ली।

8 सर्वोदय विद्यालय
रोहिणी सैक्टर-7, नाहर पुर, दिल्ली-110085

9 एम.सी. मॉडल स्कूल
आई-ब्लॉक, जहाँगीर पुरी मार्किट के समीप
दिल्ली-110033

10 जवाहर नवोदय विद्यालय
मुंगेशपुर, गाँव कुतुब गढ़ के समीप
नई दिल्ली-110039

11 नगर निगम प्रतिभा विकास विद्यालय
निमड़ी कालोनी, निमड़ी कालोनी
बस स्टाप के पास, दिल्ली।

12 सर्वोदय विद्यालय
जे.जे. कालोनी, वज़ीरपुर, दिल्ली-110052

13 नजफगढ़
सरस्वती शिशु मंदिर
ढिचाउ रोड, समीप बस स्टैण्ड
नजफगढ़, दिल्ली-110043

पूर्वी दिल्ली (12)

1 बाबू राम सीनियर सैकेण्डरी स्कूल
भोला नाथ नगर, गऊशाला के समीप
शाहदरा, दिल्ली-110032

2 सर्वोदय कन्या विद्यालय
डी-ब्लॉक, (समीप आनन्द विहार रेलवे स्टेशन),
आनन्द विहार, दिल्ली-110092

3 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
राठी मील के पीछे, बलबीर नगर
शाहदरा, दिल्ली-110032

4 सर्वोदय बाल विद्यालय
पूर्वी विनोद नगर, समीप पॉकेट-सी, मयूर विहार,
फेस-2, बस स्टॉप के पास, दिल्ली-110091

5 शिब्बन मॉर्डन पब्लिक स्कूल
डी-ब्लॉक मेन रोड, बृजपुरी
दिल्ली-110094

6 राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय
ईएसआई के समीप, इन्दिरा गाँधी अस्पताल
गेट नं0 4, सूरजमल विहार, दिल्ली -110092

7 सर्वोदय गर्वमेंट गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल
विवेक विहार, दिल्ली।

8 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
ढक्का चौक के समीप और ढक्का बस स्टॉप,
ढक्का गाँव, दिल्ली-110009

9 एम.सी.डी. प्रोजेक्ट कार्यालय
पुरानी इमारत, ई-ब्लॉक
मेन बस स्टैण्ड के समीप
हनुमान मन्दिर के पीछे, कृष्णा नगर,
दिल्ली-110051

10 सीएचजी (चिल्ड्रन होम फोर गर्ल्स)
संस्कार आश्रम
डिपार्टमेंट ऑफ डब्लूसीडी
गर्वमेंट ऑफ एनसीटी
दिलशाद गार्डन, दिल्ली।

11 सीएचबी (चिल्ड्रन होम फोर बॉयस)
संस्कार आश्रम
डिपार्टमेंट ऑफ डब्लूसीडी
गर्वमेंट ऑफ एनसीटी
दिलशाद गार्डन, दिल्ली।

12 ई.डी.एम.सी. प्रतिभा विद्यालय
पूर्वी रोहताश नगर, शाहदरा-110037

भारत में संबद्ध बाल भवनों एवं बाल भवन केन्द्रों की सूची

पूर्वी क्षेत्र

पश्चिम बंगाल

1. जवाहर शिशु भवन
   94/1, चौरंगी रोड़, कोलकाता-700020 (पश्चिम बंगाल)
   फोन नं. 2223-1551/6878/6667, ई-मेल : ncm.va.academy@gmail.com

2. जवाहर शिशु भवन
   पोस्ट ऑफिस बालिटीकुरी, जिला हावड़ा-711113 (पश्चिम बंगाल)
   फोन नं. 033-26532317, ई-मेल : prabal.jsb@gmail.com

ओडिशा

3. राज्य जवाहर बाल भवन
   प्लॉट नं. 624P, 627P, सरकारी स्टेट, पोखारीपुट मेन रोड़, एरोड्रोम एरिया, भुवनेश्वर-751020(ओडिशा)
   फोन नं. 0674-3269166, मो. नं. 09237197667 ई-मेल : madhushreya73@rediffmail.com

4. जिला जवाहर बाल भवन (ज्योतिर्मयी महिला समिति)
   आर-8, ग्वाल सिंह, पोस्ट ऑफिस ठाकुरपटना, केंद्रपाड़ा-754250 (ओडिशा)
   ई-मेल : balbhavan.knd15@gmail.com

5. जिंदल बाल भवन
   जेएसपीएल टाउनशिप, पो.ओ. जिंदल स्कूल कैम्पस, जिंदल नगर, अंगुल-759111 (ओडिशा)
   ई-मेल : opjs@angul.jspl.com

मणिपुर

6. मणिपुर बाल भवन
   सामाजिक अधिकारिता विभाग, निदेशालय परिसर, द्वितीय एम.आर. गेट, इम्फाल-795001 मणिपुर सरकार
   फोन नं. 0385-2448532, मोबाईल नं. (0)8794611546, ई-मेल : balbhavan.manipur@gmail.com

झारखण्ड

7. झारखण्ड स्टेट बाल भवन
   सिटीजन फाउंडेशन, 7, बेतार केन्द्र, निवारन पुर, रांची-834002 (झारखण्ड)
   फोन नं. 651-2482777, 2481777, 3205777, ई-मेल : mail@citizensfoundation.org

8. आशा-लता बाल भवन (विकलांग विकास केन्द्र)
सैक्टर 5-डी, बोकारो स्टील सिटी-827006, जिला बोकारो (झारखंड)
फोन नं. 9835327133, 06542-27766 ई-मेल : ashalatakendra@yahoo.co.in

नागालैंड

9 बाल भवन
सामाजिक अधिकारिता विभाग, नागालैंड, कोहिमा-797001
फोन नं. : 0370-2245761 ई-मेल : socialwelfarengl@gmail.com

मिज़ोरम

10. बाल भवन
मिज़ोरम बाल भवन सोसाइटी, गृह नं. वाई/ए-46, द्वारा सामाजिक अधिकारिता विभाग,
आईज़ोल-796007 (मिज़ोरम) फोन नं.: 0389-2390866, ई-मेल : balbhavanmizoram@gmail.com

बिहार

11. बिहार बाल भवन ''किलकारी''
राष्ट्र भाषा परिषद कैम्पस, सैदपुर, राजेन्द्र नगर, पटना-800004 (बिहार)
फोन नं.: 0612-2661295, ई-मेल : kilkari2008@yahoo.co.in

12. मदर टेरेसा बाल भवन
मदर टेरेसा विद्यापीठ, क्लब रोड रामना, मुज़फ्फरपुर, बिहार-842002
फोन नं.: 07549886640, 9973658416, ई-मेल : motherteresabalbhavan@gmail.com

13. यूनिक बाल भवन
यूनिक क्रिएटिव एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा चलाया जाता है, स्टेशन रोड़, सिंघीयाघाट
जिला समस्तीपुर-848236 (बिहार) फोन नं. : 06275-244442, ई-मेल : ucesociety80@gmail.com

पश्चिमी क्षेत्र

संघ शासित प्रदेश

14. बाल भवन बोर्ड
सरकिट हाऊस के सामने, दादर एवं नगर हवेली संघ क्षेत्र, सिलवासा-396230
फोन नं. : 0260-2642287, ई-मेल : sonimonika72@gmail.com

15. बाल भवन बोर्ड
फुटबाल पार्क, मोती दमन-396220 संघ शासित प्रदेश दमन और दीव
फोन नं.: 0260-2230941, ई-मेल : balbhavandaman@gmail.com

16. बाल भवन बोर्ड
समीप जिला पुस्तकालय, लूहारवाडा, दीव -362520 (दमन और दीव)
फोन नं.: 02875-254516, ई-मेल : balbhavandiu@gmail.com

महाराष्ट्र

17. महाराष्ट्र राज्य जवाहर बाल भवन
नेताजी सुभाष मार्ग, चरनी रोड़ (पश्चिम), मुम्बई-400004 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 022-23614189, ई-मेल : jawaharbalbhavan.mumbai@gmail.com

18. सांई बाल भवन
श्री माता निर्मला देवी नृत्या झंकार, प्लॉट नं0 68, सैक्टर-ए, 4 नं0 पुलिस चौकी के पास
सिडको, औरंगाबाद-430001 (महाराष्ट्र) ई-मेल : meera.pauskar@gmail.com

19. जय हिंद बाल भवन
जय हिंद कॉलोनी, दिओपुर, धुले-424002 (महाराष्ट्र) ई-मेल : jaihindbalbhawan@gmail.com

20. गरवारे बाल भवन
एन-7, बी-1, सिडको, औरंगाबाद-431003 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 0240-2484794, 2472234 ई-मेल : sps@garwarepoly.com, gcccidco@gmail.com

21. ताराबाई संगरपवार बाल भवन
221/बी, परांजजे स्कूल, बजाज नगर, नागपुर-440010 (महाराष्ट्र)
बाल मंदिर संस्था बाल भवन, बजाज नगर, नागपुर (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 0712-2243127 ई-मेल : bmsanstha@gmail.com

22. सांई बाल भवन
58, नंदवन हाउसिंग सोसाइटी, साई बाबा मंगल के पास, नाकाने रोड, दयपुर धुले-424002 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 9303451988 ई-मेल : raigarh@jspl.com

गुजरात

23. बाल भवन
चिल्ड्रन ड्रीम लैंड्स, नेहरू उद्यान रेस कोर्स, राजकोट-360001 (गुजरात)
फोन नं.: 0281-2440930, ई-मेल : balbhavanrajkot@gmail.com

24. बाल भवन सोसाइटी
सायाजी बाग के पीछ, करेलिबौग, वड़ोदरा-390018 (गुजरात)
फोन नं.: 0265-2792718-2795937, ई-मेल : balbhavanbrd@gmail.com

25. कुसम बहन अदानी बाल भवन
अक्षयगढ़-362229, केशोड, जिला जूनागढ, (गुजरात)
फोन नं. 02871-236390, 9426136894 ई-मेल : balbhavan@gurukulmail.com

26. रूपायतन बाल भवन
गिरी टेलेटी, भवनाथ, जूनागढ़- 362004 (गुजरात)
फोन नं.: 0285-2627573, ई-मेल : rupayatanbalbhavan@gmail.com

27. श्री वी. एन. सोलंकी (मोगर) बाल भवन
सैक्टर-28, बी/एच दत्त मंदिर, गाँधीनगर-382028 (गुजरात) फोन नं.: 079-23210477, 9909011297
ई-मेल : janpandya@yahoo.com, shilpimage@gmail.com

28. लालचंद भाई वोरा बाल भवन
द्वारा बाल केलावनी मंदिर, बागासरा, जिला अमरेली (गुजरात)
फोन नं.: 0796-222479, ई-मेल : vvmst@rediffmail.com

29. श्री महात्मा गाँधी बाल भवन
(श्री स्वामीनारायण गुरूकुल कैम्पस) छाया मेन रोड़, पो.ओ.-छाया, जिला पोरबंदर-360575 (गुजरात)
फोन नं.: 0286-2243790, ई-मेल : swamijipbr@gmail.com

30. श्री एन. के. सोलंकी (मोगर) बाल भवन
समीप ओवरब्रिज, आश्रम रोड, जिला नादियाड-387001 (गुजरात) फोन नं.: 0268-2568851

31. बाल भवन, अमरेली
श्री गिरधरभाई बाल संग्रहालय परिसर, रामजी मन्दिर के सामने, पुस्तकालय चौक, अमरेली-365601
(गुजरात) फोन नं.: 02792-222118, 9377914333 ई-मेल : balbhavanamereli@gmail.com

32. सरदार पटेल बाल भवन
मिल रोड आरटीओ के सामने, नादियाड, जिला खेडा-387001 (गुजरात)
फोन नं.: 0286-2566196 ई-मेल : bharat92004@yahoo.com

33. पार्थ एक्टविटीज बाल भवन
अनेरी महिला विकास मंडल, प्लाट नं. 2225/बी, 'पूजा पार्क', सामने अंक्षर वाड़ी मंदिर
वाघावाडी रोड़, भावनगर-364002 (गुजरात) फोन नं.: 078-2470523
ई-मेल : privij64mehta@gmail.com, partactivities.balbhavan@gmail.com

34. शिशु विहार बाल भवन
शिशु विहार सर्कल, नियर क्रिसेंट, कृष्णा नगर, भावनगर-364001 (गुजरात)
फोन नं: 0278-2512850, ई-मेल : mail@shishuvihar.org

35. श्री स्वामीनारायण बाल भवन
धर्मपुर, मालनपाडा, बस स्टॉप के सामने, तलुक धर्मपुर, जिला-वलसाड-396050 (गुजरात)
फोन नं.: 02633-240107, 9913458525, ई-मेल : gandhinagargurukul@gmail.com

गोवा

36. बाल भवन बोर्ड
परेड ग्राउंड के सामने, केंपेल, पणजी-403001, (गोवा)
फोन नं. 0832-2226823 ई-मेल : panajibalbhavan@gmail.com, goabalbhavan@yahoo.in

राजस्थान

37. बाल भवन जयपुर
ए-18, दशरथ मार्ग, हनुमान नगर एक्सटेंशन, सिरसी रोड, जयपुर-302021 (राजस्थान)
फोन नं. 0141-2359917, ई-मेल : balbhavanjaipur@gmail.com

38. वीना मेमोरियल बाल भवन
वीना मेमोरियल एसएसईईडब्ल्यूए सोसायटी, वीना मार्ग, गुलाब बाग, करौली-322241 (राजस्थान)
फोन नं. 07464-220281, 221999 ई-मेल : pvms525@gmail.com, vmsseewa@yahoo.com

उत्तरी क्षेत्र

संघशासित

39. बाल भवन चंडीगढ़
द्वारा भारतीय बाल कल्याण परिषद, यू.टी. ब्रांच, सैक्टर 23-बी, हरियाणा सरकार, चंडीगढ़-160023 (हरियाणा) फोन : 09780300625, 0172-2770393 ई-मेल : iccwchandigarh@gmail.com

हरियाणा

40. बाल भवन हिसार
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला ब्रांच, हिसार (हरियाणा)
फोन नं. : 01662-237027 ई-मेल : dccw.hisar@gmail.com

41. बाल भवन कुरूक्षेत्र
द्वारा बाल कल्याण जिला परिषद, सैक्टर 13, अर्बन स्टेट, कुरूक्षेत्र (हरियाणा)
फोन नं. : 01744-222340, 220271, ई-मेल : dccwkurukshetra@gmail.com

42. बाल भवन रोहतक
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला ब्रांच, रोहतक-124001 (हरियाणा)
फोन नं. : 01262-253819, ई-मेल : dcworohtak@gmail.com

43. सलवान बाल भवन
सलवान पब्लिक स्कूल, सैक्टर-15 (भाग-II), गुड़गांव-122001 (हरियाणा)
फोन नं. 0124-4886050-90, ई-मेल : balbhavan@salwangurgaon.com

44. पठानिया बाल भवन
पठानिया पब्लिक स्कूल, 8 केएम स्टोन, गोहाना रोड, रोहतक, हरियाणा
मो. 09254377414, 09254350347, ई-मेल : ppsrohtak@gmail.com

45. बाल भवन, फरीदाबाद
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला शाखा, एन.आई.टी. बस स्टैंड के पास फरीदाबाद-121001 (हरियाणा), फोन नं. : 1290-2418215

46. बाल भवन, सिरसा
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद बरनाला रोड, सिरसा-125055 (हरियाणा)
ई-मेल : dccwsirsa1976@gmail.com

47. बाल भवन, अम्बाला
द्वारा जिला बाल कल्याण परिषद, हिसार रोड़, अम्बाला सिटी-134003 (हरियाणा)
फोन नं. : 0171-255751, 2556963

48. बाल भवन, भिवानी
द्वारा जिला बाल कल्याण परिषद, भिवानी-127021 (हरियाणा)

पंजाब

49. बाल भवन, पंजाब
सदाराम बंसल मैमोरियल सीनियर सैकेंडरी स्कूल, बसंल एवन्यू, जैतू रोड़, कोटकपूरा-151204 (पंजाब)
फोन नं. : 01635-221186, ई-मेल : srbm_kkp@rediffmail.com

जम्मू व कश्मीर

50. जम्मू बाल भवन
87-पंजीतिरथी, जम्मू-180001(जम्मू व कश्मीर)
फोन नं. : 09419196696, 9419195900, ई-मेल : razdansushil@yahoo.co.in

51. शांति निकेतन बाल भवन
गार्डन एवेन्यू, लेन नं 1, गेस्ट हाऊस रोड़, डाकघर विनायक बाजार, जम्मू तवी-180001(जम्मू व कश्मीर)
फोन नं. 09419196696, 0191-2553726 ई-मेल : listenrenu@yahoo.com

52. कश्मीर बाल भवन
(गुलबान-ए-कश्मीर), अन्तर्गत मजलीसन-निसा जम्मू व कश्मीर सौपोर, मौलाना यासीन कॉम्पलैक्स सामने सरकारी आईटीआई, सौपोर कश्मीर-193201, फोन नं. 09419039827, 01954-223507
ई-मेल : meerasmahalmuseum@gmail.com

उत्तराखण्ड

53. आर्च बाल भवन
एमडीडीए डुप्लेक्स विला 3, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून, उत्तराखंड 248001
फोन नं. 9412054216 ई-मेल : arch.birdcount@gmail.com

54. बाल भवन गोपेश्वर
द्वारा जन शिक्षा समिति, गोपेश्वर, चमोली-246401(उत्तराखंड)
फोन नं. : 01372-252381, 253300, 09412109401, 09758825001
ई-मेल : vinodrawatnd@gmail.com

हिमाचल प्रदेश

55. आधारशिला बाल भवन
आधारशिला पब्लिक स्कूल, उप्पर पन्नर रोड, भावर्ना, पालमपुर, जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश)
पिन-176102 फोन : 09218606017, निवास : 09218606017, 09218506018,
ई-मेल : kherrk@hotmail.com

56. आवर ओन बाल भवन
शाहपुर, जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) पिन-176206
फोन नं. 01892-238112, 239002, ई-मेल : awasthi35@yahoo.com

दक्षिणी क्षेत्र-1

आंध्र प्रदेश

57. जिला बाल भवन गड़वाल
जोगुलाम्बा गड़वाल तेलंगाना, जिला - महबूब नगर, आंध्र प्रदेश-509125 (तेलंगाना)
फोन नं. : 09441255177

58. जिला बाल भवन
द्वारा बापुर कलैक्टोरेट बिल्डिंग, ग्रामसपेट, कलैक्टोरेट ऑफिस कम्पाउण्ड, जिला चित्तूर, आंधप्रदेश-517002
फोन नं. : 09440315924, 9440290051, ई-मेल : distbalabhavan@gmail.com

59. जिला बाल भवन
द्वारा जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, हनमकोंडा, जिला वारंगल-506001 (तेलंगाना)
फोन नं. : 09912500516, ई-मेल : jhansi.bbwgl@gmail.com

60. जिला बाल भवन
तिलक रोड, फायर स्टेशन के सामने, निज़ामाबाद-503001 (तेलंगाना)
फोन नं. : 08462-225503, 09440037622, ई-मेल : saiprabhu11@gmail.com

61. बाल भवन
द्वारा आंध्र एकेडमी ऑफ आर्टस, मुतयालमपाडु, एसबीआई के समीप, विजयवाड़ा,
कृष्णा जिला-500011(आंध्र प्रदेश) फोन नं. : 09989361436, कार्यालय-9989911160

62. चाचा बाल भवन
एसबीआई के समीप, मेन रोड, राजम, जिला श्रीकाकुलम - 532127 (आंध्र प्रदेष्ठा)
फोन नं. : 09348363738, 09440585616, ई-मेल : drsunkariramesh@gmail.com

63. जिला बाल भवन
क्वार्टर नं. ए/285, हिल कालोनी, नालगौंडा जिला, नागार्जुन सागर, आंध्र प्रदेश, पिन-508202
फोन नं. : 08680-276622, 9440440939

64. वीसीएसपी बाल भवन
विशाखा चाइल्ड स्पोनसरशिप प्रोग्राम, रु-53-17-50/7, टीएफ-402, आटोमेटिव मेडिलापालेम,
विशाखापटनम-530013, (आंध्र प्रदेश) फोन नं. : 0891-2792171, 9246640024, 9866300171
ई-मेल : vcspbalbhavan@yahoo.in, tvtgandhi99@gmail.com

65. बाल भवन
द्वारा स्पेस केन्द्रीय स्कूल, स्पेस विभाग आईएसआरओ, डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस, श्रीहरिकोटा-524124
(आंध्र प्रदेश), फोन नं 08623-225123/225001, ई-मेल : sradha@shar.gov.in

66. नेल्लोर बाल भवन-बाल भवन एवं राज्य बाल भवन
120, द्वारका टावरस, टेकेमिट्टा, नेल्लोर-524003 (आंध्र प्रदेश)
फोन नं. 0861-2325659, 9848627158, ई-मेल : subhadra.govindaraju@gmail.com

67. जिला बाल भवन
107, आर एण्ड बी बिल्डिंग, सरोजिनी देवी रोड, समीप रंजना पार्क, तिरूपति, जिला चित्तूर-517501 (आंध्र प्रदेश) फोन नं.: 917723445, 08897393736, ई-मेल : dbbtpt@gmail.com

68. जवाहर बाल भवन
तेलंगाना सरकार, शिक्षा विभाग, पब्लिक गार्डन्स, हैदराबाद-500004
ई-मेल : director_jbbts@yahoo.com

कर्नाटक

69. बाल भवन सोसाइटी
कब्बन पार्क, डिपार्टमेंट ऑफ वुमन एण्ड चाइल्ड डवलपमेंट, कर्नाटका सरकार, बैंगलूरू-560001 (कर्नाटक) फोन नं.: 080-22864189, मो. 9341052284
ई-मेल : secybalbhavan.bng@gmail.com

70. अनुभूति बाल भवन
192, ब्लाक 4, 12-ए मेन रोड, कोरमंगला लेआउट, बेंगलौर-560034 (कर्नाटक)
फोन नं: 080-2558123837, 9448042138, ई-मेल : manjularaman@gmail.com

71. नतानम बाल नाट्य केन्द्र
प्रथम क्रास, चेनल एरिया, राजेन्द्र नगर, शिमोगा-577201 (कर्नाटक)
फोन नं. 08182-223402 फैक्स नं 08182-277251, ई-मेल : manjuk821@gmail.com

72. माउंटेन व्यू बाल भवन
माउंटेन व्यू स्कूल कैम्पस, विद्या नगर, चिकमंगलूर-577101 (कर्नाटक)
फोन नं.: 08262-223140/222228, मो. 9611967170, ई-मेल : mvi_school@yahoo.co.in

73. बाल भवन
न. 67/2 वृद्धाहाली रोड, सागर-577401 (कर्नाटक)
फोन नं.: 08183-236228, 08095469347, ई-मेल : rpssagara@gmail.com

74. विद्या बाल भवन
सामने रेलवे स्टेशन बनवारा, आरसिकेरे-तालुक, हसन जिला-573103 (कर्नाटक)
फोन नं.: 01874-235018, 7026418709
ई-मेल : kgnataraj1970@gmail.com, srigowori1981@gmail.com

75. जिला जवाहर बाल भवन
बन्नीमनताप, मैसूर-570015 (कर्नाटक)
फोन नं.: 09060300196, 9448914794, 0821-2495486, ई-मेल : rpssagar@gmail.com

दक्षिणी क्षेत्र - II

केरल

76. जवाहर बाल भवन, त्रिचूर-680020 (केरल)
फोन : 0487-2370560, 2332909, 9847225223, ई-मेल : balbhavanthrissur@gmail.com

77. जवाहर बाल भवन
शास्त्री जंक्शन, कोल्लम-691001 (केरल)
फोन नं.: 0474-2744365/2763899, ई-मेल : balbhavanklm@gmail.com

78. जवाहर बाल भवन
बाल भवन रोड, पैलेस वार्ड, अल्पुजहा-6880011 (केरल) फोन नं.: 0477-2260622/2264254

79. केरल राज्य जवाहर बाल भवन
कनककुन्नु, विकास भवन पोस्ट ऑफिस, तिरुवनंतपुरम-695033 (केरल) फोन नं.: 0471-2316477
ई-मेल : jawaharbalbhavantvm@gmail.com, jawaharbalbhavan@gmail.com

80. रंग प्रभात बाल भवन
अलुम्तरा, वेंन्जारामुडु पोस्ट ऑफिस, तिरुवनंतपुरम-695607 (केरल)
फोन नं. 0472-2872344,/9447554190, ई-मेल : rangaprabhath@yahoo.com

81. सुहरूथ बाल भवन
सुरूथ नाटक कालारी, विथुरा-695551(केरल)
फोन नं.: 04722-858688, ई-मेल : vithurasuhruthbalbhavan@gmail.com

82. श्री सत्य सांई बाल भवन
श्री सत्य सांई ओरफांगे ट्रस्ट, 9/1108 अजित बिल्डिंग संस्था मंगलम, तिरूवनंतपुरम-695010 (केरल)
फोन नं. : 0471-2721422, 2115161, ई-मेल : saigramam@gmail.com
sainikethan@hotmail.com

तमिलनाडु

83. जवाहर बाल भवन
कला और संस्कृति विभाग
तमिल वलारची वलगाम, दूसरा तल, हॉलस रोड, एग्मोर चेन्नई -600008 (तमिलनाडु)
फोन नं. : 044-28192152 मो. 9444461186 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

84. जवाहर बाल भवन
सिंगरम पिल्लै प्राइमरी स्कूल, विल्लीवक, पैरियार नगर, चेन्नई-600008 (तमिलनाडु)
फोन नं. : 044-28192152 मो. 9444461186 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

85. जवाहर बाल भवन
विज़डम मैट्रिकुलेशन स्कूल, कृष्णमूर्ति नगर, व्यासर पाडी, चेन्नई-6001018 (तमिलनाडु)
फोन नं. : 044-28192152 मो. 9444461186 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

86. जवाहर बाल भवन
जिला संगीत विद्यालय, नं. 73-ए, मीतू स्ट्रीट, कांचीपुरम - 631502, जिला-तमिलनाडु
फोन नं. : 044-23624238 मो. 944133105, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

87. जवाहर बाल भवन
जिला संगीत विद्यालय, तिरूमति लोगकनाथन, मैट्रीकुलेशन हायर सैकेण्ड्री स्कूल, #65 धर्माराजा कोइल स्ट्रीट, आरकोट, जिला वेलोर-632503 (तमिलनाडु) फोन नं. : 04172-235899 मो. 9994291129

88. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत स्कूल, 16, पवाला कुन्द्रू, माडालायाम, तिरूवनमलय-606601(तमिलनाडु)
फोन नं. : 9786298609

89. जवाहर बाल भवन
सरकारी संगीत स्कूल कैम्पस, श्रद्धा कॉलेज मेन रोड, कैनरा बैंक, सामने पोस्ट-सेलम-630016(तमिलनाडु)
फोन नं. : 0427-2443594, 2330021, 9443109337

90. जवाहर बाल भवन
राथिनासभापति पर्यावरणीय कैंपस, 117-ए, डॉ. सान सलैई, एल.आई.सी. के पीछे,
नामक्कल-637001 (तमिलनाडु)

91. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत स्कूल, 67, डॉक्टर ले आउट, समीप क्लब लेन, सम्पत नगर, ईरोड-11,
(तमिलनाडु), फोन नं. 9443532934

92. जवाहर बाल भवन
सरकारी उच्चत्तर माध्यमिक स्कूल कैम्पस, उथगामंडलम, (तमिलनाडु)

93. जवाहर बाल भवन पुड्डूकोट्टई
आर्ट एवं कल्चर सेन्टर, 22/13 स्मद स्कूल स्ट्रीट, काज़ा नगर, थिरूचिरापल्ली-620020 (तमिलनाडु)
फोन नं.: 0431-2423122 मो. 09443153122, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

94. जवाहर बाल भवन करूर
आर्ट एवं कल्चर सेन्टर, नाईट सोइल रोड मूलाथोप्पू, श्रीरेनगम, थिरूचिरापल्ली-620006 (तमिलनाडु)
फोन नं. : 944315312209337, फैक्स-0431-2434122

95. जवाहर बाल भवन
तंजावुर, रजियोनल असिस्टेंट कल्चर, क्षेत्रीय आर्ट सकंल्चर सैंटर नं. 5, मणी महलाई स्ट्रीट, मुथमैल नगर,
मैडिकल कॉलेज रोड, तंजावुर-613009 (तमिलनाडु) फोन नं.: 04362-30121

96. जवाहर बाल भवन
राज्य सरकारी संगीत स्कूल कैंपस, कार्पोरेशन प्ले ग्राउंड, विल्लूपुरम्-605602 (तमिलनाडु)
फोन नं.: 9629036923

97. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत विद्यालय कैम्पस-2, पुडुपलायम रोड, थंजावुर, पुडु थेरू, कडलूर-607001
(तमिलनाडु)

98. बाल भवन
आर्ट एवं कल्चर सैंटर 16/157, अलागार कोविल सलाई, मदुरै-625009(तमिलनाडु)
फोन नं.: 0452-22661795 मो. 09842761765 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

99. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत विद्यालय, नं. 84, सत्यमूर्ति स्ट्रीट, शिवगंगा-630561
फोन नं.: 9597726333

100. जवाहर बाल भवन
क्षेत्रिय आर्ट एण्ड कल्चर सेंटर, सरकारी संगीत कॉलेज कैम्पस, पशुमलैई, मधुरई, अली नागाराम, थेनी-625531(तमिलनाडु), फोन नं. : 9789000657, 0452-22661795
ई-मेल : artandculture@tngovt.in

101. जवाहर बाल भवन
क्षेत्रीय आर्ट एवं कल्चर सैंटर, तमिलनाडु, देव कल्चर सैंटर बिल्डिंग, 820/8, ट्रैक्टर स्ट्रीट, एन.जी.ओ. 'ए' कॉलोनी, तिरूनलवेल्ली-627011(तमिलनाडु)
फोन नं.: 04651-281622, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

102. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत स्कूल, 2/3सी, गणेश नगर पश्चिम, 4th स्ट्रीट, थिरूचन्दूर सलाई, तूतीकोरिन-628008(तमिलनाडु) फोन नं.: 9487048658

103. जवाहर बाल भवन
एसएलबी राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नागरकोईल, जिला कन्याकुमारी (तमिलनाडु)
फोन नं.: 9842649466

संघशासित क्षेत्र

104. जवाहर बाल भवन
नं. 1, मरियामलाई, अदिगल सलाई, पुराने बस स्टैंड के पास, पुडूचेरी-605001
फोन नं. 0413-2225751, 2207206, 2207201
ई-मेल : jbbpondy@gmail.com, jbb-edn.py@gov.in

मध्य क्षेत्र

उत्तर प्रदेश

105. बाल भवन
16/99-ए, फूल बाग, कानपुर-208009 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 0512.2313129, ई-मेल : balbhawan3129@gmail.com

106. जवाहर बाल भवन
जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल फंड, आनंद भवन, इलाहाबाद-211002 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 0532-2467078, मो. 09335411450, ई-मेल : jlnmfald@dataone.in

107. बाल भवन
एनएच-2, क्वाटर नं. डी-215, एनटीपीसी कॉलोनी, रिहंद नगर, जिला-सोनभद्र-231223 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 05446248280, ई-मेल : hkjain@ntpc.co.in

108. बाल भवन
ऊर्जा विहार, एन.टी.पी.सी., डाकघर-ऊँचाहार, जिला रायबरेली-229406 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 05311-232430 मो. 09871094763 ई-मेल : balbhawanunchahar@gmail.com

109. पंडित कन्हैया लाल पुंज बाल भवन
सीतामणि, संत रविदास नगर, जिला, भदौही-221309 (उत्तर प्रदेश)
दूरभाष: 9838335726, 05414-236762, ई-मेल : balbhavansitamarhi@rediffmail.com

110. अमित बाल भवन
गांधी पार्क, 439, इन्द्रा कॉलोनी, स्ट्रीस नं. 4, रायपुर रोड़, फिरोज़ाबाद-283203 (उत्तर प्रदेश)
ई-मेल : dr.amit0190@gmail.com

111. बाल भवन
एनटीपीसी पोस्ट ऑफिस, दादरी विद्युत नगर, जिला-गौतमबुद्ध नगर, नोएडा-201008 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 0120-2805846 मो. 9871864951/9650994626
ई-मेल : balbhavandadri@gmail.com

112. बाल भवन अमरोहा
नवादा ग्रामोद्योग विकास समिति, मोहल्ला बागला, अमरोहा, जे.पी. नगर-244221 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 05922-259665, 094110071882 ई-मेल : ngvs2008@gmail.com

113. बाल भवन
यूनिटी चिल्ड्रन एकेडमी सिरसी, मो. सराय सदाक, डालन सिरसी, मुरादाबाद-248001 (उत्तर प्रदेश)
मो. 09411431912, ई-मेल : kingshabih@gmail.com

114. शिव शारीरिक शिक्षा एजुकेशन पर्यावरण सोसाइटी (स्पीडस)
460, समीप गायत्री मंदिर, आंतिया तलाब, झांसी-284001 (उत्तर प्रदेश)
ई-मेल : speedjhansi@gmail.com

मध्य प्रदेश

115. संभागीय बाल भवन
(महिला एवं बाल विकास विभाग), 129, मयूर मार्किट, ग्वालियर-474011 (मध्य प्रदेश)
फोन नं.: 9425121695 ई-मेल : vijaybalvikas@gmail.com

116. इंदौर बाल भवन
29/3, ओल्ड पलासिया, महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्य प्रदेश्ठा सरकार,
इंदौर-452001(मध्य प्रदेश) फोन नं.: 0731-2576332 मो. 09826816863
ई-मेल : balbhavanind@gmail.com

117. संभागीय बाल भवन
केशरवानी कॉलेज, लोहियापुल, गराह फाटक, जबलपुर (मध्य प्रदेश) फोन नं.: 9479756905

118. बाल भवन सागर
मध्य प्रदेश सरकार, एचआईजी-1, पदमाकर नगर राजाकेदी, मकरोनिया, सागर-470003 (मध्य प्रदेश)
फोन नं.: 07582-230221, मो. 09425096898, ई-मेल : कपअइंसइींअंदेंहंत/हउंपसण्बवउ

119. जवाहर बाल भवन
1250-।। स्टॉप, तुलसी नगर, भोपाल-462003 (मध्य प्रदेश)
फोन नं.: 0755-2558059, ई-मेल : balbhavan3@gmail.com

120. अभिनव बाल भवन
केयर ऑफ कैरियर वेलफेयर सोसायटी, 239, पुतलीघर कॉलोनी, शाहजहांनाबाद,
भोपाल-462001 (मध्य प्रदेश) मो. 9753589295, ई-मेल : abhinavbb.123@gmail.com

121. बाल भवन उज्जैन
वुमन एण्ड चाइल्ड डवलपमेंट सेक्शन मध्य प्रदेश सरकार, विक्रम कीर्ति मंदिर के समीप,
काठी रोड, उज्जैन-456010 (मध्य प्रदेश) मो. 98930-08817

122. बाल भवन
पीली कोठी, रीवा-486001 (मध्य प्रदेश) फोन नं.: 07662-254379

123. बाल भवन छिंदवारा
गुलमोहर कालोनी, पोस्ट-तामिया, जिला छिंदवारा-480559 मध्य प्रदेश
फोन नं.: 9425833648/7354169650, ई-मेल : lokmangal0043@rediffmail.com

छत्तीसगढ़

124. जिंदल बाल भवन
जिंदल स्टील एवं पावर लिमिटेड, पोस्ट बाक्स नं. 16, खर्सिया रोड़ रायगढ़-496001 (छत्तीसगढ़)
फोन नं.: 07762-227001 मो. 9303451988 ई-मेल : shishir.sinha@jspl.com, raigarh@jspl.com

125. ओ.पी. जिंदल बाल भवन
केअर ऑफ जिंदल पावर लिमिटेड, वीपीओ, तामनार, रायगढ़-496107 (छत्तीसगढ़)
फोन नं.: 9329438428, ई-मेल : vineet@jindalpower.com

126. बाल भवन एनटीपीसी
उज्जवल नगर, जिला बिलासपुर-495006 (छत्तीसगढ़)
फोन नं.: 07752-546535, ई-मेल : abinashpathak@ntpc.co.in

राज्य स्तरीय बाल भवन केन्द्र

1. आदिवासी बाल भवन खानवेल
   बाल भवन बोर्ड, सामने सर्किट हाउस, दादरा और नगर हवेली केन्द्रशासित प्रदेश, सिलवासा-396230
   फोन नं.: 0260-2642287, 2642700/2230700, ई-मेल : sonimonika72@gmail.com

2. आदिवासी बाल भवन दपाद्दा
   बाल भवन बोर्ड, सामने सर्किट हाउस, दादरा और नगर हवेली केन्द्रशासित प्रदेश, सिलवासा-396230
   फोन नं.: 0260-2642287, 2642700/2230700, ई-मेल : sonimonika72@gmail.com

3. आदिवासी बाल केन्द्र
   पूर्व माध्यमिक विद्यालय, संयुक्ता नगर, बावरे, पोस्ट भिक्खीचारू, जिला-गाजियाबाद-401209(उत्तर प्रदेश),
   फोन नं.: फोन नं.: 0981932221, 07523945652, 09919322221,
   ई-मेल : shashankmohan.rai@gmail.com

4. उन्नायन बाल केन्द्र
   मेजा रोड, इलाहाबाद-212303(उत्तर प्रदेश), फोन नं.: 9415635383, 9621313320,
   9415266619, 9918974324, ई-मेल : balkendramejaroad@gmail.com

5. गिरिवासी वनवासी बाल केन्द्र
   गिरिवासी वनवासी सेवा प्रकल्पा, एक्सलव्या नगर, घोरावाल-231210 (उत्तर प्रदेश)
   फोन नं.: 09450321867, 81279448480, ई-मेल : hksinghkeota@gmail.com

6. परमसुख आदिवासी बाल केन्द्र
   धौलखर, कोराउन, इलाहाबाद-212306(उत्तर प्रदेश)
   फोन नं.: 0141-2359917, ई-मेल : rajam8247@gmail.com

7. सरस बाल केन्द्र
   खिरनी फाटक, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, अमर नगर, समीप रेलवे क्रॉसिंग, सी खातीपुरा, जयपुर,
   (राजस्थान)-302012, फोन नं.: 9829056002, ई-मेल : balbhavanjaipur@gmail.com

8. गोदावन बाल केन्द्र
   राजस्थान पुलिस अकादमी कैम्पस, नेहरू नगर, पानीपेच, जयपुर (राजस्थान)-302006

9. बाजलता बाल केन्द्र
   तहसील - सम्भा, जिला - जम्मू (जम्मू और कश्मीर)
   फोन नं.: 9419195900, ई-मेल : razdansushil@yahoo.co.in

10. रंगपुर बाल केन्द्र
    मुलानियां, तहसील-आर.एस. पुरा, जिला जम्मू-181102 (जम्मू और कश्मीर)
    फोन नं.: 0919-2553726, ई-मेल : sushilksmotra@gmail.com

11. चुराचांदपुर बाल केन्द्र
द्वारा रेंजकोई सरकारी सीनियर स्कूल, रेंजकोई चुराचांदपुर, मणिपुर

12. सेनापति बाल केन्द्र
द्वारा ब्राईट अकादमी स्कूल, सेनापति बाजार, मणिपुर। ई-मेल : saniistevel@gmail.com

13. द्वारा बाल भवन समिति
डी-1, एनटीपीसी टाउनशिप, सैक्टर-33, नोएडा-201301(उत्तर प्रदेश) फोन नं.: 0120-4945188

14. भारती बाल केन्द्र
गाँव और पोस्ट ऑफिस - बाटी, मथुरा-281004 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 9412626588, 9457028252, ई-मेल : bhartimitra1816@rediffmail.com

15. (भारतीय जन कल्याण शिक्षा समिति)
एफ-2, कावेरी रॉयल अपार्टमेंट, स्वर्ण जयंती नगर, ए.डी.ए. कॉलोनी, रामबाग रोड,
अलीगढ़-202001 (उत्तर प्रदेश)

16. प्रारंभ कला अकादमी
सोलिटेअर टोउन, बी-विंग, 503-504, मनपाडा, घोडबंदर रोड, थाणे (पश्चिम)-400610, महाराष्ट्र
फोन नं.: 9821108156,
ई-मेल: arundhati801@yaho0o.co.in, prarambhakalaacademy@gmail.com

31.03.2019 को राष्ट्रीय बाल भवन कार्मिकों की सूची

ग्रुप क

1. श्रीमती राशी शर्मा, उपसचिव, म.सं.वि.मं. (अतिरिक्त चार्ज निदेशक, रा.बा.भ.)
2. श्रीमती इंद्राणी चौधूरी, उप निदेशक (कार्यक्रम समन्वयक एवं अनुसंधान)
3. श्री मुकेश गुप्ता, उप निदेशक (प्रशासन)
4. श्रीमती आशा भट्टाचार्जी, सहायक निदेशक (विज्ञान) एवं प्रभारी (कार्यक्रम)

ग्रुप ख

5. डॉ. रश्मि शर्मा, संग्रहालयाध्यक्ष (संग्रहालय) (30-11-2018 को सेवानिवृत्त)
6. श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, प्रभारी अधिकारी (बा.भ.के.)
7. श्री जगदीप सिंह बेदी, प्रभारी अधिकारी (प्रदर्शन कला)
8. श्री अरविंद कुमार, सहायक लेखा अधिकारी (अन्य कार्यालय से रा.बा.भ. में प्रतिनियुक्ति पर)

ग्रुप ग

9. श्री दिनेश कुमार, अनुभाग अधिकारी
10. श्री ए. ए. मल्लिक, सुरक्षा अधिकारी-सह-केयरटेकर
11. श्रीमती गुरदीप कौर, कार्यालय सहायक
12. श्री राजू टंडन, कार्यालय सहायक
13. श्री जगदीश कुमार कोली, प्रबंधक (प्रकाशन)
14. श्रीमती परमिंदर बोसु चौधूरी, कार्यक्रम संयोजक
15. श्री अश्विनी कुमार भट्ट, संयोजक (आविष्कारक क्लब)
16. श्री ऋषभ अरोड़ा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (कम्प्यूटर)
17. श्री आशीष भट्टाचार्जी, वरिष्ठ प्रशिक्षक (छायांकन)
18. श्री जय भगवान राणा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (शारीरिक शिक्षा)

19. श्री मनोज कुमार मिश्रा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक)
20. श्री चन्द्रमणि, सहायक प्रबन्धक (प्रदर्शन कला)
21. श्रीमती नेहा वत्स, कलाकार (प्रदर्शन कला)
22. श्री मेहताब हुसैन, कनिष्ठ प्रशिक्षक (काष्ठ कार्य) - सेवानिवृत्त 30.11.2018
23. श्री नागेन्दर सिंह बिष्ट, कनिष्ठ प्रशिक्षक (क्ले)
24. श्री देवेन्द्र कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (जिल्दसाजी)
25. श्री काशी नाथ, कनिष्ठ प्रशिक्षक (मॉडलिंग)
26. श्री राजीव कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (बुनाई)
27. श्री अमित सिंह, कनिष्ठ प्रशिक्षक (डार्क रूम)
28. मो. अनिरूल इस्लाम, कनिष्ठ प्रशिक्षक (चित्रकला)
29. श्री नीरज कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (शारीरिक शिक्षा)
30. श्री मोहन कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (जूडो)
31. श्री वासुदेव, कनिष्ठ कलाकार
32. श्रीमती स्मृति अरोड़ा, कनिष्ठ कलाकार (संग्रहालय)
33. श्री सतीश पारचा, पर्यवेक्षक (बा.भ.के.-वरिष्ठ ग्रेड) - सेवानिवृत्त 30.9.2018
34. श्रीमती चन्द्रकांता शर्मा, पर्यवेक्षक (बा.भ.के.)
35. श्री संजय कुमार जैन, पर्यवेक्षक (बा.भ.के.)
36. श्री चमन लाल, उ.श्रे. लिपिक
37. श्री विनोद सिंह बिष्ट, उ.श्रे. लिपिक - (अन्य कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर)
38. श्रीमती सीमा चौहान माथुर, उ.श्रे. लिपिक
39. श्री जगदम्बा प्रसाद, उ.श्रे. लिपिक
40. श्रीमती माया रानी, उ.श्रे. लिपिक
41. श्री चिरंजी लाल, उ.श्रे. लिपिक
42. श्री गोपाल राम आर्य, नि.श्रे. लिपिक
43. श्री सुधीर कुमार, नि.श्रे. लिपिक
44. श्रीमती विनोद सांगवान, कनिष्ठ आशुलिपिक (हिन्दी)
45. श्रीमती अनीता राय, कनिष्ठ आशुलिपिक (हिन्दी)
46. सुश्री अमृता साव, अनुवादक
47. श्री मदन लाल मेहता, इलैक्ट्रीशियन

48. श्री अरविंद कुमार चौहान, स्टेज टेक्नीशियन सह इलैक्ट्रीशियन

49. श्री मनोज कुमार वर्मा, कनिष्ठ इलैक्ट्रीशियन

50. श्री सुनील कुमार, चालक

51. श्री बृज कुमार, चालक

52. श्री प्रदीप भट्ट, चालक

53. श्री आर.के. रामास्वामी, तकनीकी सहायक

54. श्री अश्विनी कुमार, तकनीकी सहायक

55. श्रीमती रजनी देवी, वार्डन छात्रावास

56. सुश्री नीता, वरिष्ठ पुस्तकालयाधयक्ष सह प्रशिक्षक

57. श्रीमती प्रतिज्ञा, कनिष्ठ पुस्तकालयाधयक्ष सह प्रशिक्षक

58. सुश्री निधी सरियाल, कनिष्ठ अनुसंधान सहायक (संग्रहालय)

59. श्री राम सिंह साही, रसोईया

पूर्व ग्रुप-घ (एम.टी.एस.)

60. श्री सरोप राम

61. श्री गैंदा राम

62. श्री रमेश कुमार

63. श्री सुरेन्द्र सिंह

64. श्री साहब सिंह मीना

65. श्री जय राम

66. श्री रमेश प्रसाद यादव

67. श्री प्रेम सिंह साही

68. श्रीमती गीता साही

69. श्री जगदीश चन्द्र

70. श्री मुन्ना लाल

71. श्री जसवंत सिंह सैनी

72. श्री महेश कुमार

73. श्री केलाश चन्द

74. श्री गोविंद सिंह बिष्ट

75. श्री नेत्र सिंह बिष्ट
76. श्री राम दीन
77. श्री राम विनोद सिंह
78. श्री तारकेश्वर गोंड
79. श्री मोहन सिंह सैनी
80. श्री लायक सिंह
81. श्री राम दुलारे
82. श्री महादेव
83. श्री कँवर भान
84. श्री मोहन लाल
85. श्री डूँगर सिंह
86. श्री अशोक कुमार तोमर - सेवानिवृत्त 31.8.2018
87. श्री धनपाल सिंह
88. श्री जय चंद
89. श्री हरेन्दर सिंह
90. श्री दुर्गा प्रसाद
91. श्री महिन्द्र सिंह
92. श्री उमेश कुमार
93. श्री किशन लाल - सेवानिवृत्त 31.3.2019
94. श्री बिल्लू
95. श्री बिशन स्वरूप
96. श्री दास
97. श्री होरी लाल
98. श्री नितिन
99. श्रीमती अनुराधा
100. श्री बाबू लाल मीना

भाग ख

वार्षिक लेखा

2018-19

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

SINGH CHHABRA & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS

लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में,
प्रबंधक मंडल
राष्ट्रीय बाल भवन

हमने 31 मार्च 2019 तक के लिए **राष्ट्रीय बाल भवन (NBB),** कोटला रोड़, नई दिल्ली–110002 के संलग्न तुलनपत्र तथा इसी तिथि को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष के लिए तैयार एवं इसके साथ संलग्न आय एवं व्यय खाते की भी लेखा परीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण राष्ट्रीय बाल भवन के प्रबंधक मंडल का उत्तरायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व इन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर विचार व्यक्त करना है।

हमने भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखा परीक्षा का आयोजन किया है। इन मानकों की अपेक्षा है कि हम लेखा परीक्षा की आयोजना और निष्पादन इस बात का पर्याप्त आश्वासन प्राप्त करने के लिए करें कि इन वित्तीय विवरणों में किसी भी प्रकार की वास्तविक प्रतीति की मिथ्या सूचना शामिल नहीं है। लेखा परीक्षा में वर्णित वित्तीय विवरणों में दी गई राशियों तथा निष्कर्षों की उपयुक्तता की जांच के लिए नमूना आधार पर परीक्षण शामिल है।

अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम यह रिपोर्ट देते हैं कि :

i) हमारे विचार में तथा हमें प्राप्त सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त लेखों को जब अन्य नोट्स के साथ पढ़ा गया तो इन्हें अनुरक्षित लेखा बहियों के अनुरूप पाया गया।

ii) हमारे विचार में तथा हमें प्राप्त सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त लेखों तथा वित्तीय विवरणों से अधिनियम में अनिवार्य सब सूचनायें प्राप्त होती हैं तथा इनमें भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों का अनुपालन किया गया है।

(क) तुलनपत्र के विषय में, **31 मार्च 2019** को राष्ट्रीय बाल भवन की वित्तीय स्थिति।

(ख) इसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते तथा घाटे की स्थिति।

कृते सिंह छाबड़ा एण्ड कम्पनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट

हरीश कुमार छाबड़ा
(पार्टनर)
एम नं0 500104
स्थान : दिल्ली
तिथि : 28.06.2019

Delhi Office: 305, V 4 Tower, Plot No. 14, Karkardooma Community Centre, Delhi-110092, Tel.: +91(11)43632550
Dehradun Office : 1, Turner Road, Clement Town, Dehradun-248002
Email : mail@scco.co.in Website : www.singhchhabra.com

31 मार्च 2019 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

निधि के स्रोत	अनुसूची	2018-19	2017-18
समग्र/पूंजी निधि	1	(7314,34,310)	(5908,47,857)
निर्धारित/निश्चित की गई/इंडोमेंट निधि	2	2,50,835	2,50,835
ऋण देयता		–	–
वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध	3	8674,81,689	7463,83,445
कुल		**1362,98,214**	**1557,86,423**
पूंजी अनुप्रयोग			
अचल परिसंपत्तियां	4	537,19,714	540,69,331
मूर्त परिसंपत्तियां		537,07,497	540,33,820
अमूर्त परिसंपत्तियां		12,217	35,511
पूंजीगत चल रहे कार्य			
निश्चित/इंडोमेंट निधि से निवेश	5	–	–
दीर्घ अवधि			
लघु अवधि			
अन्य निवेश	6	–	–
वर्तमान परिसंपत्तियां	7	106,06,045	248,84,906
ऋण/अग्रिम एवं जमा	8	719,72,455	768,32,186
कुल		**1362,98,214**	**1557,86,423**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23		
लेखा नोट्स	24		

स.ले.अधिकारी	परामर्शदाता (वित)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

31 मार्च 2018 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय तथा व्यय खाता

राशि रुपयों में

विवरण	अनुसूची	2018-19	2017-18
आय			
शैक्षिक प्राप्तियां	9	-	-
अनुदान/सब्सिडी	10	1926,84,623	1511,55,873
निवेश से आय	11	-	-
अर्जित ब्याज	12	12,48,220	1,63,876
अन्य आय	13	11,61,738	11,92,796
गत अवधि की आय	14	-	-
कुल (क)		**1950,94,581**	**1525,12,545**
व्यय			
कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय)	15	1150,34,733	809,61,600
सेवानिवृत्ति लाभ	15क	1630,04,724	878,02,623
अनुदान एवं उपदान आदि पर व्यय	10	-	-
शैक्षिक व्यय	16	142,97,186	94,91,975
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	398,04,300	408,86,115
परिवहन व्यय	18	46,725	1,59,855
मरम्मत एवं अनुरक्षण	19	53,29,592	18,30,228
वित्त लागत	20	51,282	11,480
मूल्य ह्रास	4	39,05,908	31,71,105
अन्य व्यय	21	-	-
गत अवधि के व्यय	22	10,70,586	11,54,044
कुल (ख)		**3425,45,036**	**2254,69,025**
व्यय पर आय की अधिकता के कारण शेष		(1474,50,455)	(729,56,480)
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23		
लेखा नोट्स	24		

स.ले.अधिकारी	परामर्शदाता (वित)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

31 मार्च 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2018-19	2017-18
I. आरंभिक शेष		
क. नकद शेष (एच.क्यू.)	-	-
ख. बचत खाता (एच.क्यू.)	244,94,769	180,03,444
II. प्राप्त अनुदान भारत सरकार से		
क) मानव संसाधन विकास मंत्रालय से		
- पूंजीगत व्यय के लिए	84,27,000	90,00,000
- राजस्व व्यय के लिए	1790,89,000	1581,28,000
III. शैक्षिक प्राप्तियां	-	-
IV. विविध देनदार	-	-
V. स्थाई परिसंपत्तियों की बिक्री	-	1,25,000
VI. अन्य निधियों में निवेश से आय	-	-
VII. निम्न लिखित पर प्राप्त ब्याज		
क. बैंक जमा पर	-	-
ख. ऋण तथा अग्रिम पर	-	-
ग. बचत बैंक खाते पर	12,23,403	7,99,637
VIII. अन्य आय	3,54,516	3,51,611
IX. विगत अवधि आय	2,16,614	-
X. अन्य प्राप्तियां - देय		
भारतीय जीवन बीमा निगम (जी ई आई)	-	1,15,565
आंतरिक प्राप्ति लेखा	3,02,450	-
बैंक द्वारा अतिरिक्त ऋण	12,000	-
XI. चालू देयताएं		
प्रतिभूति जमा	27,65,656	2,00,500
कार्य निष्पादन प्रत्याभूति	-	1,00,000
XII. जमा एवं अग्रिम		
अग्रिम की वसूली	-	34,81,768
कुल	**2168,85,408**	**1903,05,525**

अदायगियां	2018-19	2017-18
I. व्यय		
क. स्थापना व्यय	205,09,104	219,31,871
ख. वेतन एवं भत्ते	867,17,550	533,36,038
ग. अन्य व्यय	352,22,545	318,06,855
घ. शैक्षिक व्यय	142,69,418	94,92,849
ड. प्रशासनिक व्यय	233,65,051	252,20,999
च. परिवहन व्यय	46,725	1,45,522
छ. मरम्मत एवं रखरखाव	52,85,322	18,29,814
ज. पूर्व अवधि के व्यय	-	8,52,878
झ. अन्य व्यय	51,282	11,480
II. प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं के प्रति भुगतान - राज्यों को सहायता		
III. स्थायी परिसंपत्तियों एवं प्रगतिरत पूंजीगत कार्यों पर व्यय		
क. स्थाई परिसंपत्तियाँ (अनुसूची 4)	35,15,545	18,77,826
IV. संविधिक भुगतान सहित अन्य भुगतान		
सप्लायर/ लेनदारों को भुगतान	-	-
शुल्क एवं कर	1,22,000	1,10,750
देय सामान्य व्यय	2,47,579	11,26,056
देय वेतन व्यय	44,01,316	33,66,442
V. अन्य भुगतान		
	1,15,565	-
	6,35,761	-
VI. जमा एवं अग्रिम		
अग्रिम	121,47,428	146,11,276
कार्य निष्पादन गारण्टी	-	-
प्रतिभूति जमा	-	90,100
	19,511	
VII. पूंजीगत व्यय हेतू अग्रिम	-	-
VIII. अंतिम शेष		
क. नकद शेष (एच.क्यू.)	-	-
ख. बचत खाते में (एच.क्यू.)	102,13,706	244,94,769
कुल	**2168,85,408**	**1903,05,525**

स.ले.अधिकारी | परामर्शदाता (वित्त) | उप-निदेशक(प्रशा.) | निदेशक

अनुसूची-1 – समग्र/पूंजीगत निधि

राशि रुपयों में

विवरण	2018-19	2017-18
वर्ष के आरंभ में शेष	(5908,47,853)	(5268,91,377)
जोड़ें : समग्र पूंजीगत निधि में अंशदान	–	–
जोड़ें : पूंजी व्यय हेतु प्रयुक्त सीमा तक भारत सरकार की ओर से अनुदान	92,69,360	90,00,000
जोड़ें : निश्चित निधियों से क्रय की गई परिसंपत्तियां	–	–
जोड़ें : प्रायोजित परियोजनाओं से क्रय की गई परिसंपत्तियां जिस पर संस्था का स्वामित्व है	–	–
जोड़ें : दान स्वरूप प्राप्त परिसंपत्तियां/उपहार	–	–
घटायें : लेखा परीक्षा आपत्ति के अनुसार समायोजन	24,05,362	–
जोड़ें : आय तथा व्यय खाते से अंतरित व्यय पर आय की अधिकता	–	–
कुल	**(7314,34,310)**	**(5908,47,857)**
(घटायें) आय तथा व्यय खाते से अंतरित घाटा	(1474,50,455)	(729,56,480)
वर्ष के अंत में शेष	**(7314,34,310)**	**(5908,47,857)**

अनुसूची-2 – निर्धारित/निश्चित/एंडोमेंट निधि

राशि रुपयों में

विवरण	2018-19	2017-18
क		
क. आरंभिक खाता शेष	2,50,835	2,50,835
ख. वर्ष के दौरान परिवर्धन	–	–
ग. निधि से किये गये निवेश से आय	–	–
घ. निवेश/अग्रिम पर प्रोदभूत ब्याज	–	–
ड़. बैक बचत खाते पर ब्याज	–	–
च. अन्य परिवर्धन (श्रेणी निर्दिष्ट करें)	–	–
कुल (क)	**2,50,835**	**2,50,835**
ख.		
निधियों का निर्धारित उद्देश्य हेतु प्रयोग/व्यय		
i. पूंजीगत व्यय	–	–
ii. राजस्व व्यय	–	–
कुल (ख)	–	–
वर्ष के अंत में अंतिम शेष (क - ख)	2,50,835	2,50,835
प्रस्तुत की गई		
नकद तथा बैंक शेष निवेश ब्याज अर्जित हुआ लेकिन देय नहीं	–	–
कुल	**2,50,835**	**2,50,835**

अनुसूची-3 – वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध

राशि रुपयों में

विवरण	2018-19	2017-18
क. वर्तमान देयताएं		
1. कर्मचारियों से जमा	–	–
2. विद्यार्थियों से जमा	–	–
3. विविध लेनदार	41,40,397	14,00,733
क. आर.ओ. से	–	–
ख. अन्य	1,35,986	2,63,419
4. जमा-अन्य (ई.एम.डी., प्रतिभूति जमा सहित)	40,04,411	11,37,314
5. सांविधिक देयताएं (जी.पी.एफ., टी.डी.एस., डब्लयू.सी. टैक्स, सी.पी.एफ, जी.आई.एस., एन.पी.एस.)	13,60,152	11,80,679
क. अतिदेय	–	–
ख. अन्य	13,60,152	11,80,679
6. अन्य वर्तमान देयताएं	115,18,746	220,78,817
क. वेतन	44,61,649	34,65,082
ख. प्रायोजित परियोजनाओं के प्रति प्राप्तियां	–	–
ग. प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्तियों के प्रति प्राप्तियां	–	–
घ. अप्रयुक्त अनुदान	56,30,423	176,63,044
ड. अग्रिम अनुदान	–	–
च. अन्य निधियां	–	–
छ. अन्य देयताएं	14,26,674	9,50,691
कुल (क)	**170,19,295**	**246,60,229**
ख. उपबन्ध		
1. कराधान के लिए	–	–
2. उपदान	678,33,824	521,24,445
3. अधिवर्षिता पेंशन	7421,07,875	6401,99,741
4. संचयित छुट्टी नकदीकरण	405,20,695	293,99,030
5. ट्रेड वारंटियां/दावे	–	–
6. व्यय हेतु प्रावधान	–	–
कुल (ख)	**8504,62,394**	**7217,23,216**
कुल (क + ख)	**8674,81,689**	**7463,83,445**

अनुसूची-4 – वर्ष 2018-19 के लिए अचल परिसंपत्तियों की मूल्यह्रास सूची (मूर्त परिसंपत्तियां)

	निवल मूल्य				मूल्यह्रास				शुद्ध ब्लॉक	
राष्ट्रीय बाल भवन+ उपहार मदें	**01.04.18 की स्थिति**	**वर्ष के दौरान परिवर्धन**	**लोप**	**31.03.19 की स्थिति**	**31.03.18 तक संचित ह्रास**	**चालू वर्ष के लिए ह्रास**	**कटौतियाँ/ समायोजन**	**31.03.19 को संचित ह्रास**	**31.03.19 की स्थिति**	**31.03.18 की स्थिति**
भूमि एवं भवन	888,09,236.11	1,68,914.00	–	889,78,150.11	466,24,010.10	17,79,563.00	–	484,03,573.10	405,74,577.01	421,85,226.01
ट्यूबवैल	8,16,921.00	–	–	8,16,921.00	4,80,582.70	16,338.00	–	4,96,920.70	3,20,000.30	3,36,338.30
विद्युतीय संस्थापन	148,09,203.13	6,53,148.00	–	154,62,351.13	93,86,696.02	6,77,949.00	10,278.00	100,74,923.02	53,87,428.11	54,22,507.11
संयंत्र एवं मशीनरी	3,98,226.50	21,830.00	–	4,20,056.50	3,84,673.74	20,438.00	–	4,05,111.74	14,944.76	13,552.76
वैज्ञानिक उपकरण	11,86,171.52	–	–	11,86,171.52	10,77,456.52	14,779.00	–	10,92,235.52	93,936.00	1,08,715.00
कार्यालय उपकरण	28,04,313.05	13,39,870.00	–	41,44,183.05	23,44,515.13	1,50,909.00	4,219.00	24,99,643.13	16,44,539.92	4,59,797.92
दृश्य एवं श्रृव्य उपकरण	52,15,568.03	1,01,148.00	–	53,16,716.03	40,32,611.19	2,02,564.00	–	42,35,175.19	10,81,540.84	11,82,956.84
वाहन	2,74,143.00	3,500.00	–	2,77,643.00	2,74,141.00	350.00	–	2,74,491.00	3,152.00	2.00
पुस्तकें	9,89,242.00	9,140.00	–	9,98,382.00	9,87,424.00	10,957.00	–	9,98,381.00	1.00	1,818.00
फर्नीचर और फिक्सचर	152,26,631.81	2,36,057.00	–	154,62,688.81	146,50,843.73	2,22,309.00	1,730.00	148,74,882.73	5,87,806.08	5,75,788.08
कम्प्यूटर	87,43,951.00	3,47,181.00	–	90,91,132.00	86,67,315.00	2,92,829.00	–	89,60,144.00	1,30,988.00	76,636.00
विविध	82,57,936.97	1,20,333.00	–	83,78,269.97	76,35,265.61	1,04,620.00	–	77,39,885.61	6,38,384.36	6,22,671.36
लघु मूल्य की परिसंपत्तियाँ	1,05,658.00	2,10,601.00	–	3,16,259.00	1,05,658.00	2,10,601.00	–	3,16,259.00	–	–
कुल	**1476,37,202.12**	**32,11,722.00**	–	**1508,48,924.12**	**966,51,192.74**	**37,04,206.00**	**16,227.00**	**1003,71,625.74**	**504,77,298.38**	**509,86,009.38**
जवाहर बाल भवन										
भवन, जवाहर बाल भवन	36,25,178.22	–	–	36,25,178.22	10,98,722.64	72,504.00	–	11,71,226.64	24,53,951.58	25,26,455.58
विद्युतीय उपकरण	4,11,939.57	2,27,806.00	–	6,39,745.57	2,24,842.05	31,989.00	–	2,56,831.05	3,82,914.52	1,87,097.52
ट्यूबबेल	1,89,235.00	–	–	1,89,235.00	88,169.08	3,785.00	–	91,954.08	97,280.92	1,01,065.92
संयंत्र एवं मशीनरी	76,339.00	–	–	76,339.00	61,707.02	3,817.00	–	65,524.02	10,814.98	14,631.98
कार्यालयी उपकरण	1,31,189.00	–	–	1,31,189.00	40,854.06	9,840.00	–	50,694.06	80,494.94	90,334.94
दृश्य एवं श्रृव्य उपकरण	1,64,846.00	–	–	1,64,846.00	1,49,947.26	11,318.00	–	1,61,265.26	3,580.74	14,898.74
फर्नीचर एवं फिक्सचर	2,84,534.74	1,17,988.00	–	4,02,522.74	1,76,503.20	29,264.00	–	2,05,767.20	1,96,755.54	1,08,031.54
वाहन – जवाहर बाल भवन	2,309.00	–	–	2,309.00	2,306.00	–	–	2,306.00	3.00	1.53
पुस्तकें – जवाहर बाल भवन	1,128.18	–	–	1,128.18	960.47	113.00	–	1,073.47	54.71	167.71
विविध	15,552.15	–	–	15,552.15	10,426.67	778.00	–	11,204.67	4,347.48	5,125.48
लघु मूल्य की परिसंपत्तियाँ	2,400.00	–	–	2,400.00	2,400.00	–	–	2,400.00	–	–
कुल (जवाहर बाल भवन)	**49,04,650.86**	**3,45,794.00**	–	**52,50,444.86**	**18,56,838.45**	**163,408.00**	–	**20,20,246.45**	**3230198.41**	**30,47,810.94**

अमूर्त परिसंपत्तियाँ	**01.04.2017 को निवल ब्लॉक**	**वर्ष के दौरान परिवर्धन**	**वर्ष के दौरान बिक्री**	**31.03.2018 को निवल ब्लॉक**	**31.03.2017 तक ह्रास**	**वर्ष 2017-18 के लिए ह्रास**	**कटौतियाँ/ समायोजन**	**कुल ह्रास 31.03.2018 तक**	**31.03.2018 को शुद्ध ब्लॉक**	**31.03.2017 को शुद्ध ब्लॉक**
एण्टी वायरस और साफ्टवेयर	1,85,612.00	15,000.00	0	2,00,612.00	1,50,101.00	38,294.00	0	1,88,395.00	12,217.00	35,511.00
कुल	**1527,27,464.98**	**35,72,516.00**	–	**1562,99,980.98**	**986,58,132.19**	**39,05,908.00**	**16,227.00**	**1025,80,267.19**	**537,19,713.79**	**540,69,331.32**

अनुसूची-5 – निश्चित/एंडोमेंट निधियों से निवेश

राशि रुपयों में

विवरण	2018-19	2017-18
1. केन्द्रीय सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	–	–
4. शेयर	–	–
5. डिबेंचर और बंधपत्र	–	–
6. बैंकों में सावधि जमा	–	–
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)	–	–
कुल	–	–

अनुसूची-6 – अन्य निवेश

राशि रुपयों में

विवरण	2018-19	2017-18
1. केन्द्रीय सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	–	–
4. शेयर	–	–
5. डिबेंचर और बंधपत्र	–	–
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	–	–
(i) एफ.डी.आर. सामान्य	–	–
(ii) एफ.डी.आर. प्रतिभूति जमा	–	–
कुल	–	–

अनुसूची-7 – वर्तमान परिसंपत्तियां

राशि रुपयों में

विवरण	2018-19	2017-18
1. स्टॉक	–	–
क. स्टोर्स तथा स्पेयर सामान	–	–
ख. खुले उपकरण	–	–
ग. प्रकाशन	–	–
घ. प्रयोगशाला के रसायन, उपभोज्य पदार्थ तथा शीशे का सामान	–	–
ड़. भवन निर्माण सामग्री	–	–
च. विद्युत संबंधी सामान	–	–
छ. लेखन सामग्री	–	–
ज. जलापूर्ति सामग्री	–	–
2. विविध देनदार	**3,77,805**	**3,78,085**
क. छः माह से अधिक अवधि के बकाया ऋण	3,77,805	3,78,085
ख. अन्य	–	–
3. टी.डी.एस.	**14,534**	–
टी.डी.एस. 17-18		12,052
टी.डी.एस. 18-19	14,534	–
3. नकद तथा बैंक शेष	–	–
क. नकद शेष (एच.क्यू.)	–	–
ख. नकद शेष (आर.ओ.)	–	–
क. अनुसूचित बैंकों में	**102,13,706**	**244,94,769**
बचत खातों में	**102,13,706**	**244,94,769**
सावधि जमा खातों में	–	–
बचत खातों में	–	–
क. अनुसूचित बैंकों में (गैर योजना)		
बचत खातों पर एच.क्यू. के साथ	–	–
बचत खातों पर आर.ओ. के साथ	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक प्रक्रमण शुल्क पर	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक सीमैट एच.क्यू. पर	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक प्रतिभूति जमा एच.क्यू. पर	–	–
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया सीमैट एच.क्यू. पर	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक एन.वी.ई.क्यू.एफ. लेखा पर	–	–
ख. अनुसूचित बैंकों में (योजनागत)		
बचत खातों पर एच.क्यू. के साथ	–	–
बचत खातों पर आर.ओ. के साथ	–	–
कुल	**106,06,045**	**248,84,906**

अनुसूची-8 – ऋण, अग्रिम एवं जमा

राशि रुपयों में

विवरण	2018-19	2017-18
1. कर्मचारियों को अग्रिम : (बिना ब्याज सहित)	–	**26,800**
क. विविध अग्रिम	–	–
ख. त्यौहार	–	–
ग. चिकित्सा अग्रिम	–	–
घ. अग्रदाय अग्रिम	–	–
ड. अन्य (कम्प्यूटर)	–	–
च. एल.टी.सी. अग्रिम	–	26,800
2. कर्मचारियों को दीर्घ अवधि अग्रिम (ब्याज सहित)	**72,389**	**36,389**
क. वाहन ऋण	23,389	36,389
ख. आवास ऋण	–	–
ग. अन्य (कम्प्यूटर)	49,000	–
3. अग्रिम तथा नकद अथवा अन्य प्रकार से वसूली योग्य अन्य राशियां	**718,18,230**	**767,42,197**
क. पूंजी खाते पर		
i सी.पी.डब्लयू डी. को अग्रिम	535,70,996	454,94,996
ख. आपूर्तिकर्ताओं को		
i डी.टी.सी. को अग्रिम	1,59,875	1,59,875
ii राज्यों को सहायता	93,38,193	194,69,271
iii बीएसईएस से प्राप्य राशि	22,335	–
iv केंद्रीय भंडार को अग्रिम	–	–
ग. अन्य पक्ष	–	–
घ. ओ. बी. ए. अग्रिम	87,25,056	102,69,840
ड. सीजीएचएस को अग्रिम	–	9,76,057
ड. अन्य	1,775	3,72,158
4. पूर्वदत्त व्यय	–	–
क. बीमा	–	–
ख. अन्य व्यय	–	–
5. जमा	**81,836**	**26,800**
क. टेलीफोन	–	–
ख. लीज़/किराया	–	–
ग. बिजली	21,975	1,800
घ. अन्य (जमा)	59,861	25,000
कुल	**719,72,455**	**768,32,186**

अनुसूची-9 – शैक्षिक प्राप्तियां

राशि रुपयों में

विवरण	योजनागत	योजनेत्तर	2018-19	2017-18
विद्यार्थियों से शुल्क				
शैक्षिक				
1. शिक्षा शुल्क			–	–
2. प्रवेश शुल्क			–	–
3. नामांकन शुल्क			–	–
4. पुस्तकालय प्रवेश शुल्क			–	–
5. प्रयोगशाला शुल्क			–	–
6. कला एवं शिल्प शुल्क			–	–
7. पंजीकरण शुल्क			–	–
8. पाठ्यक्रम शुल्क			–	–
कुल (क)			**–**	**–**
परीक्षाएं				
1. दाखिला परीक्षा शुल्क			–	–
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क			–	–
3. अंक पत्र, प्रमाण-पत्र शुल्क			–	–
4. प्रवेश परीक्षा शुल्क			–	–
कुल (ख)			**–**	**–**
अन्य शुल्क				
1. पहचान पत्र शुल्क			–	–
2. जुर्माना/विविध शुल्क/दंड शुल्क			–	–
3. चिकित्सा शुल्क			–	–
4. परिवहन शुल्क			–	–
5. छात्रावास शुल्क			–	–
6. संस्थानों से प्रसंस्करण का शुल्क			–	–
7. विविध			–	–
कुल (ग)			**–**	**–**
प्रकाशनों की बिक्री				
1. पाठ्यक्रम एवं प्रश्नपत्रों आदि की बिक्री			–	–
2. प्रवेश प्रपत्रों सहित विवरणिका (प्रोस्पैक्टस) की बिक्री			–	–
3. अन्य			–	–
कुल (घ)			**–**	**–**
अन्य शैक्षिक प्राप्तियां				
1. कार्यशालाओं, कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण शुल्क			–	–
2. सदस्यता शुल्क			–	–
कुल (ड़)			**–**	**–**
कुल जोड़ (क+ख+ग+घ+ड़)			**–**	**–**

अनुसूची-10 – अनुदान एवं सब्सिडी (प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान)

राशि रुपयों में

विवरण	मानव संसाधन विकास मंत्रालय					2018-19	2017-18
	पूंजी	वेतन	सामान्य	एनईआर सामान्य	एनईआर पूंजी		
पिछले वर्ष का शेष	–	175,24,488	1,38,556	11,55,362	12,50,000	200,68,406	106,90,917
वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	84,27,000	834,00,000	956,89,000	–	–	1875,16,000	1671,28,000
घटायें : पूंजीगत व्यय के लिए इस्तेमाल (क)	84,21,360	–	–	8,48,000	–	92,69,360	90,00,000
जोड़ें : अप्रयुक्त अनुदान की वापसी	–	–	–	–	–	–	–
शेष	5,640	1009,24,488	958,27,556	3,07,362	12,50,000	1983,15,046	1688,18,917
घटायें : प्रयुक्त राजस्व व्यय के लिए इस्तेमाल (ख)	5,640	40,00,121	67,300	3,07,362	12,50,000	56,30,423	176,63,044
शेष आय एवं व्यय खाते (ग) में ले जाया गया	–	**969,24,367**	**957,60,256**	–	–	**1926,84,623**	**1511,55,873**

अनुसूची-11 – निवेश से आय

राशि रुपयों में

विवरण	निश्चित/एंडोमेंट		अन्य निवेश	
	2018-19	2017-18	2018-19	2017-18
1. ब्याज				
क. सरकारी प्रतिभूतियों पर	–	–	–	–
ख. अन्य डिबेंचर/बंध पत्र	–	–	–	–
2. सावधि जमा पर ब्याज				
क. पटियाला स्टेट बैंक में सावधि जमा पर ब्याज	–	–	–	–
ख. आई.सी.आई.सी.आई. – सीमैट में सावधि जमा पर ब्याज	–	–	–	–
ग. आई.सी.आई.सी.आई. – प्रतिभूति जमा में सावधि जमा पर ब्याज	–	–	–	–
घ. आई.सी.आई.सी.आई. – प्रसंस्करण शुल्क में सावधि जमा पर ब्याज	–	–	–	–
ड. भारतीय स्टेट बैंक सीमैट में सावधि जमा पर ब्याज	–	–	–	–
च. आई.सी.आई.सी.आई. – एन.वी.ई.क्यू.एफ.में सावधि जमा पर ब्याज	–	–	–	–
(उपरोक्त राशि प्रोदभूत ब्याज सहित दर्शाई गई हैं)				
3. यू.जी.सी. अनुदानों पर ब्याज	–	–	–	–
4. बैंक बचत खातों पर ब्याज	–	–	–	–
5. अन्य (सी.पी.एफ.)	–	–	–	–
कुल	–	–	–	–
निश्चित/एंडोमेंट निधि में अंतरित राशि	–	–	–	–
शेष	**0**	**0**	**0**	**0**

अनुसूची-12 – अर्जित ब्याज

राशि रुपयों में

विवरण	2018-19	2017-18
1. अनुसूचित बैंकों के साथ बचत खातों पर		
i. योजनागत		
क. केनरा बैंक	10,66,435	–
ख. एम.एस.जे.ई.	1,56,968	1,63,876
ii. योजनेत्तर		
क. केनरा बैंक योजनेत्तर	–	–
2. ऋणों पर		
क. कर्मचारी/ स्टाफ	–	–
ख. अन्य	–	–
3. देनदारों तथा अन्य प्राप्ति योग्य मदों पर		
क. प्रतिभूति जमा	24,817	–
कुल	**12,48,220**	**1,63,876**

अनुसूची-13 – अन्य आय

राशि रुपयों में

विवरण	2018-19	2017-18
क. भूमि एवं भवन से आय		
1. छात्रावास कक्षों का किराया	–	3,27,600
2. लाईसेंस शुल्क	72,455	58,730
3. ऑडिटोरियम/खेल के मैदान/सुविधा केन्द्र का बुकिंग शुल्क	–	–
4. वसूले गये बिजली बिल	32,120	16,478
5. वसूला गया जल शुल्क	25,897	–
कुल	**1,30,472**	**4,02,808**
ख. संस्था के प्रकाशनों की बिक्री	–	**–**
ग. कार्यक्रम के आयोजनों से आय		
1. वार्षिक कार्यक्रम/खेल आयोजनों से सकल प्राप्ति	–	–
घटायें : वार्षिक कार्यक्रम/खेल आयोजनों पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च	–	–
2. उत्सव/मेला आयोजन से सकल प्राप्तियां	–	–
घटायें : उत्सव/मेला आयोजन पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च	–	–
3. शैक्षिक भ्रमणों से सकल प्राप्तियां	–	–
घटाएं - शैक्षिक भ्रमणों पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च	–	–
4. अन्य (निर्दिष्ट करें तथा अलग से विवरण दें)	–	–
कुल	**–**	**–**
घ. अन्य		
1. परामर्शी सेवाओं से आय	–	–
2. जनसूचना अधिकार शुल्क	–	–
3. रॉयल्टी से आय	–	–
4. आवेदन प्रपत्रों (भर्ती) की बिक्री	–	–
5. विविध प्राप्तियां (निविदा प्रपत्र, रद्दी कागज़ आदि की बिक्री)	–	–
6. परिसंपत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ	–	1,24,998
क. स्वामित्व वाली परिसंपत्तियां	–	–
ख. नि:शुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां	–	–
7. संस्थाओं, अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं तथा कल्याणकारी संस्थाओं से प्राप्त दान/अनुदान	–	–
8. अन्य	3,07,720	2,25,693
9. गत अवधि की आय	–	–
10. ट्राई (TRAI) से वसूली	–	–
11. CGHS कर्मचारी	2,59,950	–
12. CGHS पेंशनर्स	3,07,200	–
13. कर्मचारियों के वेतन से वसूली	1,56,328	4,37,358
14. सामान्य वसूली	68	1,939
कुल	**10,31,266**	**7,89,988**
सर्वयोग (क+ख+ग+घ)	**11,61,738**	**11,92,796**

अनुसूची-14 – गत अवधि की आय

राशि रुपयों में

विवरण	2018-19	2017-18
1. शैक्षिक प्राप्तियां	–	–
2. निवेश से आय	–	–
3. अर्जित ब्याज	–	–
4. अन्य आय	–	–
कुल	–	–

अनुसूची-15 – कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय)

राशि रुपयों में

विवरण	2018-19	2017-18
क. वेतन एवं मजदूरी	856,33,654	421,87,048
ख. भत्ते एवं बोनस	217,24,601	351,14,121
ग. एल.टी.सी. सुविधा	7,30,046	4,07,216
उप-जोड़	**1080,88,301**	**777,08,385**
घ. भविष्य निधि में योगदान	70,694	29,088
ड़. एनपीएस में योगदान	16,46,797	11,45,270
च. स्टाफ कल्याण पर व्यय	–	–
छ. सेवानिवृत्ति लाभ	1630,04,724	878,02,623
ज. चिकित्सा सुविधा	41,94,107	14,57,700
झ. संतान शिक्षा भत्ता	7,95,415	5,98,397
ञ. जीवन निर्वाह भत्ता	–	–
ट. मानदेय	–	–
ठ. छुटी वेतन, पेंशन एवं ग्रेच्युटी अंशदान	99,799	22,760
ड. सहायक लेखा अधिकारी की सेवानिवृत्ति पेंशन योगदान	1,39,620	–
उप-जोड़	**1699,51,156**	**910,55,838**
जोड़	**2780,39,457**	**1687,64,223**

अनुसूची-15 क – कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति एवं सेवावसान लाभ (31.03.2019)

राशि रुपयों में

विवरण	पेंशन	ग्रेच्यूटी	छुट्टी नकदीकरण	जोड़
क. 01.04.2018 को प्रारम्भिक शेष	6401,99,741	521,24,445	293,99,030	7217,23,216
ख. घटायें : वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान				
(i) वर्ष के दौरान अदा किये गए सेवानिवृत्ति लाभ मासिक पेंशन सहित	256,94,063	43,84,082	41,87,401	342,65,546
(ii) वर्ष के दौरान छुट्टी नकदीकरण			–	–
ग. शेष उपलब्ध	**6145,05,678**	**477,40,363**	**252,11,629**	**6874,57,670**
घ. वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2019 को तुलन पत्र में अपेक्षित प्रावधान	7421,07,875	678,33,824	405,20,695	**8504,62,394**
ड़. चालू वर्ष में किए जाने वाले प्रावधान (घ-ग) आय और व्यय खाते में	**1276,02,197**	**200,93,461**	**153,09,066**	**1630,04,724**

अनुसूची-16 – शैक्षिक व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2018-19	2017-18
क. प्रयोगशाला व्यय	–	–
ख. क्षेत्रकार्य/सम्मेलनों में भाग लेना	–	–
ग. सेमिनार/कार्यशाला व्यय	69,81,794	43,28,773
घ. अतिथि अध्यापकों को भुगतान	3,000	3,10,000
ङ. सीमैट एवं जी.पी.ए.टी. परीक्षा	–	–
च. विद्यार्थी कल्याण व्यय	32,83,285	19,80,000
छ. दाखिला व्यय	–	–
ज. दीक्षांत व्यय	–	–
झ. प्रकाशन	–	87,537
ञ. वृत्तिका सह मैरिट वजीफा	–	–
ट. अभिदान व्यय	–	–
ठ. अन्य (निर्दिष्ट करें)	14,97,175	8,10,444
ड. पुरस्कार वितरण व्यय	25,31,932	19,75,221
कुल	**142,97,186**	**94,91,975**

अनुसूची-17 – प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2018-19	2017-18
क. आधारभूत संरचना		
क. बिजली	58,71,943	46,31,674
ख. जल शुल्क	7,04,721	7,13,420
ग. बीमा	–	–
घ. किराया, दर तथा टैक्स (प्रोपर्टी टैक्स सहित)	19,81,650	16,06,003
ख. संचार		
ड. पोस्टेज तथा लेखन सामग्री	29,986	31,440
च. टेलीफोन, फैक्स तथा इंटरनेट प्रभार	3,04,506	3,42,053
ग. अन्य		
छ. मुद्रण तथा लेखन सामग्री (उपभोज्य)	2,20,893	4,17,750
ज. यात्रा तथा परिवहन व्यय	1,07,901	17,821
झ. सत्कार	–	29,609
ञ. लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	57,950	1,72,125
ट. व्यवसायिक प्रभार	2,96,744	3,09,654
ठ. विज्ञापन एवं प्रचार	3,86,632	5,25,393
ड़. पत्रिकाएं एवं जरनल	17,875	17,444
ढ. वार्षिक अनुरक्षण प्रभार	–	–
ण. गैर-अधिकारिक टी.ए/डी.ए. व्यय	38,273	2,66,646
त. अधिकारिक टी.ए/डी.ए. व्यय	3,33,691	–
थ. स्थानांतरण टी.ए/डी.ए. व्यय	–	–
द. कार्यशाला अभिलेखागार और उपकरणों पर व्यय	–	–
ध. विविध कार्यालयी व्यय	4,91,675	2,98,603
न. बागवानी व्यय	–	–
प. कार्यक्रम संबंधी कार्यकलाप	63,832	1,18,572
फ. गृह प्रबंध एवं सुरक्षा	135,59,779	158,64,484
ब. कार्यालयी व्यय	–	15,674
भ. अतिथि गृह/आवास व्यय	–	–
म. आंतरिक प्राप्तियां व्यय	–	–
य. विद्यार्थी कल्याण व्यय	–	–
र. बा.भ.के. व्यय	38,54,208	18,00,000
ल. बा.भ.के. परियोजना व्यय	114,82,041	137,07,750
कुल	**398,04,300**	**408,86,115**

अनुसूची-18 – परिवहन व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2018-19	2017-18
1. वाहन (संस्था के स्वामित्व वाले वाहन)		
क. वाहन चलाने संबंधी व्यय	46,725	1,28,232
ख. मरम्मत एवं अनुरक्षण	–	9,655
ग. बीमा व्यय	–	2,988
घ. कार पार्किंग व्यय	–	–
2. किराये/लीज़ पर लिये गये वाहन	–	–
क. किराया/लीज़ संबंधी व्यय	–	–
3. वाहन (टैक्सी) किराये पर लेने का व्यय	–	18,980
कुल	**46,725**	**1,59,855**

अनुसूची-19 – मरम्मत एवं अनुरक्षण

राशि रुपयों में

विवरण	2018-19	2017-18
क. भवन	31,15,083	4,95,960
ख. फर्नीचर एवं साज-सज्जा	2,67,265	66,474
ग. पौधे एवं मशीनरी	–	–
घ. कार्यालय उपकरण	1,05,783	2,81,264
ड. संगीत/वाद्य यंत्र	–	35,400
च. दृश्य श्रव्य उपकरण	43,575	43,211
छ. साफ-सफाई संबंधी सामग्री एवं सेवाएं	7,712	9,281
ज. उपकरण	4,12,556	78,660
झ. बागवानी	82,813	18,263
ञ. बिजली का सामान	11,85,594	3,55,797
ट. अन्य (मरम्मत)	1,09,211	4,45,918
कुल	**53,29,592**	**18,30,228**

अनुसूची-20 – वित्त लागत

राशि रुपयों में

विवरण	2018-19	2017-18
क. बैंक शुल्क	51,282.00	11,480.00
ख. अन्य (निर्दिष्ट करें)	–	–
कुल	**51,282.00**	**11,480.00**

अनुसूची-21 – अन्य व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2018-19	2017-18
क. अशोध्य/संदिग्ध ऋण/अग्रिमों हेतु की गई व्यवस्था	–	–
ख. काट दिये गये अप्राप्य शेष	–	–
ग. अन्य संस्थाओं/संगठनों को दी गई सब्सिडी/अनुदान	–	–
घ. अन्य (बैंक प्रभार)	–	–
ड़. स्थायी परिसंपत्तियों से हानि	–	–
कुल	–	–

अनुसूची-22 – गत अवधि के व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2018-19	2017-18
1. स्थापना व्यय	–	–
2. शैक्षिक व्यय	1,83,189	–
3. प्रशासनिक व्यय	9,69,878	10,79,519
4. परिवहन व्यय	–	–
5. मरम्मत एवं अनुरक्षण	–	–
6. अन्य व्यय	(82,481)	74,525
कुल	**10,70,586**	**11,54,044**

आन्तरिक प्राप्तियाँ खाता – 31 मार्च 2019 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

देयताएं	2018-19	2017-18	परिसम्पत्तियाँ	2018-19	2017-18
पूंजीगत खाता			**स्थायी परिसम्पत्तियाँ**		
प्रारक्षित एवं सरप्लस			श्रृव्य एवं दृश्य उपकरण	11,82,425	1,26,705
आरम्भिक शेष	230,85,766	162,72,618	विद्युत अवस्थापन उपकरण	4,73,566	1,40,627
जोड़ : व्यय से ऊपर अतिरिक्त आय	155,81,034	68,13,148	फर्नीचर व फिक्चर	1,66,921	1,86,086
31.03.2017 को शेष	386,66,800	230,85,766	कार्यालय उपकरण	8,84,157	9,81,594
ऋण देयतायें			कम्प्यूटर व सहायक मदें	–	4,725
गैर-प्लान राशि अन्तरण (एनबीबी)	–	–	ट्यूबवैल व पानी आपूर्ति	27,286	17,541
			पौधे एवं मशीनरी	3,05,172	2,28,380
			कम लागत की परिसम्पत्तियाँ	–	–
			विविध परिसम्पत्तियाँ	98,702	1,04,508
				31,38,229	**17,90,167**
			निवेश		
			सावधि जमा	144,91,277	–
वर्तमान देयताएं			**वर्तमान परिसम्पत्तियाँ**		
			ऋण एवं अग्रिम (परिसम्पत्तियाँ)	4,42,096	5,75,856
देय व्यय	34,096	–	बैंक खाते	183,47,576	211,45,436
ईएमडी/प्रतिभूति जमा	38,294	7,469	एनबीबी मेन से प्राप्त राशि	–	–
रा.बा.भ. मुख्य को देय राशि (देयताएं)	15,350	3,70,383	उपार्जित ब्याज	2,37,718	–
देनदान (प्रतिभूति जमा) की अवरूद्ध राशि	–	17,016	बैण्ड प्रतियोगिता	96,514	–
वापसी योग्य प्रतिभूति जमा	–	30,825	स्त्रोत पर कर कटौती (टीडीएस)	82,578	–
	87,740	**4,25,693**	परीक्षा पे चर्चा	18,35,801	–
			स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार	82,750	–
			शुल्क और कर	1	–
कुल अग्रेनीत	**387,54,540**	**235,11,459**		**387,54,540**	**235,11,459**

स.ले.अधिकारी | परामर्शदाता (वित्त) | उप-निदेशक(प्रशा.) | निदेशक

आन्तरिक प्राप्तियाँ खाता
31 मार्च 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

राशि रुपयों में

व्यय	2018-19	2017-18	आय	2018-19	2017-18
प्रशासनिक व्यय	25,958.00	4,51,609.00	मान्यता प्रदत्त शुल्क	1,10,500.00	1,53,000.00
मरम्मत और रख-रखाव	9,81,129.00	7,17,618.00	बाल भवन केन्द्र-प्राप्तियाँ	85,150.00	83,550.00
बैंक प्रभार	3,575.00	1,241.00	किराया प्राप्त	40,800.00	13,600.00
वाहन व्यय	-	-	एफ डी के लिए ब्याज	8,25,775.00	-
ह्रास	3,73,619.00	3,46,772.00	छात्रावास प्रभार - प्राप्तियाँ	23,47,635.00	28,37,240.00
मनोरंजन व्यय	-	-	सदस्यता शुल्क	12,81,411.64	13,19,200.00
उपहार वितरण व्यय	-	-	सदस्यता शुल्क - जेबीबी मांडी	3,324.00	7,250.00
हाउस कीपिंग प्रभार (आउटसोर्स)	9,08,296.00	2,63,684.00	विविध प्राप्तियाँ	78,10,721.00	19,90,206.00
छात्रावास मैस प्रभार	1,75,861.00	2,28,504.00	टूर्नामैंट के लिए भागीदारी	-	32,000.00
छात्रावास व्यय - अन्य	-	3,290.00	प्रवेश पत्र फार्म की बिक्री	83,180.00	1,08,806.00
मुद्रण व लेखन सामग्री	1,440.00	9,124.00	प्रवेश टिकट बिक्री	9,31,579.86	7,24,460.00
छोटी रेलगाड़ी चलाने पर व्यय	73,314.00	33,191.00	सूचना फोल्डर की बिक्री	200.00	30.00
टैंट प्रभार	-	2,77,333.00	ट्रेन टिकट की बिक्री	12,42,070.00	13,11,470.00
विविध व्यय	7,355.00	11,020.00	विगत अवधि आय	28,84,576.00	-
बैठक व सभागार व्यय	-	-	प्राप्त बैंक ब्याज	4,79,078.00	5,75,722.00
व्यय से ऊपर अतिरिक्त आय	155,81,033.50	68,13,148.00	प्रभारित विद्युत व्यय	1,265.00	-
			कर्मचारियों को मानदेय	2,000.00	-
			जल प्रभार वसूली	2,315.00	-
जोड़	**181,31,580.50**	**91,56,534.00**	**जोड़**	**181,31,580.50**	**91,56,534.00**

स.ले.अधिकारी	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

आन्तरिक प्राप्तियाँ खाता
31 मार्च 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2018-19	2017-18	अदायगियां	2018-19	2017-18
प्रारम्भिक शेष			**वर्तमान देयतायें**		
बैंक	211,45,436	143,53,141	मुख्य खाते में देय राशि	3,62,800	-
			शुल्क एवं कर	-	18,832
ऋण एवं अग्रिम (परिसम्पत्ति)					
मुख्य खाते से प्राप्य राशि	-	5,36,308	**निवेश**		
मा.स.वि.मंत्रालय	92,606	-	केनरा बैंक के साथ एफ.डी.आर.	200,00,000	-
प्रत्यक्ष आय			**स्थायी परिसम्पत्तियाँ**		
मान्यता शुल्क	1,10,500	1,53,000	कार्यालय उपकरण	-	4,07,400
बीबीके - प्राप्तियाँ	85,150	83,550	पौधे एवं मशीनरी	93,486	2,40,400
छात्रवास प्रभार प्राप्तियाँ	22,64,885	28,37,240	लघु कीमत की परिसम्पत्तियाँ	81,818	1,92,377
सदस्यता शुल्क	12,81,412	13,19,200	फर्नीचर और फिक्चर	-	-
सदस्यता शुल्क - जेबीबी मांडी	3,324	7,250	डेजर्ट कूलर	-	-
विविध प्राप्तियाँ	20,02,775	19,90,206	विद्युत अवस्थापन व उपकरण	3,59,232	24,896
टूर्नामैंट के लिए भागीदारी	-	32,000	साईन बोर्ड	-	-
प्राप्त किराया	40,800	13,600	ट्यबबैल व जल आपूर्ति	10,325	-
प्रवेश फार्म की बिक्री	83,180	1,08,806	श्रृव्य एवं दृश्य उपकरण	5,92,337	-
प्रवेश टिकट की बिक्री	9,31,580	7,24,460			
जानकारी फोल्डर की बिक्री	200	30	**ऋण एवं अग्रिम (परिसम्पत्तियाँ)**		
ट्रेन टिकट की बिक्री	12,42,070	13,11,470	ओबीए चालू खाता	9,000	-
			मा.स.वि.मंत्रालय	-	21,028
परिपक्व एफडीआर			**वर्तमान परिसम्पत्तियाँ**		
सावधि जमा	60,00,000	-	परीक्षा पे चर्चा	4,30,135	-

प्राप्तियां	2018-19	2017-18	अदायगियां	2018-19	2017-18
अप्रत्यक्ष आय			**अप्रत्यक्ष व्यय**		
विगत अवधि आय	23,22,664	–	बैंक प्रभार	3,575	1,241
कर्मचारियों को मानदेय	2,000	–	छात्रावास मैस प्रभार	1,73,826	2,28,504
प्राप्त बैंक ब्याज	4,79,078	5,75,722	विविध व्यय	7,355	11,020
एफडी पर ब्याज	14,202	–	मरम्मत और रख-रखाव	9,62,504	6,43,989
			शैक्षिक व्यय	25,958	4,87,609
वर्तमान देयताएं			छात्रावास व्यय - अन्य	–	3,290
ई.एम.डी./प्रतिभूति जमा	–	1,000	साफ-सफाई पर व्यय	9,08,296	2,63,684
वयस्क शिक्षा निदेशालय	–	36,000	छोटी रेलगाड़ी को चलाने पर व्यय	73,314	33,191
कला उत्सव	35,74,316	–	मुद्रण एवं लेखन सामग्री	1,440	9,124
बैण्ड प्रतियोगिता	7,66,799	–	क्लिनिंग सामग्री सेवायें	–	73,629
			टैंट प्रभार	–	2,77,333
			अन्तिम शेष		
			बैंक	183,47,576	211,45,436
जोड़	**424,42,977**	**240,82,983**	**जोड़**	**424,42,977**	**240,82,983**

स.ले.अधिकारी	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

आन्तरिक प्राप्ति खाता

अनुसूची-4 : स्थायी परिसंपत्ति – 31 मार्च 2019 को परिसंपत्तियों के मूल्यह्रास की सूची

परिसंपत्तियों का नाम	01.04.2018 को निवल ब्लॉक	वर्ष के दौरान खरीद	वर्ष के दौरान बिक्री	31.03.2019 को निवल ब्लॉक	31.03.2018 तक ह्रास	वर्ष 2018-19 के लिए ह्रास	कटौतियाँ/ समायोजन	कुल ह्रास	31.03.2019 को शुद्ध ब्लॉक	31.03.2018 को शुद्ध ब्लॉक
ट्यूबवैल व जल आपूर्ति	18,660	10,325	–	28,985	1,119	580	–	1,699	27,286	17,541
विद्युत अवस्थापन व उपकरण	1,66,637	3,59,232	–	5,25,869	26,010	26,293	–	52,303	4,73,566	1,40,627
कार्यालयी उपकरण	11,36,896	81,125	–	12,18,021	2,30,342	91,352	(12,168)	3,33,862	8,84,159	9,06,554
श्रृव्य एवं दृश्य उपकरण	2,49,429	14,46,387	–	16,95,816	47,684	1,27,186	(3,38,523)	5,13,393	11,82,423	2,01,745
कम्प्यूटर एवं सहायक उपकरण	23,625	–	–	23,625	18,900	4,725	–	23,625	–	4,725
फर्नीचर एवं साज-सज्जा	2,55,538	–	–	2,55,538	69,452	19,165	–	88,617	1,66,921	1,86,086
पौधे एवं मशीनरी	2,40,400	93,486	–	3,33,886	12,020	16,694	–	28,714	3,05,172	2,28,380
विविध परिसम्पत्तियाँ (सी.एन.जी. कनेक्शन)	1,16,120	–	–	1,16,120	11,612	5,806	–	17,418	98,702	1,04,508
कम मूल्य की परिसम्पत्तियाँ	3,71,749	81,818	–	4,53,567	3,71,749	81,818	–	4,53,567	–	–
कुल एन.बी.बी. (क)	25,79,054	20,72,373	–	46,51,427	7,88,888	3,73,619	(3,50,691)	15,13,198	31,38,229	17,90,166

जी.पी.एफ खाता – 31 मार्च 2019 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

देयताएं	2018-19	2017-18	परिसंपत्तियां	2018-19	2017-18
पूंजी खाता			**निवेश**		
रिजर्व एवं अधिशेष			केनरा बैंक में सावधि जमा	655,85,312	–
प्रारंभिक शेष	6,39,417	14,31,584			
व्यय पर आय की अधिकता	(10,37,620)	(7,92,167)			
अंतिम शेष	**(3,98,203)**	**6,39,417**			
ऋण (देयताएं)			सरकारी प्रतिभूति	2,13,030	2,13,030
सामान्य भविष्य निधि			जी.पी.ओ. नई दिल्ली	16,759	16,759
01.04.2018 को आरंभिक शेष	642,51,599	624,71,748	प्रोदभूत ब्याज परंतु देय नहीं	–	–
जोड़ें : अभिदान (सब्सक्रिप्शन)	98,37,100	86,60,800			
जोड़ें : ब्याज	47,68,900	45,33,874	**वर्तमान परिसंपत्तियां**		
घटाएं : आहरण/अंतिम भुगतान	143,67,754	114,14,823	हाथ रोकड़	–	–
अंत शेष	**644,89,845**	**642,51,599**	बैंक खाते	6,41,643	658,40,479
			टी.डी.एस.	12,83,709	16,29,775
अंशदायी भविष्य निधि					
01.04.2018 को आरंभिक शेष	28,09,027	23,04,154			
जोड़ें : अभिदान (सब्सक्रिप्शन)	6,02,536	3,13,016			
जोड़ें : ब्याज	2,37,248	1,91,857			
घटाएं : आहरण	–	–			
अंत शेष	**36,48,811**	**28,09,027**			
कुल अग्रेनीत	**677,40,453**	**677,00,043**	**कुल**	**677,40,453**	**677,00,043**

स.ले.अधिकारी	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

जी.पी.एफ. खाता

31 मार्च 2019 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

राशि रुपयों में

व्यय	2018-19	2017-18	आय	2018-19	2017-18
प्रत्यक्ष व्यय			**अप्रत्यक्ष आय**		
जी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	50,14,158	47,45,375	सावधि जमा पर ब्याज (सकल)	40,26,486	40,27,876
सी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	2,37,248	1,91,857	बचत खातों पर प्राप्त ब्याज	1,65,500	1,17,326
बैंक प्रभार	60	137	टीडीएस वापसी पर ब्याज	13,090	-
			विविध वसूली	8,770	-
व्यय पर आय की अधिकता	-	-	आय पर व्यय की अधिकता	10,37,620	7,92,167
कुल	**52,51,466**	**49,37,369**	**कुल**	**52,51,466**	**49,37,369**

स.ले.अधिकारी | परामर्शदाता (वित्त) | उप-निदेशक(प्रशा.) | निदेशक

जी.पी.एफ. खाता
31 मार्च 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2018-19	2017-18	अदायगियां	2018-19	2017-18
आरंभिक शेष			**ऋण (देयताएं)**		
बैंक	658,40,479	31,18,859	जी.पी.एफ. से आहरण	143,67,754	114,14,823
			सी.पी.एफ से आहरण	–	–
प्राप्त अंशदान			**प्रत्यक्ष व्यय**		
जी.पी.एफ. अभिदान (कर्मचारियों का)	98,37,100	86,60,800	जी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	2,45,258	2,11,501
			सी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	–	–
सी.पी.एफ. अंशदान					
कर्मचारियों का अभिदान	6,02,536	2,84,000	बैंक प्रभार	60	137
बोर्ड का अंशदान	–	29,016			
प्राप्त ब्याज					
बचत खाते पर ब्याज	1,65,500	1,17,326	**निवेश**		
मियादी जमा पर ब्याज (निवल)	36,23,832	36,25,089	विजया बैंक में एफ.डी.आर.	–	–
टीडीएस वापसी पर ब्याज	13,090	–			
विविध वसूली	8,770	–			
परिपक्व एफ.डी.आर.			केनरा बैंक में एफ.डी.आर.	1285,85,312	450,00,000
केनरा बैंक	630,00,000	1059,19,994			
विजया बैंक	–	–			
आई.डी.बी.आई. बैंक	–	–			
अन्य प्राप्तियां			**अंत शेष**		
अन्य प्राप्तियां/टीडीएस वापसी	7,48,720	7,11,856	बैंक	6,41,643	658,40,479
कुल	**1438,40,027**	**1224,66,940**	**कुल**	**1438,40,027**	**1224,66,940**

स.ले.अधिकारी	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

एन.पी.एस. खाता
31 मार्च 2019 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

देयताएं	2018-19	2017-18	परिसंपत्तियां	2018-19	2017-18
वर्तमान देयताएं					
आरंभिक शेष	1,47,617.00	1,42,180.00	बैंक में शेष	1,52,852.00	1,47,617.00
		-			
व्यय पर आय की अधिकता	5,235.00	5,437.00			
अंत: शेष	1,52,852.00	1,47,617.00			
कुल	**1,52,852.00**	**1,47,617.00**		**1,52,852.00**	**1,47,617.00**

स.ले.अधिकारी | परामर्शदाता (वित्त) | उप-निदेशक(प्रशा.) | निदेशक

एन.पी.एस. खाता
31 मार्च 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

राशि रुपयों में

व्यय	2018-19	2017-18	आय	2018-19	2017-18
			प्राप्त ब्याज		
बैंक प्रभार	–	39.00	केनरा बैंक से	5,235.00	5,476.00
एन.एस.डी.एल.	–	–			
			प्राप्त अंशदान		
			कर्मचारियों से	–	–
			नियोक्ता से	–	–
व्यय पर आय की अधिकता	5,235.00	5,437.00			
कुल	**5,235.00**	**5,476.00**	**कुल**	**5,235.00**	**5,476.00**

स.ले.अधिकारी | परामर्शदाता (वित्त) | उप-निदेशक(प्रशा.) | निदेशक

एन.पी.एस. खाता

31 मार्च 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2018-19	2017-18	अदायगियां	2018-19	2017-18
आरंभिक शेष			एन.एस.डी.एल.		
बैंक	1,47,617.00	1,42,180.00			
प्राप्त अंशदान			**अंशदान का भुगतान**		
कर्मचारियों का अंशदान	16,17,764.00	10,56,189.00	कर्मचारियों का अंशदान	16,17,764.00	10,56,189.00
नियोक्ता का अंशदान	16,17,764.00	10,56,189.00	नियोक्ता का अंशदान	16,17,764.00	10,56,189.00
			बैंक प्रभार	-	39.00
प्राप्त ब्याज					
बचत खाते पर ब्याज	5,235.00	5,476.00			
			अंतिम शेष		
			बैंक	1,52,852.00	1,47,617.00
कुल	**33,88,380.00**	**22,60,034.00**	**कुल**	**33,88,380.00**	**22,60,034.00**

स.ले.अधिकारी | परामर्शदाता (वित्त) | उप-निदेशक(प्रशा.) | निदेशक

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ

1. लेखे

क. वित्तीय विवरण परम्परागत रूप से लागत के आधार पर तैयार किये जाते हैं। यदि और कोई विशेष निर्देश न दिया गया हो तो सामान्यत: इन्हें प्रोद्भवन पद्धति के आधार पर तैयार किया जाता है।

ख. राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा जी.पी.एफ. एन.पी.एस. तथा मुख्य खाता आदि के लिए अलग-अलग लेखे तथा उत्पन्न निधि तैयार किये जाते हैं।

ग. शुल्क/अभिदान के रूप में प्राप्त सभी राशियों तथा अप्रयुक्त अनुदान की वापसी का लेखा प्राप्तियों के आधार पर किया जाता है।

2. सहायता एवं अनुदान

अनुदान का लेखा प्राप्तियों के आधार पर किया जाता है तथा पूंजीगत प्रकार के व्ययों को छोड़कर इन्हें आय तथा व्यय खाते में क्रेडिट पक्ष में लिखा जाता है। (इस राशि को सीधे पूंजीगत निधि में क्रेडिट किया जाता है।)

3. अचल परिसंपत्तियां तथा मूल्यह्रास

क. अचल परिसंपत्तियों का विवरण अधिग्रहण की कीमत में से मूल्यह्रास को घटाकर दिया जाता है। राष्ट्रीय बाल भवन को उपहार के तौर पर प्राप्त अचल परिसंपत्तियों को संस्थान की परिसंपत्तियों के साथ ही मिला कर लिखा गया है। उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकों का लेखा उनकी विक्रय कीमत के आधार पर किया जाता है।

ख. अप्रचलित/सेवा के अयोग्य परिसंपत्तियों, यदि कोई हो, तो उनकी बिक्री से प्राप्त आय को 'विविध प्राप्तियां' शीर्ष के अंर्तगत दिखाया जाता है।

4. मूल्यह्रास

4.1 इस वर्ष के दौरान मूल्यह्रास मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से जारी लेखों के मानकीकरण हेतु निश्चित किये गये नये फार्मेट में दी गई निर्धारित दरों पर सीधी रेखा पद्धति के आधार पर प्रभारित किया गया है। इससे पहले अचल परिसंपत्तियों पर कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता था।

4.2 वर्ष के दौरान अचल परिसंपत्तियों में परिवर्धन की स्थिति में मूल्यह्रास पूरे वर्ष के लिए लगाया जाता है तथा अचल परिसंपत्तियों से राशि घटाने के मामले में कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता।

5. विशिष्ट व्यय/अदायगी

क. मुद्रण एवं लेखन सामग्री

मुद्रण तथा लेखन सामग्री पर खर्च की गई राशि को प्रोदभूत होने पर व्यय के रूप में लिखा जाता है। अंतिम स्टॉक के लेखों में इसके लिए कोई समायोजन नहीं किया जाता क्योंकि इसकी लागत निश्चित नहीं है।

ख. टेलीफोन जमा राशि

टेलीफोन तथा अनुषंगी सुविधाओं के लिए जमा को स्थापना/इनके लगने के वर्ष के दौरान बट्टे खाते डाल दिया गया है और निवल मूल्य के लिए प्रभारों/व्यय की गणना की गई है।

6. सभी जमा/निवेश पर ब्याज का लेखा भी प्रोदभवन आधार पर किया जाता है।

7. कर्मचारियों का वेतन/हितलाभ

क. राष्ट्रीय बाल भवन के सभी कर्मचारियों पर कुल मिलाकर केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी सेवा नियम लागू होते हैं।

ख. सेवानिवृत्ति हित लाभों का लेखाकरण मानक संख्या 15 के अनुसार अनुमोदित मूल्यांकक द्वारा बीमांकक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है।

ग. राष्ट्रीय बाल भवन अपने कर्मचारियों के लिए अलग से भविष्यनिधि खाता अनुरक्षित रखता है।

स.ले.अधिकारी	परामर्शदाता (वित)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

लेखा नोट्स

1. संसद द्वारा अनुमोदित बजट के आधार पर सरकार की ओर से प्राप्त अनुदान राष्ट्रीय बाल भवन की प्राप्तियों का प्रमुख स्रोत है। प्राप्त अनुदान (पूंजीगत प्रकृति के व्ययों के समायोजन के पश्चात) का लेखा आय तथा व्यय खाते में किया जाता है, यद्यपि राष्ट्रीय बाल भवन की वास्तविक आय इन प्रतिबंधों के चलते शून्य है कि सरकार के आदेश के बिना अनुदानों का अप्रयुक्त शेष एक वित्त वर्ष से अगले वित्त वर्ष में अंतरित नहीं किया जा सकता है। इस प्रकार राष्ट्रीय बाल भवन की कोई टैक्स देयता नहीं बनती।

2. स्थापना पर व्यय, मुद्रण तथा लेखन सामग्री पर व्यय आदि का लेखा लेखाकरण नीति के अनुसार किया गया है।

3. अनुसूची 8 (ऋण, अग्रिम एवं जमा) में 93.38 लाख रूपये की राशि को राज्यों की सहायता राशि के रूप में दिखाया गया है जोकि 31 मार्च 2019 तक बकाया थी क्योंकि राज्य बाल भवनों से उपयोग प्रमाण-पत्र प्राप्त नहीं हुए थे।

4. डीटीसी से पुन: प्राप्त करने योग्य के रूप में 1.60 लाख रु की राशि को अग्रिम राशि के रूप में दिखाया गया है (जो कि पिछले वर्ष का 1.60 लाख है)। कुल अग्रिमों से 40.80 लाख रु डीडीसी को दिये गये थे। उनके संबंध में पिछले वर्ष 39.20 लाख रु की राशि को पहले से ही निपटाया जा चुका है। जैसा कि हमें सूचित किया गया है शेष 1.60 लाख रु की राशि की वसूली अभी तक नहीं की गई है, इसलिये यह सलाह दी जाती है कि उक्त राशि को बट्टे खाते में डाला जाये और उक्त बही-खाता को बंद कर दिया जाये।

5. 31.03.2019 तक के संबंध में अनुसूची 8 (ऋण, अग्रिम और जमा) के अनुसार 535.71 लाख रु की अग्रिम राशि सीपीडब्लूडी को चुकायी गई है। (जो कि पिछले वर्ष 454.95 लाख रु थी)।

6. चालू वर्ष में शून्य रु की पूर्व अवधि आय और 10,70,586/- रु की पूर्व अवधि व्यय को निर्धारित किया गया है।

7. पिछले वर्षों में विशेष परियोजना हेतु रा.बा.भ. को एम.एस.जे.ई. द्वारा राशि प्राप्त हुई है। 31.03.2019 तक ब्याज सहित 45,83,283/- रुपये (पिछले वर्ष 44,26,363/- रुपये) इस परियोजना के लिए रा.बा.भ. के केनरा बैंक खाते में जमा है।

8. 8,759 रु की राशि को शेष राशि के रूप में दिखाई गई है जो कि काफी समय से जम्मू और कश्मीर बैंक में है। जैसा कि हमें सूचित किया गया है बैंक शाखा कश्मीर में थी एवं अभी इसका पता नहीं लग पा रहा है। इसलिए यह सलाह दी जाती है कि इसे बट्टे-खाते में डाला जाये।

9. 3,77,805/- रु के विविध देनदारों (अनुसची-7) का अभी तक पता नहीं चल पाया है और जैसा कि 5 वर्षों से भी अधिक समय से राशि बकाया है, अत: इस संबंध में यह सलाह दी जाती है कि यदि उक्त की वसूली नहीं हो सकती है तब शेष राशि को बट्टे खाते में डाला जाये।

10. प्रशासनिक व्यय (अनुसूची-17) के तहत बीबीके व्यय के रूप में 38,54,208/- की राशि के साथ 1,14,82,041/- रु की राशि को बीबीके परियोजना व्यय के रूप में दिखाया गया है जो कि उन अग्रिमों से संबंधित है जिसे बहुत पहले राज्य बाल भवनों को दिये गये थे।

11. प्रदत्त और वसूली योग्य दर्शाए गए अग्रिमों को संबंधित पक्ष/ विभाग से अन्तिम बिल की प्राप्ति/ रसीद मिलने पर अन्तिम शीर्ष में समायोजित कर दिया गया है।

12. राष्ट्रीय बाल भवन के प्रबंधन के विचार में, वर्तमान परिसंपत्तियों पर ऋण तथा अग्रिमों का मूल्य सामान्यत: वसूली पर होगा, यह कम से कम तुलन-पत्र में दर्शायी गयी राशि के बराबर होगा। सभी देयताओं (जिनकी जानकारी है) के लिए उपबंध कर दिया गया है।

13. इस संस्थान की आय आयकर अधिनियम की धारा 10 (23 सी) के अंतर्गत आयकर से छूट प्राप्त है। इसलिए इन लेखों में कर के लिए कोई उपबंध नहीं किया गया है।

14. अधिसूचना संख्या 50/2018 केंद्रीय कर दिनांक 13 सितंबर 2018 द्वारा जीएसटी पर लागू टीडीएस के प्रावधान दिनांक 01.10.2018 से प्रभावी है।

    एन.बी.बी. ने दिनांक 20.12.2018 को जीएसटी पंजीकरण किया एवं पंजीकरण की तारीख से ही प्रभावी टीडीएस काट लिए गए थे।

15. अनुदान की प्रारंभिक अत्ययित जमा राशि अनुसूची-10 में 24,05,362/- रुपये, राशि के रूप में दर्शाई गई है। (11,55,362/- रुपये सामान्य एन ई आर एवं 12,50,000/- रुपये पूंजीगत एन ई आर) तथा उसे दिनांक 24.08.2018 को लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार सी ए जी द्वारा उठाई गई। लेखा परीक्षा आपत्ति को शुद्ध किये जाने के लिए समग्र निधि (अनुसूची-1) से समायोजित की गई है।

16. प्रारंभिक शेषों का सत्यापन प्रबंधक द्वारा किया गया है और हम इस पर निर्भर हैं।

17. जहां कहीं आवश्यकता अनुभव हुई, पिछले वर्ष के आंकड़ों का पुन: समूहन किया गया है।

18. अंतिम लेखों में आंकड़ों को नजदीकी रुपये तक परिवर्तित कर दिया गया है।

स.ले.अधिकारी	परामर्शदाता (वित)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

भाग ग

लेखा रिपोर्ट

2018-19

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

सत्यमेव जयते

कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय व्यय)
Office of the Director General of Audit, (Central Expenditure)
इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली–110 002
Indraprastha Estate, New Delhi-110002

ए.एम.जी-IV/एस.ए.आर./एन.बी.बी/8-24/2019-20/ दिनाँक:29.01.2020

सेवा में,

सचिव, भारत सरकार,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
विद्यालयी शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001

विषय : वर्ष 2018-19 के लिए राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

महोदया/महोदय,

मैं, राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली के वर्ष 2018-19 के प्रमाणित वार्षिक लेखे की प्रति उसके प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित संसद के पटल पर रखने के लिए संलग्न करता हूँ।

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए, जब वे संसद को प्रस्तुत किये गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए।

कृपया यह सुनिश्चित किया जाये कि पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन को संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले वार्षिक लेखाओं को शासी निकाय (Governing Body) द्वारा अनुमोदित अवश्य करा लिया जाये तथा यह भी सुनिश्चित करें कि 2018-19 के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र को संसद के पटल पर रखने से पहले सभी पूर्व वर्षों के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र संसद के पटल पर प्रस्तुत किये जा चुके हों।

लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद एवं इसे जारी करने से सम्बन्धित सभी कार्यों को आपके निकाय द्वारा किया जाना ही अपेक्षित है। पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद जारी करते समय निम्नलिखित अस्वीकरण (disclaimer) अंकित करें।

"प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।"

भवदीय,

संलग्नक:यथोपरि

—हस्ता—
निदेशक (ए.एम.जी–IV)

Ph. : +91-11-23454100
Fax : +91-11-23702271

DGACR Building, I.P. Estate, New Delhi - 110002
E-mail : dgace@cag.gov.in

ए.एम.जी-IV/एस.ए.आर./एन.बी.बी/8-24/2019-20/1574 दिनाँक:29.01.2020

प्रति,प्रमाणित वार्षिक लेखे कि प्रति,उसके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित निदेशक,राष्ट्रीय बाल भवन,कोटला रोड,नई दिल्ली 110002 को आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित की जाती है| वार्षिक लेखाओं की हिंदी प्रति की 1 प्रति आवश्यक कार्यवाही हेतु इस कार्यालय को भेजी जाए|

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए,जब ये संसद को प्रस्तुत किये गए थे,इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए|

संलग्नक: यथोपरि

निदेशक (ए.एम.जी–IV)

ए.एम.जी-IV/एस.ए.आर./एन.बी.बी/8-24/2019-20/ दिनाँक:29.01.2020

प्रति, प्रमाणित वार्षिक लेखे कि प्रति,उसके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित महानिदेशक (स्वायत्त निकाय),भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का कार्यालय,9,दीन दयाल उपाध्याय मार्ग,नई दिल्ली-110124 को अग्रेषित की जाती है

यह महानिदेशक लेखापरीक्षा, केंद्रीय व्यय के अनुमोदन से जारी किया जा रहा है|

संलग्नक: यथोपरि

— हस्ता। —

निदेशक (ए.एम.जी–IV)

राष्ट्रीय बाल भवन के 31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लेखों की भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट

हमने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य एवं सेवा शर्त्ते) अधिनियम, 1971 की धारा 20(1) के अन्तर्गत राष्ट्रीय बाल भवन (एनबीबी) की 31 मार्च 2019 की स्थितिनुसार इसकी आय, व्यय खातों/प्राप्तियाँ एवं भुगतान की संलग्न तुलन पत्र की लेखा परीक्षा की है। लेखा परीक्षा 2022-23 तक की अवधि के लिए प्रस्तुत है। ये वित्तीय विवरणियाँ राष्ट्रीय बाल भवन के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारा दायित्व हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणियों पर राय व्यक्त करना है।

2. यह पृथक लेखा परीक्षा सर्वोत्तम लेखांकन प्रणालियों के अनुपालन, लेखांकन मानदण्डों तथा प्रकटीकरण मानदण्डों के अनुरूप वर्गीकरण के सम्बंध में लेखांकन व्यवहार्यता आदि पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ अन्तर्विष्ट है। विधि, नियम एवं विनियम (प्रापराईटी एवं नियमितता) के अनुपालन एवं दक्षता-सह-कार्यनिष्पाय के सम्बंध में वित्तीय लेन-देनों पर लेखा परीक्षा टिप्पणियों, यदि कोई हों, को निरीक्षण रिपोर्ट/सीएजी की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से पृथक से संसूचित किया गया है।

3. हमने अपनी लेखा परीक्षा को भारत में सामान्यत: स्वीकार्य लेखांकन मानदण्डों के अनुरूप संचालित किया है। इन मानकों में यह अपेक्षित है कि हम इस अतिज्ञान का वित्तीय विवरणियाँ सारवान दुष्कथन से मुक्त है, इस आशय का उचित आश्वासन हासिल करने के लिए हम अंकेक्षक की आयोजना और इस निष्पादन करते है। किसी भी लेखा परीक्षा में राशियों का अनुसमर्थन करने वाले साक्ष्यों एवं वित्तीय विवरणियों के तथ्यों का परिक्षण आधार पर पड़ताल करना शामिल है। लेखा परीक्षा में लेखांकन के सिद्धान्तों के साथ-साथ प्रबन्धन द्वारा किया गया पर्याप्त मूल्यांकन और वित्तीय विवरणियों की सम्यक प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल रहता है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा में हमारी राय के लिए पर्याप्त आधार विद्यमान रहता है।

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम यह रिपोर्ट देते है कि :-

(i) हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण हासिल कर लिए, किंतु रिपोर्ट में उल्लिखित बातों को छोड़कर जो कि हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोगनार्थ आवश्यक थे और हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार है।

(ii) इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते/प्राप्तियाँ और भुगतान खाता भारत सरकार, मानव संसाधन विकास विभाग मंत्रालय द्वारा निर्धारित फार्मेट में तैयार किए गए है।

(iii) हमारी राय में, रिपोर्ट में यथाउल्लिखित संदर्भो को छोड़कर, राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा समुचित लेखा बहियां व अन्य संगत रिकार्डों का रख-रखाव किया गया है, जहाँ तक ऐसी बहियों के हमारे परीक्षण से ज्ञात हुआ है।

(iv) हम यह भी रिपोर्ट करते है कि :-

क. तुलन पत्र

क.1 देयतायें

क.1.1 वर्तमान देयतायें एवं प्रावधान (अनुसूची 3) - रू 86.75 करोड

(i) वर्ष 2011-12 के दौरान एनबीबी ने मादक पदार्थ (ड्रग) दुरूपयोग एवं अवैध तस्करी के संबंध में राष्ट्रव्यापी अभियान के लिए सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय से 53 लाख रुपये की सहायता अनुदान राशि की प्राप्ति की थी तथा 19.25 लाख रुपये का उपयोग किया है। तथा, 45.83 लाख (11.99 लाख रुपये के ब्याज आय को सम्मिलित करते हुए) की अप्रयुक्त सहायता अनुदान की राशि को 31.03.2019 को चालू देयता में नहीं दर्शाया गया है। इसका अर्थ 45.83 लाख रुपये के संबंध में चालू देयता में कमी हुई है और पूंजीगत निधि के संबंध में बढ़ोत्तरी हुई है। यह पिछले वर्ष की रिपोर्ट में इंगित किया गया था परन्तु उपचारात्मक कार्रवाई नहीं की गई।

(ii) उपरोक्त में 56.30 लाख रुपए के अप्रयुक्त सहायता अनुदान शामिल हैं, जबकि 31 मार्च 2019 तक अप्रयुक्त सहायता अनुदान 64.78 लाख रुपए हैं। परिणामत: 8.48 लाख रूपए की चालू देयता एवं उपबंध पूंजीगत निधियों की जानकारी मिली है।

क.2 परिसम्पत्तियाँ

क.2.1 स्थायी परिसम्पत्तियाँ (अनुसूची 4) - 5.37 करोड़ रुपये

(i) उपरोक्त में 56.75 लाख रुपए की राशि की निर्माणाधीन कार्य की पूंजी शामिल नहीं की गई है। परिणामत: 56. 75 लाख रुपए की निर्माणाधीन कार्य की पूंजी (स्थिर परिसंपत्ति) एवं ऋण तथा अग्रिमों के अतिकथन की जानकारी प्राप्त हुई है।

(ii) भूमि और भवन को तुलन पत्र/अनुसूची में दो पृथक खाता शीर्षो के रूप में दर्शाया जाना चाहिए। यह विसंगति 2012-13 से इंगित की जाती रही है, किंतु इसमें कोई सुधार नहीं किया गया है। इसके फलस्वरूप 2014-15 से भूमि पर गलत ह्रास प्रभावित किया जा रहा है और इसके चलते स्थायी परिसम्पत्ति व पूंजीगत निधि खाते की संगणना नहीं की जा सकी है।

परिसम्पत्ति रजिस्टर में प्रत्येक भूमि के क्षेत्रफल को भी अलग से फ्री होल्ड और फ्री लीज के रूप में विनिर्दिष्ट किया जाना चाहिए।

क.2.2 ऋण, अग्रिमों एवं जमा राशियाँ (अनुसूची-8) – 7.20 करोड़ रुपए

मार्च 2008 से मार्च 2019 की अवधि के दौरान विभिन्न प्रयोजनों के लिए सी.पी.डब्ल्यू.डी. को दी गई 5.36 करोड़ रुपए की अग्रिम राशि उपरोक्त में शामिल है। इन निर्माण कार्यों में से 3.98 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि के निर्माण कार्य को पूरा किया गया है, पर प्रमाण-पत्र/लेख-पत्रक को प्रस्तुत करने की जरूरत के लिए अभी तक समायोजन नहीं किए गए हैं। इसके कारण 3.98 करोड़ रुपये की ऋण, अग्रिमों तथा जमा राशियों के अतिकथन व्यय की जानकारी प्राप्त नहीं हुई है।

ख. आन्तरिक रसीद खाता

केनरा बैंक के बचत खाता सं. 0158101118475 में पूंजीगत निधि (386.67 लाख रुपये), चालू देयता (00.88 लाख रुपये, स्थायी परिसम्पत्तियां रुपये 31.38 लाख तथा चालू परिसम्पत्तियां रुपये 356.16 लाख सहित बैंक राशि 183.47 लाख रुपये 144.91 लाख रुपये का निवेश को राष्ट्रीय बाल भवन के मुख्य खाते से बाहर रखे गये हैं)। इसे आन्तरिक सृजित निधियों के खाते के रूप में पृथक से दर्शाया जाना चाहिए था।

आन्तरिक सृजित निधियों के खाते राष्ट्रीय बाल भवन के खातों का ही अभिन्न अंग है और एनबीबी की वित्तीय स्थिति की सम्पूर्ण, सत्य और सुस्पष्ट तस्वीर पेश करने के दृष्टिगत पूर्ण संगठन का एक समेकित खाता तैयार किया जाना चाहिए। इस संबंध में 2015-16 में भी प्रश्न उठाया गया पर कोई उपचारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

ग. सामान्य

ग.1 वर्ष 1980-83 की अवधि से सम्बंधित जीपीएफ में से 2.13 लाख रुपये का निवेश सरकारी प्रतिभूतियों में दर्शाया गया है। इससे संबंधित रिकार्ड लेखा परीक्षा को उपलब्ध नहीं कराये गए है। इसी भांति 16,759/- रुपये की राशि जीपीओ नई दिल्ली में पड़ी है, इसे भी लेखा परीक्षा को प्रस्तुत नहीं किया गया है। 2011-12 तक के लिए इंगित किया जा रहा है।

एनबीबी ने बताया है कि निवेश को बैंक की सुरक्षित अभिरक्षा में रखा गया है। इस मामले को बैंक के साथ उठाया गया और बैंक ने सूचित किया है कि इस निवेश के रिकार्ड नहीं मिल रहे हैं और भा.रि.बैं के निर्देशों के अनुसार बैंक अपनी शाखा में रिकार्ड को 10 वर्ष से ज्यादा नहीं रख सके। एनबीबी को इस मामले में निर्णय लिए जाने की आवश्यकता है।

ग.2 राष्ट्रीय बाल भवन खाते में नोट्स (अनुसूची-24) इंगित करता है कि निम्नलिखित राशि को बट्टे खाते में डाल दिया जाना आवश्यक है।

- डीटीसी से 1.60 लाख रुपये वसूली योग्य नहीं है।
- जे एण्ड के बैंक के पास शेष राशि के रूप में 8,759 रुपये हैं जो ट्रेस करने योग्य नहीं है, और
- पांच साल से भी अधिक समय के उपरान्त सुंदरी देनदार से 3.78 लाख रुपये (अनुसूची-7) की वसूली नहीं हो पाई है।

हालांकि, रा.बा.भ. ने उपरोक्त राशि को लेखा से बट्टे-खाते में डाल दिया है। यह पिछले वर्ष की रिपोर्ट से बताया गया था लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

घ. सहायता अनुदान

वर्ष 2018-19 के दौरान मानव संसाधन विकास मंत्रालय से राष्ट्रीय बाल भवन ने 1875.16 लाख रुपये (84.27 लाख रूपये : पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण और 1790.89 लाख रुपये : आवर्ती अनुदान के निर्माण के लिए अनुदान) की सहायता अनुदान की प्राप्ति की है। इसने पिछले वर्ष की 200.68 लाख रुपये की राशि (पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए अनुदान : 12.50 लाख रुपये तथा आवर्ती अनुदान : 188.18 लाख रुपये) 2075.84 लाख रुपये की कुल निधियों में से राष्ट्रीय बाल भवन ने 2011.06 लाख रुपये की राशियों का प्रयोग किया है (पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए अनुदान राशि : 84.21 लाख रुपये तथा आवर्ती अनुदान राशि : 1926.85 लाख रुपये) एवं 64.78 लाख रुपये की शेष राशि (पूंजीगत परिसंपत्तियां : 12.56 लाख रुपये एवं आवर्ती अनुदान : 52.22 लाख रुपये के निर्माण के लिए) प्रयोग में नहीं लाई गई है।

ड. प्रबन्धन पत्र

लेखा परीक्षा में शामिल की गई कमियों की जानकारी उपचारात्मक/ सुधारात्मक कार्यवाही के लिए पृथक से जारी प्रबन्धन पत्र के माध्यम से निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन के संज्ञान में लाई गई है।

(v) विगत पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अध्याधीन हम यह रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन पत्र, आय और व्यय खाता तथा प्राप्तियां व भुगतान लेखा बहियों के अनुसार है।

(vi) हमारी राय तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार लेखा नीतियों तथा लेखा सम्बंधी नोट और टिप्पणी सं. ख व अन्य उल्लेखनीय मामलों, व इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामलों के अध्याधीन उपरोक्त वित्तीय विवरणियां सत्य एवं स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करती हैं और भारत में सामान्यत: स्वीकार्य लेखा नीतियों के अनुरूप हैं।

क. जहाँ तक 31 मार्च 2019 की स्थितिनुसार राष्ट्रीय बाल भवन की स्थिति पर तुलन पत्र का सम्बंध है; और

ख. जहाँ तक उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते में कमी का सम्बंध है।

कृते और भारत के नियंत्रक एवं महालेखाकार की ओर से

स्थान : नई दिल्ली
दिनाँक : 29.01.2020

महानिदेशक लेखा परीक्षा
केन्द्रीय व्यय

लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुलग्नक I

1. आन्तरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

- राष्ट्रीय बाल भवन में अपना कोई आन्तरिक लेखा परीक्षा अनुभाग/विभाग नहीं है। इनका कोई लेखा परीक्षा मैनुयल भी नहीं है।

2. आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

राष्ट्रीय बाल भवन का आन्तरिक नियंत्रण निम्नलिखित कारणवश अपर्याप्त है :-

- राज्य बाल भवनों/बाल केन्द्रों को राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा दिए गए अग्रिमों के उपयोग किए जाने का प्रमाण पत्र न किया जाना।
- 2007-08 से केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को दिए गए अग्रिमों का समायोजन न करना।
- 31.03.2019 तक 45 वाह्य लेखा परीक्षा पैरा बकाया थें।
- लेखा नियम पुस्तक का रख-रखाव नहीं किया गया है।
- देनदारों/ऋणों एवं अग्रिमों की पुष्टि नहीं की गई है।

3. स्थायी परिसम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- स्थायी परिसम्पत्तियों जैसे फर्नीचर और फिक्चर, वाहन, संयंत्र और मशीनरी, कम्प्यूटर और उपस्करों का भौतिक सत्यापन मार्च 2019 तक आयोजित किया गया।
- मार्च 2019 तक की बहियों एवं प्रकाशनों की प्रत्यक्ष जांच की गई है।

4. माल सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- स्टेशनरी और अन्य उपभोज्य मदों जैसी वस्तुओं का भौतिक सत्यापन मार्च 2019 तक किया गया है।

5. देयताओं के भुगतान में नियमितता

- लेखों के अनुसार, 31.03.2019 की स्थितिनुसार सांविधिक देयताओं के सम्बंध में कोई भी भुगतान छः माह से ऊपर लम्बित नहीं था।

Disclaimer

''प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।''